प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- एलडीएफ-यूडीएफ खेल रहे नूरा-कुश्ती
- 10

अतिरिक्त शुल्क से एक फरवरी से तंबाकू उत्पादक हो जाएंगे महंगे
- 10

कच्चा तेल : रूस के बाद वेनेजुएला पर भी ट्रंप सख्त भारत की बढ़ेगी मुश्किल
- 11

क्या पंत को खेलने का मौका दिए बिना बाहर करेंगे चयनकर्ता
- 12

आज का मौसम

16.0° अधिकतम तापमान

08.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.06

सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 06:53 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 2 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 313, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ST. LAWRENCE SR. SEC. SCHOOL HALDWANI KNOWLEDGE IS POWER

सेंट लॉरेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हल्द्वानी

30 Years of Excellence

HAPPY NEW YEAR 2026

Regular Sports & Activities

सेंट लारेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रबंधक अनिल जोशी, सुनील जोशी को सम्मानित करते शिक्षा मंत्री

तीन दशकों से शिक्षा, संस्कार और उत्कृष्टता की सशक्त पहचान

सेंट लॉरेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हल्द्वानी

वर्ष 1995 में स्थापित सेंट लॉरेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हल्द्वानी ने शिक्षा के क्षेत्र में तीन दशकों की एक गौरवशाली, सुदृढ़ और प्रेरणादायी यात्रा तय की है। यह विद्यालय केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास को अपना मूल उद्देश्य मानता है, जहाँ शिक्षा, संस्कार और अनुशासन का संतुलित एवं सार्थक समन्वय होता है। विद्यालय का शैक्षणिक ढांचा नई शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप बाल–केन्द्रित, कौशल–आधारित एवं अनुभवात्मक शिक्षण पर आधारित है। स्मार्ट क्लासरूम्स, अनुभवी एवं समर्पित शिक्षक तथा सुव्यवस्थित अकादमिक प्रणाली विद्यालय की विशिष्ट पहचान हैं। इसी सतत गुणवत्ता और प्रतिबद्धता का प्रतिफल है कि विद्यालय ने वर्षों से 100% परीक्षा परिणाम की गौरवपूर्ण परंपरा बनाए रखी है। सीबीएसई से ए–प्लस मान्यता प्राप्त यह विद्यालय अपनी उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है।

विद्यालय में संचालित 'संस्कार शाला' विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, जीवन कौशल, आत्म–अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व के विकास का सशक्त माध्यम है। शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए विद्यालय में अत्याधुनिक टर्फ मैदान, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट नेट्स, योग सहित सभी प्रमुख खेलों की सुविधाएँ तथा प्रशिक्षित कोच उपलब्ध हैं। विद्यार्थी सीबीएसई क्लस्टर, ओलंपियाड, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। सेंट लॉरेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों को एक सुरक्षित, सहयोगी और प्रेरणादायी परिवेश प्राप्त होता है, जहाँ सीसीटीवी सुरक्षा, व्यक्तिगत मार्गदर्शन, प्रशिक्षित काउंसलर द्वारा नियमित काउंसलिंग., आधुनिक प्रयोगशालाएँ तथा सुव्यवस्थित पुस्तकालय उत्कृष्ट शिक्षा के सुदृढ़ स्तंभ के रूप में कार्य करते हैं और विद्यार्थियों के समग्र विकास को निरंतर दिशा प्रदान करते हैं। विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ इसकी शैक्षणिक गुणवत्ता, मूल्यपरक शिक्षा और दूरदर्शी दृष्टिकोण की सशक्त साक्षी हैं–यही कारण है कि सेंट लॉरेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल आज भी उत्कृष्टता की परंपरा को नई ऊँचाइयों तक ले जा रहा है। प्रसून पांडेय, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से **Master of Studies (Pure Mathematics)** कर रहे हैं। पीयूष खाती, स्वर्णिम पंत, गौरव बिष्ट, करण मेहरा एवं नमन संग्रौला का चयन **NDA** में हुआ है। अर्पिता आर्या, पल्लवी कोठारी एवं दीप्ति गुरुरानी **MBBS** में चयनित हैं। कार्तिक पाठक (आईआईटी रोपड़), हर्षित जोशी (आईआईटी खड़गपुर), निशांत चौधरी (आईआईटी रुड़की), श्रेया सक्सेना (IISER–मोहाली), हर्षिका तिवारी (IIEST–शिवपुर), कुनाल उप्रेती (NIT–जम्शेदपुर) जैसे विद्यार्थियों ने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। ''जहाँ शिक्षा संस्कार और समर्पण से मिलती है, वहाँ बच्चे सिर्फ विद्यार्थी नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य के निर्माता बनते हैं।''

Achievement

1. Topped the University of Cambridge as a student of **MASt in Pure Mathematics.**
2. **University Gold Medalist** at DIT University.
3. Published **three research papers** and solved **three international problems** of the Mathematical Gazette, University of Cambridge.

Prasoon Pandey

Devalchaur Kham, Rampur Road , Haldwani, Nainital. Phone No: 9536323702 Website : St.lawrenceschoolhld.org

स्टेट ब्रीफ

पिपिंग सेरेमनी में अफसरों को बैच पहनाए

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने गुरुवार को उत्तराखंड पुलिस के पदोन्नत वरिष्ठ अधिकारियों को मुख्यमंत्री आवास में आयोजित पिपिंग सेरेमनी में बैच पहनाए और सभी अधिकारियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

अंकिता मामले की सीबीआई जांच हो

देहरादून : सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना ने गुरुवार को अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की। भयाना ने देहरादून प्रेस क्लब में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह निर्भया और उन्नाव दुष्कर्म मामले में पीड़िताओं को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ चुकी हैं। अंकिता हत्याकांड में लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं लेकिन उसके बावजूद सरकार की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। समाज और मीडिया के माध्यम से जो जानकारियां सामने आई है, उन पर गंभीरता से विचार किए जाने की जरूरत है ताकि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो पाए। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि उर्मिला सनावर कहां है और उनका सोशल मीडिया अकाउंट क्यों फ्रीज किया गया है।

विकास व आत्मनिर्भर उत्तराखंड पर फोकस

नए साल के पहले दिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रखा प्रदेश के लिए वर्ष 2026 का एजेंडा व विजन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि हमारा लक्ष्य है कि उत्तराखंड सशक्त, सुरक्षित, आत्मनिर्भर और विकास के अवसरों से भरपूर राज्य बने जहां किसान समृद्ध हों, युवा आशावान हों और महिलाएं मुख्यधारा में सहभागी बनें। युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है। सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता के साथ-साथ स्टार्टअप, उद्योग और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देंगे। यह साल सरकार के लिए 'नीतियों से परिणाम' का वर्ष होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, वर्ष 2026 को राज्य के विकास की दिशा में एक निर्णायक और परिणामोन्मुख वर्ष बनाने का लक्ष्य रखा है। ऐतिहासिक नीतिगत निर्णयों के बाद अब सरकार का मुख्य फोकस योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जमीनी बदलाव और आम नागरिक की आय व जीवन स्तर में ठोस सुधार पर केंद्रित रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 की कार्ययोजना सुशासन, समावेशी विकास, आर्थिक आत्मनिर्भरता, कृषि-उद्यानिकी सशक्तिकरण और पर्यावरण संतुलन के इर्द-गिर्द केंद्रित है।

पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन

हिमालयी पारिस्थितिकी का संरक्षण, नदियों और जल स्रोतों का पुनर्जीवन, वनों की सुरक्षा और आपदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना सरकार की दीर्घकालिक प्राथमिकताओं में शामिल है।

कहा, इस साल ई-गवर्नेंस को सभी विभागों में अनिवार्य रूप से लागू करते हुए डिजिटल फाइल सिस्टम, ऑनलाइन सेवाओं और समयबद्ध डिलीवरी को सशक्त किया जाएगा। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण और सेवाओं की तय समय-सीमा में उपलब्धता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकारी भर्तियों को पूरी तरह पारदर्शी, समयबद्ध और नकलमुक्त बनाए रखने का संकल्प दोहराया गया है। निजी क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए स्टार्टअप, आईटी पार्क, उद्योग और निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा। युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट, तकनीकी प्रशिक्षण और स्वरोजगार योजनाओं का विस्तार किया जाएगा।

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ महिला सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों, लखपति दीदी योजना और महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित कर महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी

राज्य में सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी को मजबूती देना एजेंडे का अहम स्तंभ है। चारधाम ऑल वेदर रोड, ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना, हेली सेवाओं का विस्तार और सीमावर्ती क्षेत्रों में रणनीतिक सड़कों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि पर्वतीय और दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य, शिक्षा और आपात सेवाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित हो सके।

पर्यटन: रोजगार और स्थानीय भागीदारी

पर्यटन को आर्थिक इंजन के रूप में विकसित करना रणनीति का अहम हिस्सा है। चारधाम यात्रा को सुरक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के साथ-साथ विंटर टूरिज्म, साहसिक पर्यटन, ईको-टूरिज्म और होमस्टे योजनाओं को प्रोत्साहन दिया जाएगा। स्थानीय युवाओं और महिलाओं की भागीदारी से पर्यटन आधारित रोजगार सृजन पर विशेष जोर रहेगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई रीढ़

इस साल सबसे सशक्त फोकस कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी को आय बढ़ाने का मुख्य माध्यम बनाना है। इसके तहत पॉलीहाउस खेती, कीवी उत्पादन, हाई वैल्यू फसलों और सेब–कीवी नीति को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार पर्वतीय क्षेत्रों में पॉलीहाउस आधारित खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देगी, जिससे किसान वर्षभर सब्ज़ी, फूल और उच्च गुणवत्ता वाली फसलें उगा सकें। पॉलीहाउस के लिए अनुदान, तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने की व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। कीवी मिशन/कीवी नीति के तहत उत्तराखंड को देश का प्रमुख कीवी उत्पादक राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सेब, नाशपाती, अखरोट और अन्य पहाड़ी फलों की वैल्यू चेन विकसित की जाएगी।

नव वर्ष पर राज्यपाल गुरमीत सिंह से शिष्टाचार भेंट करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

नया साल नए अवसरों का प्रतीक: मुख्यमंत्री

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नववर्ष के पहले दिन लोकभवन में राज्यपाल गुरमीत सिंह से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें आंग्ल नववर्ष की शुभकामनाएं दी। साथ ही उनसे विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई।

वहीं, मुख्यमंत्री से उनके आवास पर कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों, शासन-प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों-कर्मचारियों, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने शिष्टाचार भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। सीएम ने कहा कि नया वर्ष नई ऊर्जा, नए संकल्प और नए अवसरों का प्रतीक होता है, जो हमें समाज और राज्य की सेवा के प्रति और अधिक दृढ़ संकल्पित करता है। यह वर्ष राज्य की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। इस वर्ष सरकार सुशासन, जनकल्याण और आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों की दिशा में और अधिक सशक्त कदम बढ़ाएगी। शासन-प्रशासन व जन सहयोग से राज्य को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थान दिलाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह वर्ष एक महत्वपूर्ण पड़ाव सिद्ध होगा।

तीन माह में सहकारी बैंकों में होगी 177 पदों पर भर्ती: रावत

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्य एवं जिला सहकारी बैंकों में तीन माह के भीतर वर्ग-1, वर्ग-2 एवं वर्ग-3 के 177 रिक्त पदों पर आईबीपीएस के माध्यम से पूर्ण पारदर्शिता के साथ भर्ती की जाएगी। इसके अतिरिक्त पैक्स सचिवों की नियुक्ति हेतु कैडर नियमावली में संशोधन कर 350 सचिवों की नियुक्ति शीघ्र की जाएगी, जिनका चयन लिखित परीक्षा के माध्यम से पारदर्शी ढंग से किया जाएगा।

सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुरुवार को कहा कि, सहकारिता विभाग के अंतर्गत सहकारी समितियों के निर्वाचन सम्पन्न हो चुके हैं। राज्य सरकार के 30 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व के ऐतिहासिक निर्णय के फलस्वरूप पहली बार सहकारी समितियों में महिलाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हुई है। कुल 668 समितियों में से 280 से अधिक समितियों में महिलाएं अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुई हैं। शीघ्र ही केन्द्रीय एवं शीर्ष सहकारी समितियों में भी निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी।

कहा कि, यह वर्ष उत्तराखंड राज्य में सहकारिता के सशक्तिकरण एवं सहकार से समृद्धि के संकल्प को पूरा करने का वर्ष होगा। राज्य में सहकारिता की तरह राज्य सहकारिता नीति तैयार की जाएगी। इसके माध्यम से सहकारी समितियों में स्वायत्तता, पारदर्शिता तथा प्रक्रियाओं की सरलता सुनिश्चित की जाएगी। अधिनियम में आवश्यक संशोधन कर समितियों को और अधिक पारदर्शी व सक्षम बनाया जाएगा।

स्थापित होगा केन्द्रीय सहकारी विवि का पीएमयू

मंत्री ने कहा कि, सहकारिता के क्षेत्र में युवाओं को करियर एवं शोध के अवसर उपलब्ध कराने तथा आम लोगों तक सहकारिता की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य में पीएमयू (प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट) की स्थापना की जाएगी। राज्य में रेहड़ी-ठेली व्यवसायियों, दैनिक मजदूरों एवं छोटे स्वरोजगारियों को सहकारी बैंकिंग से जोड़ते हुए उनके लिए नए वित्तीय उत्पाद विकसित किए जाएंगे। सहकारी बैंकों एवं समितियों के माध्यम से उन्हें आसान ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

विकास को 160.54 करोड़ स्वीकृत हुए

देहरादून: मुख्यमंत्री धामी ने सिंचाई परियोजनाओं, सड़कों के चौडीकरण एवं मानव वन्य जीव संघर्ष को कम करने के प्रयासों में तेजी लाए जाने के साथ ही आपदा की दृष्टि से संवेदनशील जनपदों में संचार सुविधाओं के विकास आदि के लिए कुल 160.54 करोड़ रुपये का अनुमोदन प्रदान किया है। इनमें प्रमुख रूप से नाबार्ड वित्त पोषण से सम्बन्धित विभिन्न जनपदों के अन्तर्गत सिंचाई विभाग की विभिन्न 16 योजनाओं, किच्छा विधानसभा में नगला-किच्छा मोटर मार्ग (एसआर-44) के किमी 4.850 से किमी 12.600 तक के हिस्से को दो लेन से चार लेन में बदलने की योजना, मानव-वन्य जीव संघर्ष की रोकथाम हेतु वन प्रभागों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने, आपदा के दृष्टिगत संवेदनशील पिथौरागढ़, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी एवं बागेश्वर में पुलिस संचार नेटवर्क को उच्चीकृत करने की योजना को अनुमोदन दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का एलान, अब नहीं लड़ूंगा चुनाव

एजेंसी, नयी दिल्ली/देहरादून

अमृत विचार: कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने गुरुवार को कहा कि वह अब कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे लेकिन अगले विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में कांग्रेस को बहुमत से जिताने के लिए पूरी ताकत से पार्टी के साथ खड़े रहेंगे।

रावत ने यहां पत्रकारों से कहा कि उन्होंने तय कर लिया है कि वह अब चुनाव नहीं लड़ेंगे लेकिन कांग्रेस उत्तराखंड में अगला विधानसभा चुनाव जीते इसके लिए वह अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करेंगे और पार्टी उम्मीदवारों के साथ सक्रिय रहेंगे। पार्टी से नाराजगी संबंधी प्रश्न पर उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है, वह पार्टी के सिपाही हैं और कांग्रेस की मजबूती के लिए समर्पित भाव से काम करेंगे लेकिन चुनाव नहीं लड़ेंगे। जब उनके जैसे बड़े नेता चुनाव से दूर रहेंगे तो पार्टी कैसे चुनाव जीतेगी तो इस सवाल पर रावत ने कहा कि पहले भी उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा लेकिन कांग्रेस की सरकार उत्तराखंड में बनी और इस बार वह पूरी तरह से पार्टी को चुनाव जिताने के लिए ही काम करेंगे। कांग्रेस संगठन में महत्व नहीं मिलने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि वह पार्टी के समर्पित सिपाही हैं और उन्होंने हमेशा समर्पण के साथ कांग्रेस के लिए काम किया है और आगे भी उसी भाव से पार्टी की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पार्टी से कोई शिकायत नहीं है और पार्टी की मजबूती के लिए वह बूथ लेबल पर भी काम करने को तैयार हैं। वहीं, पूर्व सीएम रावत ने आरोप लगाया कि, भाजपा शासन में उत्तराखंड बदहाल स्थिति में पहुंच गया है इसलिए पूरा माहौल कांग्रेस के पक्ष में है। अब जब भी चुनाव होंगे, कोई भी करिश्मा भाजपा को जिता नहीं सकता। यह भी आरोप लगाया कि, उत्तराखंड की भाजपा सरकार जनविरोधी है और उसकी नीतियों से लोग तंग आ चुके है। उत्तराखंड की भाजपा सरकार से लोग पीछा छुड़ाना चाहते हैं और कांग्रेस को लाना चाहते हैं इसलिए जब भी चुनाव होंगे कांग्रेस की जीत पक्की है।

भालू के हमले में व्यक्ति घायल

गोपेश्वर: चमोली जिले में नंदानगर तहसील के खुनाणा गांव में गुरुवार को भालू के हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि भालू के अचानक हुए हमले से केशर सिंह कठैत (40) बुरी तरह लहूलुहान हो गया। कठैत को गंभीर हालत के मद्देनजर प्राथमिक उपचार के बेहतर उपचार के लिए हेलीकॉप्टर से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश भेजा गया। खुनाणा ग्राम पंचायत के प्रधान महावीर सिंह ने बताया कि भालू का हमला पूर्वाह्न दस बजे के आसपास हुआ जब कठैत अपनी भेड़ों को लेकर गांव के पास स्थित एक स्कूल तक ही जा पाया था। उन्होंने बताया कि कठैत ने भालू के साथ काफी देर तक संघर्ष किया और लंबी जद्दोजहद के बाद किसी तरह से घास काटने में इस्तेमाल होने वाले थमियाले (बड़ी दरांती) की मदद से खुद को भालू की पकड़ से छुड़ाया।

चलती बस में लगी आग, मची चीख पुकार

संवाददाता, देहरादून

- चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा होते बचा

अमृत विचार: ऋषिकेश के डोईवाला क्षेत्र में गुरुवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब सवारियों से भरी उत्तराखंड राज्य परिवहन निगम की बस में अचानक आग लग गई। बस हरिद्वार से देहरादून की ओर जा रही थी।

जानकारी के अनुसार उत्तराखंड रोडवेज के लोहाघाट डिपो की बस डोईवाला के लालतप्पड़ स्थित साईं मंदिर के सामने पहुंची ही थी कि चलती बस में आग लग गयी। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण वायरिंग में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बस में चालक सहित कुल 15 यात्री मौजूद थे, जिनमें से अधिकांश नींद में थे। अचानक आग और धुआं उठता देख बस में हड़कंप मच गया और यात्रियों में चीख-पुकार शुरू हो गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत बस को सड़क किनारे रोक दिया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। घटना की सूचना मिलते ही पास स्थित लालतप्पड़ चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, नजदीक स्थित डोईवाला फायर स्टेशन से दमकल विभाग की टीम ने तुरंत पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। दमकल विभाग और पुलिस के अनुसार इस घटना में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई है। बस चालक सहित सभी सवारियां पूरी तरह सुरक्षित हैं। किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

नंदा सुनंदा पहल के तहत चेक सौंपे

देहरादून: जिला प्रशासन ने नंदा-सुनंदा पहल के तहत पांच गरीब जरूरतमंद बालिकाओं को शिक्षा सहायता के लिए 1.55 लाख रुपये के चेक सौंपे। जिलाधिकारी सविन बंसल ने जिला कलेक्ट्रेट सभागार में एक कार्यक्रम के दौरान यह चेक वितरित किए। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, नववर्ष की शुरुआत हम सभी पूजा-अर्चना से करते हैं और ऐसे में वर्ष के पहले दिन जरूरतमंद बालिकाओं की शिक्षा को पुनर्जीवित करने की शुरुआत एक अत्यंत संतोष और पुण्य का कार्य है। कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का निर्देश है कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए और इसके लिए जिलों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं सृजित की जाएं।

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने के आरोपी को अग्रिम जमानत

विधि संवाददाता, नैनीताल

- कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के महत्व पर दिया जोर

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के मामले में आरोपी को अग्रिम जमानत दी है। न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा ने 29 दिसंबर को यह आदेश दिया।

मामले के मुताबिक, ऊधमसिंह नगर जिले के जसपुर थाने में नौ मई 2025 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 और 351(2) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उससे कथित रूप से शारीरिक संबंध बनाए और बाद में विवाह करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने अदालत में दलील दी कि ये संबंध आपसी सहमति से बनाए गए थे। महिला बालिग व समझदार थी और उनके मुवक्किल ने विवाह का कोई वादा नहीं किया था। आरोपी के अधिवक्ता ने अदालत में यह भी कहा कि उसके मुवक्किल का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

अदालत ने कहा कि सहमति से बने हर रिश्ते को शादी के झूठे वादे पर आधारित रिश्ता नहीं कहा जा सकता और वादा तोड़ना तभी अपराध माना जाता है, जब शुरुआत से ही शादी करने का कोई इरादा न हो।

हालांकि, इस मुद्दे का निर्धारण केवल मुकदमे के दौरान ही किया जा सकता है। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के महत्व पर जोर देते हुए आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार कर ली।

अदालत ने निर्देश दिया कि गिरफ्तारी की स्थिति में याचिकाकर्ता को निजी मुचलके और दो जमानती पेश करने पर अग्रिम जमानत के तहत रिहा कर दिया जाए।

भाजपा नेता भगत राम कोठारी का इस्तीफा

संवाददाता, देहरादून

- अंकिता हत्याकांड बताया जा रहा है उनके इस्तीफे का कारण

अमृत विचार: नववर्ष के पहले ही दिन भाजपा को ऋषिकेश में बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व राज्य मंत्री एवं समाजसेवी भगत राम कोठारी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे का मुख्य कारण अंकिता भंडारी हत्याकांड बताया जा रहा है।

कोठारी लंबे समय से जनहित के मुद्दों को लेकर सक्रिय रहे हैं और अंकिता हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मामला आज भी उत्तराखंड की राजनीति को झकझोर रहा है, लेकिन सरकार और पार्टी स्तर पर अपेक्षित संवेदनशीलता और ठोस कार्रवाई नहीं दिखी। इस्तीफे के बाद कोठारी ने भावुक बयान देते हुए कहा कि अंकिता हमारी बेटी है। यह मामला राज्य में महिलाओं की असुरक्षा का प्रतीक बन चुका है। मैंने लगातार न्याय की मांग की, लेकिन पार्टी ने राजनीतिक सुविधा को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि मुझे भारी मन से पार्टी छोड़ने का फैसला लेना पड़ा।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार जनता के मूल मुद्दों से कटती जा रही है। राज्य आंदोलनकारी होने के नाते उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा उत्तराखंड और उसकी जनता रही है और आगे भी वे जनहित की लड़ाई लड़ते रहेंगे।

कार्यों की गुणवत्ता व प्रगति की लगातार समीक्षा करें: सीएस

मुख्य संवाददाता, देहरादून

सचिवालय में राज्य आपदा मोचन निधि की बैठक को संबोधित करते मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन।

अमृत विचार: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में राज्य आपदा मोचन निधि एवं राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि मद के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों के अनुमोदन हेतु राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने समिति द्वारा विभिन्न प्रस्तावों को संस्तुति प्रदान देते हुए कहा कि कार्यों की गुणवत्ता और भौतिक प्रगति की लगातार समीक्षा की जाए।

मुख्य सचिव ने आपदा प्रबंधन विभाग को स्वीकृत प्रस्तावों को दिए जाने वाले फंड्स एवं कार्य की भौतिक प्रगति की समीक्षा भी करने के निर्देश दिए। कहा कि विभागों से एमसीआर के फॉर्मेट पर भौतिक प्रगति रिपोर्ट ली जाए। उन्होंने सिंचाई विभाग को विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता वाली नियोजन की इंजीनियर्स समिति को सक्रिय किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि प्रस्ताव भेजे जाने से पहले इस समिति द्वारा तकनीकी और वित्तीय पहलुओं का परीक्षण करने के बाद ही प्रस्ताव भेजे जाएं। मुख्य सचिव ने सचिव आपदा को राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक में ईएनसी पीडब्ल्यूडी को भी स्थायी सदस्य शामिल करने और बाढ़ सुरक्षा कार्यों के लिए नॉर्म्स बनाये जाने के भी निर्देश दिए। सीएस ने कहा कि कार्यस्थल की स्थिति और प्रकृति के अनुरूप प्रत्येक कार्य की अलग अलग आवश्यकता हो सकती है। प्रत्येक कार्य की स्थिति एवं प्रकृति के अनुरूप कार्य किया जाना चाहिए, जहां संभव हो वहां वेजिटेटिव प्रोटेक्शन वर्क को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सीएस ने विभागाध्यक्ष सिंचाई को देहरादून के अंतर्गत विभिन्न कैनाल सिस्टम को दुरुस्त करते हुए नहरों के सुधारीकरण एवं मजबूतीकरण कार्यों का प्रस्ताव तैयार किए जाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव डॉ. वी. षणमुगम, विनोद कुमार सुमन, आनन्द स्वरूप, अपर सचिव रंजना राजगुरु एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बन्धित जनपदों के जिलाधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हिस्ट्रीशीटर महिला सहित तीन गिरफ्तार

देहरादून: कोतवाली डोईवाला पुलिस ने नए साल पर चेकिंग के दौरान स्कूटी सवार दो महिलाओं और एक युवक से करीब 15 लाख रुपये कीमत की 49.89 ग्राम स्मैक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से एक महिला हिस्ट्रीशीटर है। आरोपियों पर पूर्व में कई अभियोग दर्ज हैं और पूर्व में भी मादक पदार्थों की तस्करी में जेल जा चुके हैं।

चौकी प्रभारी लालतप्पड़ विनय मित्तल ने बताया कि, चौकी लालतप्पड़ के पास आकस्मिक चेकिंग के दौरान तीन नशा तस्करों सोनी से 19.68 ग्राम स्मैक, नेहा से 14.66 ग्राम स्मैक तथा स्कूटी चला रहे अनूप कुमार उर्फ आशू से 15.55 ग्राम स्मैक बरामद की गई।

हरिद्वार में एक ही दिन में गैंगस्टर के 64 केस दर्ज

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: हरिद्वार में अपराधियों के लिए साल का पहला दिन हैप्पी न्यू ईयर बजाय 'हॉरर न्यू ईयर' रहा। एक ही दिन में 64 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में अभियोग दर्ज कराया गया। इनमें कई गिरोहों के सरगना समेत सभी सदस्य रडार पर आ गए हैं, जिनकी पुलिस अब कुंडली खंगाल रही है।

एसएसपी हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि, कानून-व्यवस्था को सख्त बनाए रखने के लिए सक्रिय अपराधियों के खिलाफ अभियान तेज किया गया है। इसके तहत, संगठित गिरोह बनाकर अपराध करने वाले आदतन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुरुवार को 64 अभियुक्तों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएसपी ने बताया कि, इनमें श्यामपुर थाने में 3, थाना झबरेड़ा में 2, कनखल में 6, ज्वालापुर कोतवाली में 2, रानीपुर कोतवाली में 4, सिड़कुल में 5, बहादराबाद में 7, कलियर में 1, रुड़की कोतवाली में 3, गंगनहर कोतवाली में 3, पथरी में 5, लक्सर कोतवाली में 7, मंगलौर कोतवाली में 8, भगवानपुर थाने में 6 और बुग्गावाला थाने में 2 अभियुक्तों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- एलडीएफ-यूडीएफ खेल रहे नूरा-कुश्ती
- 10

- अतिरिक्त शुल्क से एक फरवरी से तंबाकू उत्पादक हो जाएंगे महंगे
- 10

- कच्चा तेल : रूस के बाद वेनेजुएला पर भी ट्रंप सख्त भारत की बढ़ेगी मुश्किल
- 11

- क्या पंत को खेलने का मौका दिए बिना बाहर करेंगे चयनकर्ता
- 12

आज का मौसम

16.0° अधिकतम तापमान

08.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.06

सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 06:53 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 2 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 313, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

नववर्ष : अयोध्या में रामलला दरबार और मथुरा में श्री द्वारकाधीश मंदिर में उमड़ी भीड़

नए साल पर अयोध्या और मथुरा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, खासकर अयोध्या के राम मंदिर में, जहां लाखों लोग रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे, जिससे पूरे शहर में भारी जनसैलाब दिखा और प्रशासन को भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा और व्यवस्था करनी पड़ी। **दाएं :** मथुरा में भी मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई, श्री द्वारकाधीश मंदिर में उमड़े श्रद्धालु।

बांग्लादेश में हिंदू को जलाया

ढाका, एजेंसी

- धारदार हथियार से वार कर कारोबारी पर डाला पेट्रोल

बांग्लादेश के शरियतपुर जिले के दामुद्या इलाके में बुधवार रात बाजार से घर लौट रहे एक हिंदू कारोबारी की पहले बेरहमी से पिटाई की गई, फिर धारदार हथियार से वार किया गया और आखिर में शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। गंभीर हालत में कारोबारी को ढाका रेफर किया गया है।

कारोबारी की पहचान 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास के रूप में हुई है। वह केनश्वर यूनियन के केउरभंगा बाजार में दवा और मोबाइल बैंकिंग का कारोबार करते हैं। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात दुकान बंद कर वह ऑटो से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने ऑटो रुकवाया और उन पर हमला कर दिया। बदमाशों ने पहले खोकन चंद्र दास की पिटाई की। इसके बाद उन पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। यहीं नहीं रुके हमलावर, बल्कि उन्होंने खोकन के सिर पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। अचानक हुए इस हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

अस्पताल में भर्ती, हालत नाजुक

जान बचाने के लिए खोकन चंद्र दास सड़क किनारे स्थित एक तालाब में कूद गए। आसपास मौजूद लोगों के शोर मचाने पर हमलावर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला और रात करीब 10 बजे शरियतपुर सदर अस्पताल पहुंचाया।

ब्रीफ न्यूज

एक फरवरी से फास्टैग के लिए केवाईवी प्रोसेस होगा बंद

नई दिल्ली। एनएचएआई ने एक फरवरी से जारी नए फास्टैग वाली कार, जीप, वैन श्रेणी के लिए 'नो योर व्हीकल-केवाईवी' प्रक्रिया बंद कर दी है। यह सुधार सड़क का उपयोग करने वाले उन लाखों लोगों को राहत देगा, जिन्हें वाहनों के मान्य दस्तावेज और फास्टैग सक्रिय होने के बावजूद केवाईवी में देरी जैसी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। मौजूदा फास्टैग को लेकर स्पष्ट किया गया है कि यदि इसमें किसी तरह की शिकायत नहीं है, तो केवाईवी रूटीन जरूरत के तौर पर अनिवार्य नहीं होगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नाम का दुरुपयोग करने के आरोप में मामला दर्ज

नई दिल्ली। सीबीआई ने खुद को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का करीबी बताने वाले दक्षिण दिल्ली की एक पॉश कॉलोनी के निवासी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी व्यक्ति ने सरकारी स्वामित्व वाली रक्षा कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों व वैज्ञानिकों, अनुसंधान निकायों और यहां तक कि अमेरिकी नौसेना के एक शीर्ष अधिकारी को कई ईमेल किए थे। आरोपी ने ईमेल के जरिये भारत के लिए लड़ाकू विमान का इंजन विकसित करने की इच्छा जताई थी। वसंत कुंज निवासी निशीथ कोहली ने पीएमओ तक विशेषाधिकार प्राप्त पहुंच का दावा किया था।

स्विट्जरलैंड में नए साल के जश्न के दौरान लगी आग, 40 की मौत

मरने वालों में कई विदेशी नागरिक, 115 से ज्यादा लोग घायल

- रात 1.30 बजे क्रान्स-मोंटाना के स्की रिसॉर्ट शहर में स्थित ले कॉन्सेटेलेशन बार में हुआ धमाका

क्रांस मोंटाना (स्विट्जरलैंड), एजेंसी

अल्पाइन स्की रिसॉर्ट में लगी आग। **दाएं :** मौके पर पहुंची एंबुलेंस।

स्विट्जरलैंड के एक अल्पाइन रिसॉर्ट के एक बार में नव वर्ष समारोह के दौरान लगी आग में 40 से अधिक लोगों की मौत हो गई। हादसे में 1115 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से अधिकतर की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। क्रांस-मोंटाना रिसॉर्ट अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्की और गोल्फ के लिए प्रसिद्ध है और रातोंरात, इसका भीड़भाड़ वाला 'ले कॉन्स्टेलेशन' बार स्विट्जरलैंड की सबसे भयानक त्रासदियों में से एक का स्थल बन गया।

वैलेस कैंटन के पुलिस कमांडर फ्रेडरिक गिस्लर ने कहा कि बार में 40 लोगों की मौत हो गई। गिस्लर ने कहा, पीड़ितों की पहचान करने और उनके परिवारों को सूचित करने का काम जारी है, लेकिन इसमें समय लगेगा और फिलहाल, आपको अधिक सटीक आंकड़ा देना जल्दबाजी होगी। वैलिस कैंटन के अटॉर्नी जनरल बीट्रिस पिलोड ने कहा कि आग के कारणों के बारे में कोई भी दावा करना अभी जल्दबाजी होगी।

विशेषज्ञ अभी तक मलबे के अंदर नहीं जा पाए हैं। पीड़ितों की सहायता के लिए हेलीकॉप्टर और एम्बुलेंस घटनास्थल पर तुरंत पहुंचे। दो महिलाओं ने बताया कि वे बार के अंदर थीं जब उन्होंने एक 'बारमेड' के हाथ में एक जलती हुई मोमबत्ती थी जो बोतल में रखी थी और उसी से लकड़ी की छत में आग लग गई।

उन्होंने बताया कि आग तेजी से फैल गई और छत गिर गई। एक महिला ने बताया कि कैसे भीड़ उमड़ पड़ी और लोग घबराकर एक तहखाने में स्थित नाइटक्लब से निकलने के लिए संकरी सीढ़ियों से होते हुए एक संकरे दरवाजे से भागने की कोशिश करने लगे। वैलिस कैंटन की क्षेत्रीय सरकार के प्रमुख मैथियास रेनार्ड ने कहा, आज शाम जश्न और एकजुटता का पल होना चाहिए था, लेकिन यह एक बुरे सपने में बदल गया। रेनार्ड के अनुसार, घायलों की संख्या इतनी अधिक थी कि क्षेत्रीय अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई और ऑपरेशन थिएटर जल्द ही पूरी तरह से भर गए।

10 हेलिकॉप्टर, 40 एंबुलेंस और 150 राहतकर्मी बचाव में जुटे

स्विट्जरलैंड के रिसॉर्ट में आग की घटना के बाद रातभर में 10 हेलिकॉप्टर, 40 एंबुलेंस और 150 आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं को घटनास्थल पर भेजा गया था। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन इसे आतंकवादी हमला नहीं माना जा रहा है।

दूषित पेयजल : मृतकों की संख्या 13 हुई, आयोग ने मांगी रिपोर्ट

- इंदौर प्रशासन ने चार और मौतों की पुष्टि की

इंदौर, एजेंसी

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी पीने के कारण उल्टी-दस्त के प्रकोप से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। गुरुवार को प्रशासन ने चार और मौतों की पुष्टी की है। वहीं, मौत मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सरकार से रिपोर्ट मांग ली है।

गुरुवार को तादाद को लेकर जारी विरोधाभास गुरुवार को भी कायम रहा। स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप से छह माह के बच्चे समेत 13 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है, अधिकारियों के मुताबिक पहली नजर में लीकेज के कारण पेयजल की पाइपलाइन में ड्रेनेज का गंदा पानी मिलने के कारण भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त का प्रकोप फैला। भागीरथपुरा, राज्य के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र इंदौर-1 में आता है। विजयवर्गीय ने संवाददाताओं को बताया कि उल्टी-दस्त के प्रकोप से भागीरथपुरा में 1,400 से 1,500 लोग प्रभावित हुए जिनमें से लगभग 200 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि इन मरीजों की हालत खतरे से बाहर है और स्वस्थ होने पर लोगों को अस्पताल से लगातार छुट्टी दी जा रही है। विजयवर्गीय ने उल्टी-दस्त के प्रकोप से मरे लोगों के आंकड़े को लेकर जारी विरोधाभास पर कहा, हम इस सूचना की तसदीक करा लेंगे। संबंधित मृतकों के परिवारों को मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस बीच, राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय दुबे ने स्थानीय अफसरों के साथ भागीरथपुरा क्षेत्र का दौरा करके हालात का जायजा लिया। घरों से पानी के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए।

इंदौर के एक अस्पताल में प्रभावित व्यक्तियों से मिलते मुख्यमंत्री मोहन यादव।

मानवाधिकार आयोग ने लिया स्वत : संज्ञान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुरुवार को दूषित पानी पीने से मौत होने और दर्जनों लोगों के बीमार पड़ने के मामले की मीडिया रिपोर्टों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए रिपोर्ट तलब की है। इस इलाके में स्थानीय निवासी पिछले कई दिनों से दूषित पानी की आपूर्ति की शिकायत कर रहे थे, लेकिन अधिकारियों ने इस तरफ न ध्यान दिया और न कोई कार्रवाई की। आयोग के अनुसार, अगर यह खबर सही है, तो यह पीड़ितों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है। इस संबंध में आयोग ने मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

जलवायु परिवर्तन की गिरफ्त में पश्चिमी विक्षोभ के साथ ला नीना

संवाददाता, नैनीताल

- ऋतुओं का समय 15 से 25 दिन तक आगे खिसकना चिंताजनक
- कमजोर पश्चिमी विक्षोभों के कारण नहीं हो सकी बारिश-बर्फबारी

अमृत विचार : मौसम के बदलते स्वरूप के लिहाज से यह चिंताजनक खबर है। जलवायु परिवर्तन ने न केवल पश्चिमी विक्षोभों को प्रभावित किया है, बल्कि ला नीना को भी प्रभावहीन बना रहा है। पश्चिमी विक्षोभ में पानी लेकर आने वाले जेट भी इस बार अधिक प्रभावशाली नहीं रहे हैं जिस कारण पिछले दिनों आए पश्चिमी विक्षोभ हिमपात व वर्षा से विरत रह गए।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के अनुसार, जलवायु परिवर्तन का स्वरूप तेजी से बदलने लगा है। शीतकाल में पश्चिमी विक्षोभों पर निर्भर रहने वाली बर्फबारी व बारिश का पैटर्न बदलने लगा है। समुद्र की सतह पर बनने वाले जेट दिसंबर में बेहद कमजोर साबित रहे हैं। इन्हीं जेट के जरिए पश्चिमी विक्षोभ पानी लेकर आते हैं और अफगानिस्तान, पाकिस्तान, तिब्बत समेत उत्तरी भारत में वर्षा और हिमपात की वजह बनते है। मगर इस बार इनमें वह क्षमता नहीं रही, जो उत्तराखंड के मौसम को वर्षा और हिमपात में बदल सकें। दिसंबर में पश्चिमी विक्षोभों के कमजोर रहने की एक वजह ऋतुओं के समय में 15 से 25 दिन तक आगे खिसकना भी है। यह ट्रेंड पिछले कुछ वर्षों से बना हुआ है जिस कारण पश्चिमी विक्षोभ अप्रैल तक सक्रिय रहने लगे हैं।

कश्मीर-हिमाचल प्रदेश की यह स्थिति

इस बार विक्षोभों का असर जम्मू कश्मीर व हिमाचल में भी कमजोर रहा है। गुलमर्ग में पिछले दिनों मात्र 3 इंच हिमपात हुआ है, जबकि पूर्व में वहां इस दौरान 20 इंच से अभी अधिक हिमपात का रिकॉर्ड रहता है। हिमाचल में रोहतांग व लाहौल की चोटियों पर नाममात्र हिमपात पिछले दिनों हुआ है और उत्तराखंड में तो यह सूखे के साथ सिमट गया। यह बड़ी चिंता का कारण है।

बर्फबारी ने मायूस किया

नैनीताल : राज्य मौसम विभाग के निदेशक डॉ. सीएस तोमर ने बताया कि गुरुवार दोपहर तक प्रदेश में कहीं भी हिमपात अथवा बारिश की सूचना नहीं थी। यह पश्चिमी विक्षोभ अभी तक निराश करने वाला रहा है। बहरहाल शुक्रवार को भी सीमित हिस्सों में वर्षा अथवा हिमपात की संभावना व्यक्त की जा सकती है।

खेलते वक्त छात्रा की गर्दन में फंसी रस्सी, मौत

हल्द्वानी। साल के आखिरी दिन एक परिवार पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में खेलते वक्त लटकी रस्सी मासूम बच्ची के गले में कस गई। रस्सी गले में इतनी जोर से कसी कि गर्दन काटकर हड्डी में फंस गई। यह नजारा देख घर में कोहराम मच गया। आनन-फानन में परिजन बच्ची को लेकर डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय (एसटीएच) पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

- गर्दन चीर कर हड्डी में फंसी रस्सी, छठी क्लास में थी छात्रा

टीपीनगर क्षेत्र निवासी एक बैंक कर्मी अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनकी 13 साल की बेटी शहर के प्रतिष्ठित विद्यालय में छठवीं की छात्रा थी। बताया जाता है कि बुधवार रात बच्ची घर में उछल-कूद कर रही थी। जहां वह खेल रही थी, वहीं एक रस्सी लटकी थी। उछल-कूद के दौरान अचानक ही बच्ची की गला रस्सी में फंस गया। रस्सी उसके गले में बुरी तरह जकड़ गई और वो चीख भी नहीं पाई। रस्सी गले में इस कदर जकड़ी कि ऊपरी त्वचा को काटती हुई हड्डी में जकड़ गई। परिवार के सदस्य जब पहुंचे तो देर चुकी थी। फौरन बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। शहर कोतवाल विजय मेहता ने गुरुवार को बताया कि परिवार पोस्टमार्टम के लिए तैयार नहीं था। प्रशासन के निर्देश के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

गुवाहाटी-कोलकाता के बीच दौड़ेगी पहली स्लीपर वंदेभारत

नई दिल्ली। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन असम के गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलाई जाएगी। प्रधानमनंत्री मोदी 17 या 18 जनवरी को ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। उनकी अनुमति मिलते तिथि घोषित कर दी जाएगी। वैष्णव ने कहा कि पश्चिम बंगाल के हावड़ा और असम के गुवाहाटी के बीच चलने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का किराया हवाई यात्रा की तुलना में काफी कम होगा।

कॉमर्शियल सिलेंडर 111 रुपये महंगा

नई दिल्ली। विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) या विमान ईंधन की कीमत में 7.3 प्रतिशत की कटौती की गई जबकि वाणिज्यिक एलपीजी 111 रुपये प्रति सिलेंडर महंगा किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने वैश्विक ईंधन मानकों के अनुरूप अपने मासिक मूल्य संशोधन को लागू किया। सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में एटीएफ की कीमत 7,353.75 रुपये प्रति किलोलीटर या 7.3 प्रतिशत की कटौती के साथ 92,323.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। इस नवीनतम कटौती से विमानन कंपनियों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इसके साथ ही दिल्ली में होटल व रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भारी बढ़ोतरी करते हुए 111 रुपये की वृद्धि की गई है जिससे इसकी कीमत बढ़कर 1,691.50 रुपये हो गई है। दो बार मासिक कटौती के बाद अब कीमतों में यह वृद्धि हुई है।

- एटीएफ की कीमतें 7.3 प्रतिशत तक घटाई गईं

वन्यजीव ने महिला को बनाया निवाला ग्रामीणों ने लगाया जाम

अल्मोड़ा। साल की समाप्ति के साथ एक और महिला वन्यजीव संघर्ष की शिकार हो गई। चारा पत्ती लेने निकली महिला को जंगली जानवर ने निवाला बना लिया। अभी यह जांच का विषय है कि निवाला बनाने वाला वन्य जीव बाघ था या गुलदार। गुस्साए ग्रामीणों ने बुधवार देर रात और गुरुवार सुबह हाइवे पर प्रदर्शन कर जाम लगाया। अधिकारियों ने किसी तरह समझाकर जाम खुलवाया। ग्राम खोलियो क्यारी निवासी बचुली देवी (60) की गुमशुदगी की सूचना परिजनों ने बुधवार देर शाम वन विभाग को दी थी, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जांच के लिए सैंपल भेजा गया है।

सुविधा

मुख्यमंत्री धामी ने कैम्प कार्यालय से किया फ्लैग ऑफ, कार्मिकों को किया सम्मानित

सीएम ने नए साल पर राज्य को दिया 112 बसों का तोहफा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : नव वर्ष के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य को 100 बसों का तोहफा दिया है। साल के पहले दिन गुरुवार को उत्तराखंड परिवहन निगम के बेड़े में 100 नई बसें शामिल की गई हैं। मुख्यमंत्री ने अपने कैम्प कार्यालय से इन्हें फ्लैग ऑफ किया। साथ ही, 10 एसी और 2 स्लीपर अनुबंधित बसों को भी जनता को समर्पित किया।

मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित ये नई बसें राज्य के सार्वजनिक परिवहन तंत्र को सशक्त बनाएंगी। इससे यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और किफायती यात्रा सुविधा मिलेगी तथा राज्य की आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि दुर्गम और पर्वतीय भौगोलिक परिस्थितियों वाले उत्तराखंड में एक सुदृढ़ परिवहन व्यवस्था नागरिक सुविधा के साथ-साथ आर्थिक विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

रोडवेज बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

सरकार परिवहन निगम को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। अब तक 13 से अधिक नए बस अड्डों और कार्यशालाओं का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 14 अन्य स्थानों पर कार्य प्रगति पर है, जिनमें 4 आईएसबीटी भी शामिल हैं। शीघ्र ही निगम के बेड़े में इलेक्ट्रिक बसों को भी सम्मिलित किया जाएगा।

सीएम ने बताया कि निगम की बसों में जीपीएस, सीसीटीवी कैमरे, ई-टिकटिंग, फ्लीट मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध मेंटेनेंस जैसी आधुनिक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, जिससे यात्रियों के साथ-साथ कर्मचारियों की सुरक्षा भी सुदृढ़ होगी। सरकार ने निगम कर्मियों के हितों को ध्यान में रखते हुए डीए वृद्धि, सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों का क्रियान्वयन एवं नई भर्तियों के माध्यम से मैनपावर की कमी को दूर करने का कार्य किया है। सरकार परिवहन निगम को 'सेवा का माध्यम' मानते हुए इसे आधुनिक, आत्मनिर्भर और जनोन्मुखी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस दौरान परिवहन निगम की स्मारिका 'अनवरत' एवं सड़क सुरक्षा पर आधारित कैलेंडर का विमोचन किया। कठिन परिस्थितियों में कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने वाले कर्मठ कर्मचारियों को सम्मानित किया।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 2 जनवरी 2026

नैनीताल

नए साल के पहले दिन कैंची धाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

कैंची धाम के लिए पुलिस ने चलाई शटल सेवा, देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए कैंची धाम पहुंचे, लिया बाबा का आशीर्वाद

संवाददाता, नैनीताल/भवाली

अमृत विचार: नववर्ष के पहले दिन विश्व प्रसिद्ध बाबा नीब करोरी महाराज के कैंची धाम में आस्था का अभूतपूर्व नजारा देखने को मिला। नए साल के स्वागत के अवसर पर देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए कैंची धाम पहुंचे। तड़के सुबह करीब 5 बजे से ही मंदिर परिसर सहित भवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग और आसपास के मार्गों पर भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। शाम तक करीब 30 हजार से अधिक भक्तों ने बाबा नीम करोली के दर्शन किए।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। यातायात दबाव को कम करने और श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से धाम तक पहुंचाने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष शटल सेवा संचालित की गई। वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर रोका गया, जहां से श्रद्धालुओं को शटल वाहनों के माध्यम से कैंची धाम भेजा गया। इससे जाम की स्थिति नहीं बनी और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रही।

भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के मद्देनजर कैंची धाम और आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस कर्मियों ने श्रद्धालुओं को कतारबद्ध कर दर्शन कराए, वहीं ट्रैफिक पुलिस ने मार्गों पर लगातार निगरानी रखी। प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य, आपदा और आपात सेवाओं को भी अलर्ट मोड पर रखा गया। दर्शन के बाद कई भक्तों ने बताया कि बाबा के दर्शन कर उन्हें गहरी मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति हुई। कुछ श्रद्धालुओं ने कहा कि वे कई वर्षों से कैंची धाम आने की योजना बना रहे थे, जो नए साल के शुभ अवसर पर पूरी हुई। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद मंदिर प्रबंधन, पुलिस और प्रशासन की व्यवस्थाएं सराहनीय रहीं। पूरे दिन बाबा के जयकारों से कैंची धाम और आसपास का क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। भक्ति, श्रद्धा और अनुशासन के बीच नए साल के पहले दिन बाबा के दरबार में आस्था का यह संगम देखने लायक रहा।

कैंची मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब। ● अमृत विचार

हनुमान धाम में दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु। ● अमृत विचार

सेनेटोरियम से सटल सेवा से भेजें कैंची

नए साल के पहले दिन कैंची धाम में अव्यवस्थाओं का अंबार न लगे और सड़क में जाम न लगे इसको लेकर पुलिस अलर्ट दिखी। कैंची धाम तक निजी वाहनों के जाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहा। जो भक्त कैंची धाम जाना चाह रहे थे उन्हें शटल सेवा के माध्यम से कैंची धाम भेजा गया। इसके अलावा टैक्सी दो पहिया वाहनों के लिए भी विभिन्न स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई थी। जिसके चलते कैंची धाम में यातायात सुगम बना रहा।

सिटी ब्रीफ

कालाढूंगी की दिव्या बनी मिस इंडिया ग्लोरियस स्टार

कालाढूंगी : क्षेत्र की दिव्या जोशी ने मिस इंडिया ग्लोरियस का खिताब जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हरिद्वार में रनवे लुक द्वारा आयोजित फैशन शो में वार्ड नं दो निवासी मनोज जोशी की 26 पुत्री दिव्या जोशी ने मिस इंडिया ग्लोरियस स्टार की विजेता का खिताब जीता है। दिव्या यह सफलता क्षेत्र की युवतियों के लिए भी प्रेरणा है। रनवे लुक फेडरेशन द्वारा हर साल फैशन शो का आयोजन किया जाता है। इस शो का संचालन रनवे लुक के राहुल ठाकुर ने किया। जीत के बाद गुरुवार को नगर में पहुंचने पर नगरवासियों ने दिव्या का स्वागत किया। दिव्या ने सफलता का श्रेय अपनी माता शांति व पिता मनोज जोशी को दिया। नगरपालिका अध्यक्ष रेखा कत्यूरा, वार्ड मेंबर सुमन अधिकारी, मनोज अधिकारी व क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई दी।

कल निशान यात्रा, खाटू श्याम संकीर्तन

हल्द्वानी : श्री श्याम प्रेमी परिवार हल्द्वानी की तरफ से तीन जनवरी को भव्य निशान यात्रा और श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन होगा। समिति अध्यक्ष सोनू कश्यप ने बताया कि शनिवार सुबह 8 बजे समता योग आश्रम गली से निशान पूजन के बाद निशान यात्रा मुख्य मार्गों से कालाढूंगी चौराहा होते हुए श्री खाटू श्याम मंदिर मुखानी तक जाएगी। शाम को 7 :30 बजे से एचएन इंटर कॉलेज में श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन होगा।

नव वर्ष के पहले दिन मां नैना देवी के दर्शनों को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता, नैनीताल

- 51 शक्तिपीठों में से एक है मां नैना देवी मंदिर, गिरी थी सती की आंख

अमृत विचार: नववर्ष के पहले दिन सरोवर नगरी नैनीताल स्थित मां नैना देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

नए साल के अवसर पर पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु माता के दर्शनों के लिए मंदिर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने सुबह की आरती में शामिल होकर और मां के दर्शन कर अपने नए साल की शुरुआत की। सुबह से लेकर शाम तक मंदिर परिसर भक्तों से खचाखच भरा रहा। श्रद्धालुओं ने माता से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

नैनीताल का मां नैना देवी मंदिर भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक है। मान्यता है कि मां सती की बाईं आंख नैनी झील में गिरी, जिससे इस स्थान का नाम नैनीताल पड़ा और यहां मां नैना देवी शक्तिपीठ की स्थापना हुई। यह मंदिर नेपाल की पैगोड़ा और गौथिक स्थापत्य शैली का सुंदर समावेश है। शहरवासियों और श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नैनीताल आने वाला कोई भी देशी-विदेशी पर्यटक मां के दर्शन किए बिना नहीं लौटता। भक्तों का विश्वास है कि मां नैना देवी सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं।

हनुमान धाम व गिरिजा मंदिर में उमड़ा हुजूम

रामनगर : नववर्ष के पहले दिन गिरिजा मंदिर एवं हनुमान धाम समेत सभी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रही। मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। हनुमान धाम में हजारों की भीड़ ने हनुमान जी के दर्शन किए। मीडिया प्रभारी पवन अग्रवाल ने बताया कि मंदिर में तीस से चालीस हजार भक्तों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। श्री हनुमान सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष आचार्य विजय ने कहा कि हुनमान जी के नियमित स्मरण से जीवन खुशहाल होता है। अशोक बंसल, सतनाम सिंह, राजीव अग्रवाल, प्रेम जैन, राजेश अग्रवाल, देवेश भाटिया, पुनीत शंकर अग्रवाल, लोकेश शर्मा सहित अन्य लोग रहे।

नैनीताल में नववर्ष पर घटती पर्यटक आमद चिंता का विषय

संवाददाता, नैनीताल

- प्रदेश स्तर पर समीक्षा नहीं हुई तो गहराएगा संकट: पुनीत टंडन

अमृत विचार: नववर्ष के अवसर पर नैनीताल में पर्यटकों की आमद में आई गिरावट ने पर्यटन कारोबार से जुड़े व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। मां नयना देवी नैनीताल व्यापार मंडल के अध्यक्ष पुनीत टंडन ने कहा कि यदि प्रदेश स्तर पर पर्यटन व्यवस्थाओं की गंभीर और व्यावहारिक समीक्षा नहीं की गई, तो आने वाले समय में हालात भयावह हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष नववर्ष के दौरान पर्यटकों को 100 से 150 किमी पहले ही रोकने, रूट डायवर्जन और अव्यवस्थित ट्रैफिक प्लान के कारण नैनीताल के पर्यटन व्यवसाय को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। पुलिस और प्रशासन की ओर से दी जाने वाली सफाइयों के बीच बार-बार नैनीताल का पर्यटन कारोबार बलि चढ़ रहा है।

कहा कि यह चिंता केवल दो-चार दिन के व्यापार की नहीं है, बल्कि यह समस्या साल दर साल दोहराई जा रही है। नववर्ष के पांच से सात दिन का कारोबार ही अधिकांश व्यापारियों के लिए अगले दो से तीन महीनों की आर्थिक रीढ़ होता है। ऐसे में इस अवधि में व्यापार प्रभावित होने से न केवल आजीविका पर असर पड़ता है, बल्कि परिवारों की आर्थिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन हर वर्ष औपचारिक बैठकें करता है, लेकिन बीते वर्षों की गलतियों से कोई सीख नहीं ली जाती। वही असफल रूट डायवर्जन, वही अव्यवस्थित ट्रैफिक प्लान और संगठन प्रतिनिधियों के सुझावों की अनदेखी एक गलत परंपरा बन चुकी है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर वा यरल होने वाले चेतावनी वीडियो भी पर्यटकों के मन में नैनीताल को लेकर नकारात्मक संदेश दे रहे हैं। कहा नैनीताल की पहचान रहे बंगाली और गुजराती सीजन अब लगभग समाप्त हो चुके हैं। उत्तर भारत का एक सरल और सुलभ पर्यटन स्थल होने के बावजूद पर्यटक अब नैनीताल आने से कतराने लगे हैं।

हल्द्वानी के कालूसिद्द बाबा मंदिर में भगवान के दर्शन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

आस्था के साथ किया नववर्ष 2026 का आगाज

हल्द्वानी : नववर्ष 2026 के पहले दिन गुरुवार को शहर और आसपास के क्षेत्रों में आस्था का संगम देखने को मिला। लोगों ने नए साल की शुरुआत मंदिरों और गिरजाघरों में माथा टेककर व परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के साथ की। सुबह से ही शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों और रानीबाग स्थित शीतला माता मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। वहीं कालू सिद्ध मंदिर, जगदंबा मंदिर, साईं मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर और लक्ष्मी नारायण मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के साथ भंडारों का आयोजन किया गया। जयकारों, शंखध्वनि और घंटियों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कई मंदिरों में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ा। नववर्ष के अवसर पर शहर के विभिन्न गिरजाघरों में भी विशेष रौनक देखने को मिली। ईसाई समुदाय के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों ने भी चर्च पहुंचकर कैंडल जलाकर प्रभु यीशु से विश्व शांति की प्रार्थना की।

ग्राफिक एरा ने गोलू देवता मंदिर में किया भंडारे का आयोजन

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: नव वर्ष के अवसर पर ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल ने घोड़ाखाल स्थित प्रसिद्ध गोलू देवता मंदिर में 12वें विशाल भंडारे का आयोजन किया। इस भंडारे में पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

भंडारे में श्रद्धालुओं को पूरी, सब्जी, हलवा सहित अन्य पारंपरिक व्यंजन परोसे गए। श्रद्धालुओं ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर के निदेशक ने कहा कि ऐसे आयोजन संस्थान की समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। वहीं ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के अध्यक्ष प्रो. डॉ. कमल घनशाला ने कहा, कि हमारा उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी है। गोलू देवता के इस पवित्र स्थल पर पिछले 12 वर्षों से लगातार भंडारे का आयोजन करना हमारे लिए गर्व का विषय है। जिसे भविष्य में भी जारी रखेंगे।

घोड़ाखाल गोलू देवता मंदिर में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु।

भरतपुरी में प्रवचन देतीं बद्रीनाथ से पधारीं भद्रेश्वरी बाई। ● अमृत विचार

संसार के आडंबर में फंस कर भटक रहा है मानव

रामनगर : प्रत्येक मनुष्य अपने जीवन में मुक्ति प्राप्त करना चाहता है लेकिन दुनिया के आडंम्बर में फंस कर भटकता रहता है, जबकि मुक्ति का एक मात्र साधन है आत्मज्ञान प्राप्त करना, जिसकी प्राप्ति केबल समय के सदगुरु की शरण में जाकर ही की जा सकती है। यह बता बद्रीधाम से पधारी साध्वी भद्रेश्वरी बाई ने मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा आयोजित सदभावना सत्संग समारोह के प्रथम दिवस के सत्संग में व्यक्त कही। बता दें कि सदगुरु सतपाल महाराज के निर्देश पर मानव उत्थान सेवा समिति पूरू देश और विदेशों में भी नव वर्ष पर सदभावना सत्संग समारोह आयोजित कर रही है। इसी क्रम में श्री दुर्गा मंदिर के पास स्थित भरतपुरी धर्मशाला में सदभावना सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में स्थानीय प्रभारी साध्वी गंगाधरी बाई, साध्वी नीलिमा बाई , साध्वी सपना बाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समिति की ओर से संत समाज का सम्मान चन्द्र मोहन पाल, बीके शर्मा, सियाराम सागर, जयचंद गुप्ता, गोपाल जोशी, रामानंद पंत, मोहन रावत, हेमा जोशी, सुषमा गुप्ता ने किया।

रोटरी क्लब नैनीताल ने नवजात शिशुओं व माताओं को बांटे कपड़े

संवाददाता, नैनीताल

- अस्पताल प्रबंधन को 20 जोड़ी कपड़े भी सौंपे

अमृत विचार: रोटरी क्लब नैनीताल की ओर से सामाजिक सरोकार निभाते हुए गुरुवार को बीडी पांडे जिला अस्पताल में जन्मे नवजात शिशुओं के लिए कपड़े दान किए गए। इस अवसर पर अस्पताल के महिला प्रसूति वार्ड में नवजात बच्चों और उनकी माताओं को कपड़े वितरित किए गए, जिससे जरूरतमंदों को राहत मिल सके।

कार्यक्रम का नेतृत्व रोटरी क्लब के अध्यक्ष शैलेंद्र साह एवं सचिव शिवांगी साह ने किया। क्लब की ओर से न केवल अस्पताल में जन्में बच्चों को कपड़े दिए गए, बल्कि भविष्य में जरूरतमंद नवजातों की सहायता के लिए 20 जोड़ी कपड़े अस्पताल प्रबंधन को भी सौंपे गए। इस मौके पर अस्पताल के पीएमएस डॉ. तरुण कुमार टम्टा ने रोटरी क्लब के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक सहयोग से अस्पताल में आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को काफी सहूलियत मिलती है। उन्होंने रोटरी क्लब का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. द्रौपदी गर्ब्याल, मैट्रन शारदा गिनवाल, पुष्पा वर्मा, रेशमा चौहान, नर्सिंग अधिकारी जानकी कनवाल, जेके शर्मा, जितेंद्र साह, अरुण साह सहित अस्पताल का नर्सिंग एवं स्टाफ मौजूद रहा। रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि क्लब आगे भी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा और स्वास्थ्य, शिक्षा व जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

पुलिसकर्मियों को केक खिलाते एसएसपी मंजूनाथ टीसी।

एसएसपी ने जवानों के साथ मनाया नया साल

नैनीताल : एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी ने पुलिस कर्मियों के साथ नव वर्ष का जश्न मनाया। तल्लीताल स्थित डॉट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एसएसपी ने पुलिस कर्मियों के साथ केक काटकर उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने देश व प्रदेश की सम्मानित जनता, नैनीताल पहुंचे सैलानियों एवं श्रद्धालुओं को भी नव वर्ष की बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मी जनता की सुरक्षा में निरंतर तैनात हैं और उनका मनोबल बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। एसएसपी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि नव वर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं, कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें तथा यातायात नियमों का पालन करें।

सेवानिवृत्ति पर चारू पंतोला को दी विदाई

भीमताल: विकास भवन भीमताल में ग्राम्य विकास विभाग में कार्यरत रहे वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक चारू चन्द्र पन्तोला की सेवानिवृत्ति पर विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, डॉ. मुकेश नेगी, जिला अर्थ संख्याधिकारी सुरेश बैनी, जिपं. राज अधिकारी विश्वनाथ गौतम, समाज कल्याण अधिकारी हरीश तिवारी, डीपीएम रीपसी. हिमाशुं कुलेठा स्वान इंजीनियर, खजान चन्द्र बुधानी, निर्मला अधिकारी, चित्रकार सनवाल, राकेश गंगोला, मंजू देवी, किशन चन्द सहित पन्तोला जी के परिजनों सहित उपस्थित थे।

सावित्री बाई फुले को जन्म दिन से पूर्व किया गया याद

रामनगर : प्रगतिशील महिला एकता केंद्र ने मालधन नंबर दो में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले के जन्मदिवस से पूर्व विचार गोष्ठी का आयोजन किया। इसके बाद सावित्री बाई फुले ने लड़कियों और महिलाओं को पढ़ाने का जिम्मा उठाया। गोष्ठी में प्रगतिशील महिला एकता केंद्र की तुलसी छिम्वाल एवं प्रगतिशील भोजनमाता संगठन की शारदा, ममता देवी, देवकी देवी, मंजू देवी, राज कौर, पुष्पा देवी, राधा देवी, गुरदीप कौर, परमजीत कौर, गीता देवी, संतोषी देवी, सरिता देवी, द्रोपदी व सुंदर कौर ने भागीदारी की। अंत में घोषणा की गई कि 2 जनवरी को ग्राम वीरपुर लच्छी एवं 3 जनवरी को ग्राम पटरानी में भी सावित्री बाई फुले का जन्मदिवस मनाया जायेगा।

पीपलपानी

हमारी माताजी **श्रीमती गंगा देवी जी** का **स्वर्गवास दिनांक 23 दिसम्बर 2025** को हो गया था। उनकी आत्मा की शांति हेतु **पीपलपानी** का आयोजन हमारे निवास स्थान **रामबाग, रामपुर रोड, हल्द्वानी में दिनांक 03 जनवरी 2026, शनिवार** को किया जाएगा। कृपया इसे ही व्यक्तिगत निमंत्रण समझें और इस पुण्य कार्य में सम्मिलित होकर हमारी माताजी की आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना में सहभागी बनें।

शोकाकुल परिवार

भुवन चन्द्र जोशी, ऊर्वादत्त जोशी, विपिन चन्द्र जोशी, मोहन चन्द्र जोशी (पुत्रगण) एवं परिवार, सम्बन्धी एवं मित्रगण।

खेल-खिलाड़ी | बोले राष्ट्रीय खिलाड़ी रघुवर दत्त जोशी – खेल से बनता है अनुशासन और नेतृत्व

वार्षिक खेल समारोह में इंद्रा एकेडमी बच्चों ने दिखाया दमखम

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचार: इंद्रा एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दुम्का बंगर उमापति, हल्दूचौड़ में वार्षिक खेल समारोह के अवसर पर भव्य खेल उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्तर के एथलेटिक्स खिलाड़ी रघुवर दत्त जोशी, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त वायरलेस अधिकारी हरीश चंद्र जोशी, विद्यालय की प्रधानाचार्य कमला जोशी, प्रबंधक उमाशंकर जोशी एवं प्रेम शंकर जोशी ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत छात्र-छात्राओं के वंदना एवं योग प्रदर्शन से हुई। इसके उपरांत दौड़, कबड्डी, खो-खो तथा गोला फेंक सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह, अनुशासन और खेल भावना का शानदार परिचय दिया। 800 मीटर दौड़ में जीवन मेहरा, मोहित सिंह बिष्ट एवं भूमि दुमका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि आशुतोष सनवाल, आदित्य बिष्ट एवं प्रियांशी बिरखानी द्वितीय स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में चिराग जग्गी, नैतिक दुमका एवं चेतना जोशी प्रथम तथा धीरज पाठक, कार्तिक खोलिया एवं वेदिका दुमका द्वितीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ में स्नेह सूठा, मानसी रावत, सिद्धार्थ सोनी, नैतिक जोशी, हिमानी बोथयाल, चैतन्य पांडे, दिव्यांश जोशी, रितेश जोशी, अंजू भट्ट एवं रूही पांडे ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं गरिमा भट्ट, महेंद्र सिंह खत्री, विनीता पांडे, उर्वशी फुलारा, शिवांग आर्य सहित अन्य विद्यार्थियों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक में वैष्णवी नेगी, आदित्य कबडवाल एवं मोहित पाठक प्रथम स्थान पर रहे, जबकि यशोदा निओलिया, राहुल सिंह धपोला एवं प्रियांशु नगरकोटी द्वितीय स्थान पर रहे। कबड्डी में साहिल सजवान, रोहित कांडपाल, आयुष सिंह रौतेला, कार्तिक जोशी, गणेश सिंह धपोला, रजत सुनाल एवं दीपांकर दुमका की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को 27-24 से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मुख्य अतिथि रघुवर दत्त जोशी ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। वहीं विशिष्ट अतिथि हरीश चंद्र जोशी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में टीमवर्क, संयम और लक्ष्य के प्रति समर्पण की भावना सुदृढ़ होती है। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अभिभावकगण, पत्रकार एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता का उद्घाटन करते अतिथि। ● अमृत विचार

प्रदेश स्तरीय सम्मेलन के लिए किया जन संपर्क

रामनगर: उत्तराखंड में बुलडोजर द्वारा जनता के घरों को उजाड़ने पर रोक लगाने की मांग को लेकर 4 जनवरी को रामनगर में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए संयुक्त संघर्ष समिति का जन संपर्क अभियान जारी रहा। जिसके तहत ग्राम नई बस्ती पूछड़ी में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड में कानून व्यवस्था ठप हो चुकी है। वन विभाग व पुलिस प्रशासन न तो माननीय हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का अनुपालन कर रहा है और न ही वह देश की संसद द्वारा पारित वनाधिकार कानून 2006 को मानने के लिए तैयार है। समिति ने सभी से 4 जनवरी को दिन में 11 बजे रामलीला कमेटी परिसर भवानीगंज में आयोजित जन सम्मेलन में पहुंचने की अपील की है।

सिटी ब्रीफ

रेलवे स्टेशन में सफाई कर्मी से मारपीट, कैंटीन संचालक पर आरोप

हल्द्वानी : हल्द्वानी रेलवे स्टेशन पर मारपीट का मामला सामने आया है और आरोप स्टेशन में कैंटीन चलाने वाले संचालक पर है। पीड़ित ने जीआरपी थाना काठगोदाम में आरोपी के खिलाफ तहरीर सौंपी है। राजेंद्रनगर राजपुरा पड़ाव निवासी अनिल कुमार ने जीआरपी थाने में दी तहरीर में लिखा कि वह हल्द्वानी रेलवे स्टेशन पर सफाई कर्मचारी है। आरोप है कि बीती 22 दिसंबर की रात करीब साढ़े 10 बजे स्टेशन परिसर में स्थित कैंटीन संचालक ने उसे बुरी तरह पीटा और अपमानजनक शब्द कहे। थानाध्यक्ष कमल कोरंगा ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है। जांच के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

पवन पांडेय बने कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

हल्द्वानी : डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार हुआ है। वरिष्ठ फार्मेसी अधिकारी पवन पांडेय को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष सुधा कुकरेती एवं प्रदेश महामंत्री डॉ. सतीश चंद्र पांडेय ने गुरुवार को यह घोषणा की है। पवन पांडेय इससे पूर्व संगठन के प्रदेश महामंत्री के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनने पर उन्होंने कहा कि वह फार्मेसी पेशे को अधिक जनोपयोगी और जिम्मेदार बनाने के लिए काम करें। कहा कि "जहां दवा, वहां फार्मासिस्ट" का नारा और मजबूत किया जाएगा। बिना फार्मासिस्ट का दवा का वितरण नहीं होना चाहिए। दवा वितरण का अधिकार फार्मासिस्ट है और साथ ही नियम भी यही है। कहा कि फार्मेसी संवर्ग की अनदेखी लगातार की जा रही है। इस वजह से समाज में एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

पुलिस चौकी के पास ट्रक में लगी आग

हल्द्वानी : टीपीनगर पुलिस चौकी के पास गुरुवार को एक ट्रक में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही पहुंचे दमकल कर्मियों ने बढ़ने से पहले ही आग को काबू में कर लिया। हालांकि इस दौरान कुछ समय तक सड़क पर यातायात बाधित रहा हालांकि गनीमत यह रही कि इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे पर यह घटना हुई। एक ट्रक के इंजन में अचानक आग लग गई। लोगों ने धुआं निकलता देखा तो शोर मचाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते लोग मौके पर पहुंचने लगे और माजरा समझना चाहा लेकिन ट्रक के इंजन से आग निकलने लगी तो अफरातफरी मच गई।

वन विभाग के ढांचे के पुनर्गठन में बनाया जा रहा है प्रस्ताव, तराई पश्चिमी व तराई पूर्वी वन डिवीजनों भी हो सकती हैं समाप्त

अब जिलाधिकारी की तर्ज पर होगी जिले में डीएफओ की नियुक्ति !

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अब जिलाधिकारी की तर्ज पर जिले में एक ही डीएफओ की तैनाती हो सकती है। जंगलात, विभागीय ढांचे के पुनर्गठन की तैयारी कर रहा है जिसमें जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को देखते हुए एक जिले में एक डीएफओ का प्रस्ताव बनाया गया है हालांकि डीएफओ की मदद के लिए एसडीएम व रेंजर की संख्या में इजाफा किया जाएगा।

वन विभाग ने ढांचे का पुनर्गठन का प्रस्ताव बना रहा है। इस प्रस्ताव में डीएम की तर्जपर डीएफओ की एक जिले में एक डीएफओ की नियुक्ति की व्यवस्था की गई है। इसके पीछे वन विभाग के उच्च अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान में डीएफओ का कार्यक्षेत्र बहुत ही विशाल है जो कि एक जिले में न रह कर दो से तीन जिलों तक फैला हुआ है। ऐसे में जन समस्याओं के निस्तारण में चुनौती आती है। उदाहरण के लिए यदि कोई नैनीताल जिले का रहने वाला है लेकिन वन डिवीजन का मुख्यालय ऊधम सिंह नगर या अल्मोड़ा में है। ऐसे में उक्त जन को डीएफओ से मिलने के यूएस नगर या अल्मोड़ा का चक्कर लगाना होगा जिसमें उसका खासा धन व समय व्यय हो जाता है। वहीं यदि उक्त जिले का डीएफओ नैनीताल जनपद में ही मिल जाता है तो उसका समय व धन तो बचेगा साथ ही समस्याओं का भी जल्द समाधान हो जाएगा। इसके पीछे जनशिकायतों का त्वरित निस्तारण बताया गया है। साथ ही प्रस्ताव पर मंथन चल रहा है।

... तो खत्म हो सकती हैं तराई पूवी व तराई पश्चिमी वन डिवीजन

वन महकमे में बहुत तेज चर्चा है कि विभागीय ढांचे के पुनर्गठन का जो प्रस्ताव बनाया जा रहा है इससे राज्य या कुमाऊं की सबसे बड़ी वन डिवीजन तराई पूर्वी व तराई पश्चिमी वन डिवीजनों के अस्तित्व पर भी संकट मंडरा सकता है। इन वन डिवीजनों को समाप्त कर दिया जाएगा। इन वन डिवीजनों की रेंजों को जनपद की भौगोलिक परिस्थितियों अनुसार अलग-अलग वन डिवीजनों में शामिल की जा सकती हैं।

> वन विभाग के ढांचे के पुनर्गठन को लेकर प्रस्ताव बनाया जा रहा है। अभी प्रस्ताव सिर्फ कागजों में ही चल रहा है इसलिए कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। प्रस्ताव पर मंथन हो रहा है हमारा मकसद है कि जन समस्याओं का त्वरित समाधान हो और वन अपराध पर लगाम कस सके। -**रंजन कुमार मिश्रा**, प्रमुख वन संरक्षक उत्तराखंड

आरोप-पीएफएस को आईएफएस बनने के बाद डीएफओ बनने में आएगी मुश्किलें

वन विभाग के ढांचे के पुनर्गठन के संभावित प्रस्ताव को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी हो रही हैं। नाम न छापने की शर्त पर प्रांतीय वन सेवा के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रस्ताव से उनकी आईएफएस संवर्ग में प्रोन्नति होने के बाद भी डीएफओ पद पर पोस्टिंग मिलने में कठिनाई बढ़ जाएगी या नहीं मिलेंगी। जब टेरिटोरियल वन डिवीजनों की संख्या कम हो जाएगी तो डायरेक्ट आईएफएस नॉन टेरिटोरियल पोस्टिंग पर भी नियुक्त होंगे। वर्तमान में नॉन टेरिटोरियल की पोस्टिंग जिन पर पर प्रोन्नत आईएफएस या पीएफएस को प्रभारी डीएफओ के रूप में नियुक्ति किया जाता है, उन्हें इन डिवीजनों में भी नियुक्ति नहीं मिल सकेगी। आरोप लगाया कि कुल मिलाकर यह प्रस्ताव पीएफएस से आईएफएस पर प्रोन्नत अधिकारियों की डीएफओ/सीएफ नियुक्ति को खत्म कर देगा हालांकि वन अधिकारियों का कहना है कि शासन से स्वीकृति के बाद ही असलियत सामने आएगी।

होटल बुकिंग के नाम पर पर्यटक से ठगी

नैनीताल : होटल बुकिंग के नाम पर ऑनलाइन ठगी का एक मामला सामने आया है। दिल्ली से आए एक पर्यटक से फर्जी होटल बुकिंग करा 1400 रुपये की ठगी की गई। पीड़ित पर्यटक ने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी अहमद बुधवार को नैनीताल पहुंचे थे। इससे पहले उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से होटल बुकिंग की थी और एडवांस के रूप में 1400 रुपये का भुगतान किया था। जब वह होटल पहुंचे तो होटल प्रबंधन ने किसी भी प्रकार की बुकिंग होने से इनकार कर दिया। उन्होंने बुकिंग कराने वाले व्यक्ति से संपर्क करने की कोशिश की, बार-बार कॉल करने के बावजूद फोन नहीं उठाया गया। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

डब्बू हटाओ-मंडी बचाओ ...कारोबारियों ने लगाए नारे, अफसर पहुंचे तो सुलझा विवाद

मंडी में उत्पीड़न के विरोध समेत विभिन्न मांगों को लेकर कारोबारियों की बेमियादी हड़ताल हुई स्थगित

संवाददाता, हल्द्वानी

गुरुवार को विभिन्न मांगों को लेकर मंडी गेट पर धरना देते कारोबारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मंडी में पहली बार कारोबारियों ने मंडी परिषद अध्यक्ष के खिलाफ ही बेमियादी हड़ताल की। नए साल के पहले दिन ही चेयरमैन डॉ. अनिल कपूर डब्बू मुर्दाबाद और डब्बू हटाओ मंडी बचाओ की नारेबाजी की गई। बाद में प्रशासक ने विशेष कमेटी का गठन कर समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया तो फिलहाल हड़ताल स्थगित कर दी गई है।

आलू-फल आढ़ती व्यापारी एसोसिएशन और मर्चेंट एसोसिएशन के संयुक्त बैनर तले नए साल से बेमियादी हड़ताल शुरू हुई। सुबह 4 बजे से ही सभी कारोबारी मंडी पहुंच गए और गेट पर धरना दिया। सब्जी, फल, गल्ला का कोई भी वाहन मंडी में घुसने नहीं दिया।

वहीं मंडी में लगने वाली बाजार भी नहीं लगी जिससे थोक-फुटकर विक्रेता और उपभोक्ताओं को खासी फजीहत हुई। वहीं, कारोबारियों ने मंडी परिषद अध्यक्ष डॉ. अनिल कपूर डब्बू पर अभद्रता और उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। गुस्साए कारोबारियों ने डब्बू मुर्दाबाद व डब्बू हटाओ मंडी बचाओ के जमकर नारे लगाए। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष ने व्यापारियों से अभद्रता की और वार्ता के बीच में उठकर चले गए। इतना ही नहीं, उन्होंने मिलने का भी समय नहीं दिया। चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों के निस्तारण का लिखित आश्वासन नहीं मिलता है तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

इधर, हड़ताल की वजह से मंडी में दिन भर सन्नाटा पसरा रहा। एक भी दुकान नहीं खुली जिसकी वजह से पल्लेदार, चालक, क्लीनर भी हड़ताल में शामिल हो गए। वहीं, शाम को मंडी प्रशासक/सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह मौके पर पहुंचे और कारोबारियों से वार्ता की। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए विशेष कमेटी का गठन किया जाएगा फिर नियमानुसार समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके बाद कारोबारियों ने फिलहाल बेमियादी आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय लिया। फिलहाल हड़ताल स्थगित होने से पहाड़ में सब्जी-फल, रसद आदि की आपूर्ति सुचारू रहेगी। इससे पर्वतीय क्षेत्रों में गहराने वाला संकट समाप्त हो गया है।

> व्यापारी मेरे अपने हैं, उनकी समस्याओं का विधिसम्मत ढंग से निस्तारण किया जाएगा। अभद्रता व अन्य आरोप निराधार हैं। जब मैं वार्ता में पहुंचा तो मेरे साथ अराजकता की कोशिश की इसलिए आधी बैठक से उठ गया था। फिलहाल व्यापरियों की समस्या का निस्तारण प्राथमिकता है। इस आंदोलन के पीछे राजनैतिक साजिश भी हो सकती है। -**डॉ. अनिल कपूर डब्बू**, अध्यक्ष मंडी परिषद

> मंडी कारोबारियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। फिलहाल कारोबारियों ने हड़ताल वापस ले ली है, पहाड़ के सभी क्षेत्रों व जिलों में रूटीन अनुसार ही सब्जी-फल, रसद की आपूर्ति होगी। -**गोपाल सिंह चौहान**, प्रशासक/सिटी मजिस्ट्रेट

> हमारा उद्देश्य कारोबार ठप करना नहीं, बल्कि अपने अधिकारों की रक्षा करना है। प्रशासन के सकारात्मक आश्वासन के बाद हम मंडी बंदी का निर्णय वापस ले रहे हैं। -**कैलाश जोशी**, अध्यक्ष आलू-फल आढ़ती व्यापारी एसोसिएशन, हल्द्वानी

ये हैं प्रमुख मांगें

कारोबारियों ने आरोप लगाया कि मंडी परिषद अध्यक्ष मनमाने नियम बनाकर तानाशाह ढंग से थोप रहे हैं। सभी ने एक सुर में लाइसेंस नवीनीकरण की अवधि एक वर्ष से हटाकर पूर्व की भांति पांच वर्ष करने, जटिल सॉफ्टवेयर में संशोधन कर सरल बनाने व मैनुअली प्रक्रिया चालू करने, फुटकर व्यवसायियों को मंडी से हटाकर शनि बाजार में शिफ्टिंग, नया थोपा गया यूजर चार्ज वापस लेने और दिल्ली की तर्ज पर एपीएमसी एक्ट लागू किए जाने की मांग की।

ओल्ड लंदन हाउस में लगी आग को बुझाते दमकलकर्मी। ● अमृत विचार

फिर धधक उठा नैनीताल का ओल्ड लंदन हाउस

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : शहर के मल्लीताल क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक ओल्ड लंदन हाउस में देर रात अचानक तीसरी बार आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग का धुंआ उठता देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना तत्काल दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दमकल कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को आसपास के हिस्सों में फैलने से रोक लिया। प्राथमिक जांच में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आशंका जताई जा रही है कि नए साल के मौके पर हुई आतिशबाजी की चिंगारी से आग लगी हो सकती है। दमकल अधिकारियों का कहना है कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया। दमकल की तत्परता और स्थानीय लोगों की सूझबूझ से दुर्घटना होने से बच गई।

पिछले वर्ष अगस्त में ओल्ड लंदन हाउस में आग लग गई थी जिसकी वजह से पर्यावरणविद् प्रो. अजय रावत की बहन एवं वृद्धा शांता बिष्ट की अग्निकांड में जलकर दर्दनाक मौत हो गई थी। इसके अलावा इमारत में बनी कई दुकानों में भी आग लग गई थी जिससे उनका लाखों का माल का नुकसान हुआ था। इससे उनके सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया था। जिला प्रशासन बार-बार लग रही अग्निकांड की विस्तृत जांच की तैयारी कर रहा है ताकि फिर से ऐसा नहीं हो।

चकलुवा में हाथी ने 11 किसानों की गेहूं व चारे की फसल रौंदी

संवाददाता, कालाढूंगी

टस्कर हाथियों द्वारा केले के पेड़ों को तहस-नहस कर दिया गया।

अमृत विचार: कालाढूंगी रेंज व गदगदिया रेंज से सटे रामपुर व विदरामपुर चकलुवा में इन दिनों टस्कर हाथी का आंतक है। बीती रात का टस्कर हाथी ने जमकर तांडव मचाया। ग्रामीणों की गेहूं की फसल, चारा व केले के बाग उजाड़ दिए। हाथी के आतंक से ग्रामीण रात को भी पहरेदारी करने को मजबूर हैं। वनकर्मियों ने मौके पर पहुंच कर किसानों की फसल के नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट बना अधिकारियों दी है। बुधवार की रात ग्रामीण उमेद कुंवर, किशन सिंह कुंवर, भैरव दत्त पांडे, गोविन्द कन्याल, टेक चंद्र, जोगेन्द्र प्रसाद, बलवंत सिंह, जीत राम, जगत सिंह, गोपाल राम, हयात सिंह की गेहूं, चारा व केले के बागों को नुकसान पहुंचाया है। विरेन्द्र कुमार ने बताया कि आए दिन टस्कर हाथी गांवों के बीचों बिच पहुंचकर नुकसान पहंचा देउपा की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर नुकसान का मुआयना किया। देउपा ने जंगल के किनारे सोलर फेंसिग लगाने की मांग की है।

एक बार फिर से बने बर्फबारी के आसार

हल्द्वानी : मौसम विज्ञान केंद्र ने बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया है।

पूर्वानुमान के अनुसार उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, देहरादून और पौड़ी जिलों में कहीं-कहीं बारिश और बर्फबारी की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ आज तक सक्रिय रहेगा। इसके बाद मौसम सामान्य हो जाएगा। अनुमान है कि अगले दो से तीन दिनों तक के लिए तापमान में दो से तीन डिग्री बढ़ोत्तरी होगी लेकिन उसके बाद तीन से पांच डिग्री कमी कमी आएगी और भीषण कड़ाके की ठंड पड़ेगी। पर्वतीय क्षेत्रों की घाटियों में भी कोहरा छाने का अनुमान है। दो-तीन जनवरी को जिले के पर्वतीय इलाकों में पाला गिरने की संभावना है।

पहले दिन मन्नत मांगने निकले, जाम में फंसे

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

नरीमन तिराहे पर गौलापार की ओर से आ रहे सड़क पर लगा ट्रैफिक जाम।

- रानीबाग से काठगोदाम रेलवे स्टेशन तक लगा भीषण जाम
- शीतला माता मंदिर के बाहर अव्यवस्था से बिगड़ी व्यवस्था

अमृत विचार : साल का पहला दिन लोग भगवान के दर्शन और मन्नत के साथ करना चाहते थे, लेकिन लोग जाम में उलझ कर रहे गए। इसकी वजह भी भक्तों के ही वाहन थे, जो दर्शन करने शीतला माता मंदिर पहुंचे थे। सड़क पर खड़े वाहनों की वजह से रानीबाग से लेकर काठगोदाम रेलवे स्टेशन तक वाहनों का लंबा काफिला लग गया। यही स्थित नरीमन तिराहे से काठगोदाम थाने तक भी था। भक्तों के साथ इस जाम में पर्यटक भी फंसे, जो नैनीताल जा और लौट रहे थे।

पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए बड़े स्तर पर इंतजाम किए थे। पुलिस जिले के बाहर से कर रही थी। इसके असर भी दिखा और हल्द्वानी शहर जाम से मुक्त रहा, लेकिन काठगोदाम नहीं। दरअसल, सारा डायवर्ट रूट नरीमन तिराहे पर ही आकर मिलता है और इसकी वजह से 31 दिसंबर की शाम से ही यहां जाम लगना शुरू हो गया। दो पहिया वाहन चालकों को रोकने की वजह से स्थिति और बिगड़ गई।

इधर, साल के पहले दिन गुरुवार सुबह की शुरुआत भी काठगोदाम में जाम के साथ हुई। दरअसल, अधिक्तर शहरवासियों ने परिवार के साथ दिन की शुरुआत करने के लिए मंदिरों का रुख किया। नैनीताल रोड पर रानीबाग स्थित शीतला माता मंदिर में भी भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। दो पहिया और चार पहिया वाहन से मंदिर पहुंचे भक्तों ने अपने वाहन सड़क किनारे ही पार्क कर दिए। इससे पहले यातायात की रफ्तार सुस्त हुई और फिर जाम लग गया। टीआई महेश चंद्रा ने बताया कि नरीमन तिराहा सभी ट्रैफिक डायवर्जन का प्वाइंट है। इसके चलते यहां यातायात की रफ्तार मंद रहती है। इसके अलावा शीतला माता मंदिर के नीचे पार्किंग की वजह से यातायात प्रभावित हुआ।

परेशानी | सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में कफ सिरप का स्टॉक मौजूद, मरीजों को नहीं मिल रहा

ड्रग इंस्पेक्टर की रिपोर्ट आएगी तब बंटेगा कफ सिरप

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में कफ सिरप होने के बावजूद मरीजों को नहीं दिए जा रहे हैं। मरीजों को बाहर से कफ सिरप खरीदने पड़ रहे हैं। औषधि नियंत्रक विभाग ने यहां मौजूद कफ सिरप के सैंपल लिए थे। सैंपल की रिपोर्ट नहीं आने की वजह से कफ सिरपों को मरीजों नहीं दिया जा रहा है।

अक्टूबर माह में देश के कुछ हिस्सों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत हो गई थी। इसके बाद देशभर में कफ सिरपों की जांच की गई। इसी क्रम में औषधि नियंत्रक विभाग नैनीताल ने भी जिले के तमाम मेडिकल स्टोरों और अस्पतालों से कफ सिरप के सैंपल लिए थे। इसी क्रम में बेस अस्पताल से भी कफ सिरप के सैंपल लिए गए थे और कहा गया था कि जब तक सैंपल की रिपोर्ट नहीं आ जाए तब तक यहां मौजूद कफ सिरप का वितरण नहीं किया जाए। अब दिक्कत यह है कि करीब तीन माह सैंपल लिए हो गए हैं लेकिन औषधि नियंत्रक विभाग से इसकी रिपोर्ट नहीं आई है। इस वजह से अस्पताल में कफ सिरप का स्टॉक पड़ा हुआ है और उन्हें बांटा नहीं जा रहा है। एक और दिक्कत यह है कि अगर समय पर रिपोर्ट नहीं आई तो ये कफ सिरप एक्सपॉयर हो जाएंगे। साथ ही अस्पताल सूत्रों का यह भी कहना है कि अगर ये कफ सिरप मरीजों को नहीं देने हैं तो इसकी जानकारी मिले जिससे स्वास्थ्य विभाग में सूचित किया जाए और दूसरे कफ सिरप आ जाएं। इधर अस्पताल में मेडिसन विभाग की ओपीडी में इन दिनों सर्दी और खांसी के मरीजों का तांता लगा हुआ है लेकिन इन मरीजों को कफ सिरप बाहर से ही खरीदना पड़ रहा है। बेस अस्पताल के पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि कफ सिरप का स्टॉक मौजूद है लेकिन औषधि नियंत्रक विभाग ने जो सैंपल लिया था उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही इन कफ सिरपों को दिया जाएगा।

नए साल के पहले दिन कम रहे मरीज

हल्द्वानी : नए साल के पहले दिन अस्पतालों में मरीजों की भीड़ काफी कम रही। हर विभाग की ओपीडी में कम ही मरीज थे। डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल, राजकीय महिला अस्पताल, बेस अस्पताल, आयुष अस्पताल सब जगह यही नजारा था। यहां तक की मेडिसन विभाग की ओपीडी में भी कम मरीज थे। यह माना जाता है कि साल के पहले दिन काफी लोग अस्पताल आने से परहेज करते हैं और करीब-करीब हर साल ऐसा ही होता है। हालांकि शुक्रवार और शनिवार को फिर से मरीजों की भीड़ होने का अनुमान है।

एसटीएच में दिए जा रहे हैं कफ सिरप

हल्द्वानी : डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में कफ सिरप दिए जा रहे हैं। अस्पताल प्रशासन से जानकारी मिली कि जिस सॉल्ट को लेकर समस्या आई थी अस्पताल में वह कफ सिरप नहीं दिया जाता है। इस वजह से यहां कफ सिरप का वितरण किया जा रहा है। एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि एसटीएच में मरीजों को निशुल्क कफ सिरप डॉक्टर की सलाह पर उपलब्ध हैं।

गंदगी से हेलीपैड के पास पहुंच रहे पक्षी

हल्द्वानी : नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान ने गौलापार स्थित हेलीपैड के आसपास पक्षियों की बढ़ रही आवाजाही को लेकर क्षेत्र का निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने बताया कि ट्रंचिंग ग्राउंड से पक्षियों के हेलीपैड में पहुंचने की आशंका थी, लेकिन निरीक्षण के दौरान पाया कि ट्रंचिंग ग्राउंड से पक्षी हेलीपैड में नहीं पहुंच रहे हैं। इसके बाद अधिकारियों ने रेलवे ट्रैक के आसपास अन्य जगह का निरीक्षण किया, जिस दौरान पाया कि गफूर बस्ती से पक्षी हेलीपैड की तरफ आ रहे हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि क्षेत्र में मीट-मांस के अवशेष व अन्य गंदगी होने के कारण पक्षियों की आवाजाही बढ़ी है। यहक्षेत्र रेलवे के अंतर्गत आता है सफाई के लिए रेलवे अधिकारियों को कहा गया है।

51 हुड़दंगी और नशेड़ियों की रात हवालात में गुजरी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- 31 दिसंबर की रात माहौल बिगाड़ने वालों पर गिरी गाज

अमृत विचार : साल की आखिरी रात शहर की सड़कों पर हुड़दंग करने और शराब पीकर उत्पाद मचाने वालों को पुलिस ने खूब सबक सिखाया। ऐसे लोगों की साल की आखिरी रात हवालात के अंदर गुजरी। नशेड़ियों को नशा उतरने के बाद छोड़ा गया और वो भी चालान काटने के बाद।

एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने बताया कि 31 दिसंबर की सुबह से लेकर पूरी रात पुलिस सड़क पर मुस्तैद थी। सभी चेक प्वाइंट और बैरियर पर चेकिंग की जा रही थी। इसके अलावा शहर के भीतर भी पुलिस की टीमें कार्रवाई कर रही थीं। इस कार्रवाई के दौरान शराब पीकर हुड़दंग करने वाले 40 हुड़दंगी व 11 नशेड़ी चालको को पुलिस ने हवालात पहुंचाया। नशे में वाहन चलाने वाले 11 नशेड़ी चालकों के वाहन भी सीज कर दिए गए। इसके अतिरिक्त यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 206 चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 50200 रुपये का जुर्माना जमा कराया गया। एसएसपी ने चेतावनी दी है कि नए साल के पहले भी पुलिस चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद रहेगी। इसलिए जश्न मनाएं, लेकिन हुड़दंग न करें।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 2 जनवरी 2026 हल्द्वानी

सिटी ब्रीफ

5 से 12 जनवरी तक होगा प्रशिक्षण शिविर

हल्द्वानी : खेल निदेशालय उत्तराखण्ड व जिला खेल विभाग की ओर से स्पेशल कंपोनेनेंट प्लान के अंतर्गत जिला स्तरीय अनुसूचित जनजाति ओपन बालक वर्ग की एथलेटिक्स खेल के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर 05 जनवरी से 12 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में भाग लेने वाले इच्छुक अनुसूचित जनजाति के खिलाड़ी जाति प्रमाण पत्र और आधार कार्ड की छायाप्रति अपने साथ लाएं। शिविर में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को विभाग की ओर से खेल किट वितरित की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए खिलाड़ी जिला खेल कार्यालय हल्द्वानी से संपर्क कर सकते हैं।

हल्द्वानी की हिमानी और पीहू ने जीता कांस्य पदक

हल्द्वानी : छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय वुशू चैंपियनशिप में हल्द्वानी की दो बालिकाओं ने राज्य और जिले का नाम रोशन किया है। हल्द्वानी स्टेडियम की प्रशिक्षित खिलाड़ी पीहू और हिमानी बिष्ट ने अलग-अलग भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। पीहू ने सब-जूनियर वर्ग के 39 किलोग्राम भार वर्ग में, जबकि हिमानी बिष्ट ने सीनियर वर्ग के 48 किलोग्राम भार वर्ग में पदक जीता। दोनों खिलाड़ी पिछले दो वर्षों से नियमित रूप से हल्द्वानी स्टेडियम में वुशू का प्रशिक्षण ले रही हैं। इस उपलब्धि के बाद दोनों खिलाड़ियों को जिला खेल कार्यालय हल्द्वानी के अधिकारियों, प्रशिक्षकों ने बधाई दी।

जिले को विकास की दिशा में आगे ले जाना लक्ष्य: डीएम

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने नये साल के पहले दिन साझा किया अपना विजन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने कहा कि वर्ष 2026 में जनपद के समग्र विकास के लिए प्रशासन की प्राथमिकता जनहित, पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की होगी। नैनीताल एक संवेदनशील पर्वतीय जिला है, जहां विकास कार्यों को स्थानीय परिस्थितियों और प्राकृतिक सीमाओं को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाया जाना आवश्यक है।

साल के पहले दिन जिलाधिकारी ने अपने विजन को साझा करते हुए बताया कि पर्यटन जनपद की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। आने वाले समय में पर्यटन को व्यवस्थित और विकेन्द्रीकृत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि भीड़ का दबाव कम हो और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिल सकें। होम-स्टे, ग्राम पर्यटन और वैकल्पिक पर्यटन स्थलों के विकास को प्रोत्साहित किया जाएगा। सड़क कनेक्टिविटी के संबंध में उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों को सुरक्षित मार्गों से जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में वैज्ञानिक समाधान अपनाए जाएंगे और बरसात से पूर्व सड़कों की नियमित समीक्षा की जाएगी। स्वच्छ पेयजल को लेकर कहा कि केवल आपूर्ति ही नहीं, बल्कि जलस्रोतों के संरक्षण और जल अपव्यय को रोकने पर भी काम किया जाएगा। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में दीर्घकालिक जल सुरक्षा की दिशा में योजनाएं संचालित की जाएंगी।

लखपति दीदी कैलेंडर का विमोचन करते जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल। ● अमृत विचार

लखपति दीदी कैलेंडर-2026 का किया लोकार्पण

हल्द्वानी : डीएम ललित मोहन रयाल ने कैंप कार्यालय में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत लखपति दीदी नववर्ष कैलेंडर–2026 का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह कैलेंडर जनपद की लखपति दीदियों की संचालित विभिन्न आजीविका गतिविधियों का प्रेरणादायी संकलन है। इसका उद्देश्य ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना है। डीएम ने लखपति दीदियों से संवाद किया तथा उनकी आजीविका गतिविधियों, उत्पादन कार्यों एवं आय से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की एक सशक्त मिसाल है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाते हुए समाज में नई पहचान दिला रही है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने नववर्ष की शुभकामनाएं भी प्रेषित की गईं। लखपति दीदी नववर्ष कैलेंडर–2026 में महिलाओं की ओर से किए जा रहे बेकरी, सिल्क कोकून उत्पादन, रिंगाल से टोकरी निर्माण, कैंडल निर्माण, वूलन टॉयज, स्मृति चिन्ह (सुवेनियर) सहित अन्य स्वरोजगार गतिविधियों को दर्शाया गया है। अपर परियोजना निदेशक चंदा फर्त्याल मौजूद रहीं।

प्रभावी जनसुनवाई, जनसहयोग आवश्यक : डीएम

डीएम रयाल ने कहा कि, तहसील और ब्लॉक स्तर पर आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जनसुनवाई व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाएगा। राजस्व और जनहित से जुड़े मामलों में पारदर्शिता पर विशेष जोर रहेगा। कृषि, पशुपालन व उद्यान के क्षेत्र में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर भी निरंतर कार्य किया जाएगा। डीएम ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य जनपद नैनीताल को ऐसा जिला बनाना है जहां विकास, पर्यावरण और जनविश्वास-तीनों साथ-साथ आगे बढ़ें। इसके लिए जनसहयोग भी अत्यंत आवश्यक है।

मित्रता, सेवा, सुरक्षा को चरितार्थ करना ही लक्ष्य : एसएसपी

नए साल की शुरुआत के साथ ही जिले के कप्तान डॉ.मंजूनाथ टीसी ने कुछ लक्ष्य रखे हैं। एसएसपी का कहना है कि इस साल उनका फोकस जिले के सुगम यातायात पर होगा। सिर्फ यातायात ही नहीं बल्कि पुलिसिंग को भी और बेहतर करेंगे। जिले में अपराध पर न सिर्फ लगाम लगानी है, बल्कि यह भी देखना होगा कि जेल में बंद अपराधियों को न्यायालय से सजा दिलाई जाए। जिन मामलों की जांच चल रही है, ऐसे जांच अधिकारियों को निष्पक्ष जांच के निर्देश भी दे दिए गए हैं। साथ ही कोताही पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। असल मायनों में उत्तराखंड पुलिस के मंत्र मित्रता, सेवा, सुरक्षा को चरितार्थ करना है।

सुचारू विद्युत आपूर्ति है लक्ष्य : प्रदीप कुमार

ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता (शहरी) प्रदीप कुमार का कहना है कि शहर के कई स्थानों पर नए ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं और जिन जगहों पर वोल्टेज की समस्या पाई जाएगी, वहां भी नए ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। प्रदीप कुमार ने कहा कि उपभोक्ता हमेशा विभाग की प्राथमिकता रहेंगे और निरंतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि साल 2026 में उपभोक्ताओं को बिना रुकावट के बिजली आपूर्ति की सेवा दी जाएगी और शहर के हर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुधार पर विशेष ध्यान रहेगा।

नहीं होने दी जाएगी पानी की कमी : लोशाली

जल संस्थान के ईई आरस लोशाली ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय छड़ायाल सुयाल में 2 करोड़ की लागत से नलकूप का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और इसे इसी महीने शुरू किया जाएगा। कहा कि इससे पहले इस इलाके में पानी की गंभीर समस्या थी। नए नलकूप के शुरू होने के बाद उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। बताया कि शहर के सभी क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। साल 2026 में विभाग की ओर से उपभोक्ताओं को नियमित रूप पानी की आपूर्ति की जाएगी। कहा कि उपभोक्ता ही हमारी प्राथमिकता हैं।

उत्तराखंड फिर बना तीसरे साल चैंपियन

हल्द्वानी: उत्तराखंड के कराटे खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर राज्य का गौरव बढ़ाया है। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित नेशनल कराटे चैंपियनशिप में प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसरे वर्ष चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

प्रतियोगिता में राज्य के 32 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्तराखंड फुल कॉन्टैक्ट कराटे एसोसिएशन के सचिव महेंद्र सिंह भाकुनी ने बताया कि टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 30 स्वर्ण पदक जीते। कीहोंस इवेंट में दिविता बिष्ट और संचित जोशी ने स्वर्ण जीता। वहीं, कुमीते (फाइटिंग) में दिविता बिष्ट, निर्वाणी जोशी, ख्याति तिवारी, सृष्टि थापा, निहारिका, तनिष्का बीरा, वैष्णवी बेलवाल, कल्पना दानू, सारांश जोशी, लक्ष्य सिंह नेगी, जतिन बिष्ट, अरनब मेहरा, आदित्य निगलतिया, देवांश खोलिया, आर्थिक चौधरी, विनय बिष्ट, आदित्य चौधरी, दीपांशु धनिक और प्रियांशु बोरा ने गोल्ड मेडल अपने नाम किए। काता इवेंट में निहारिका, कल्पना दानू, जतिन बिष्ट, आर्थिक चौधरी, दीपांशु धनिक और धनविनय सिंह रौतेला ने स्वर्ण पदक हासिल किया। कोच रोहित यादव और मैनेजर लक्ष्मण भट्ट ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

नैनीताल 13 वें से टॉप श्री में पहुंचा

हल्द्वानी, अमृत विचार : 20 सूत्रीय कार्यक्रम में जिला नैनीताल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद 13 वें से टॉप श्री में पहुंच गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में गत तिमाही में बीसूका में नैनीताल जिला राज्य में 13 वें स्थान पर था। जिले की अत्यंत खराब स्थिति थी, इस पर डीएम ललित मोहन रयाल ने इसकी नियमित समीक्षा की जिसके बाद विकास कार्यों में प्रगति हुई व सुधार आया।

डीएम ने बताया कि स्वास्थ्य, वन सहित कुल 6 विभागों का प्रदर्शन बी श्रेणी में रहा है। इसके अतिरिक्त जेजेएम एवं प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं ने भी निरंतर बेहतर प्रगति करते हुए बी श्रेणी में स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों, नियमित समीक्षा एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है। डीएम ने सभी विभागों को वर्तमान तिमाही में विभागीय लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करना सुनिश्चित करने को कहा है। जिससे आगामी मूल्यांकन में जनपद की रैंकिंग और अधिक सुदृढ़ हो सके।

नए साल के ट्रैफिक कंट्रोल में दो दिनों तक गौला में फंसे डंपर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नए साल के जश्न में ट्रैफिक डायवर्जन की वजह से गौला नदी के खनन डंपर उपखनिज निकासी गेटों पर ही फंस गए। लगातार दो दिनों तक वाहनों के फंसे होने से खनन प्रभावित हुआ।

गौला नदी में शीशमहल उपखनिज निकासी गेट पर वाहनों के फंसे होने का मामला सामने आया है। गौला खनन मजदूर संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि बुधवार को नियमानुसार वाहन नदी में उपखनिज निकासी के लिए पहुंचें। दोपहर बाद वाहनों का गेटों से निकलने का सिलसिला शुरू हुआ लेकिन दोपहर बाद शाम होते-होते पुलिस ने खनन वाहनों के सड़कों पर जाने से मना कर दिया। इस वजह से 30-40 वाहन गौला नदी में ही फंस गए। इसके पीछे 31 दिसंबर को पर्यटक वाहनों की भीड़, ट्रैफिक डायवर्जन आदि माना गया। उन्होंने कहा कि वाहन स्वामियों को उम्मीद थी कि 1 जनवरी को वाहनों को निकलने की अनुमति दी जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वाहनों के बाहर जाने पर रोक रहेगी। इसको लेकर वाहन स्वामियों में आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि 31 व 1 जनवरी को वाहन नदी में ही फंसे रहे, अब वाहन दो जनवरी को नदी से बाहर आएंगे। तब दो या तीन को नदी में फिर से खनन के लिए आएंगे। ऐसे में वाहन स्वामियों की न्यूनतम 1 व अधिकतम दो दिनों की उपखनिज निकासी प्रभावित हुई।

ह्यूमन राइट्स एंड एंटी करप्शन फोर्स ने बुजुर्गों संग मनाया नववर्ष

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड एंटी करप्शन फोर्स के प्रदेश महासचिव शत्रुघ्न पांडे डिंपल ने विरासत वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों के साथ नववर्ष-2026 मनाया। बुजुर्गों ने भी पूरीश्रद्धा, स्नेह और आत्मीयता से इस समारोह का आनंद लिया।

गुरुवार को विरासत वृद्ध आश्रम में नव वर्ष समारोह की शुरुआत हनुमान चालीसा एवं भजन-कीर्तन से हुई। इससे वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण हो गया। बुजुर्गों ने भी क्षमता अनुसार ढोलक, ढपली, मंजीरा आदि बजाया। डिंपल पांडे ने बुजुर्गों से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। बुजुर्गों ने जीवन के अनुभव साझा किए और जिंदगी को लेकर जरूरी सीख दी। डिंपल ने कहा कि समाज के बुजुर्ग हमारी अमूल्य धरोहर हैं, उनके साथ समय बिताना, सम्मान और स्नेह देना हम सभी का नैतिक दायित्व है। ऐसे आयोजन समाज को संवेदनशील और मानवीय बनाने की दिशा में प्रेरणा देते हैं। विरासत वृद्ध आश्रम की संचालक शशि सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बुजुर्गों को मानसिक संबल मिलता है, उन्हें एहसास होता है कि समाज आज भी उनके साथ खड़ा है। इस दौरान पूनम आर्या, दीप्ती चुफाल, प्रशांत श्रोत्रिया, प्रसन्न जोशी, लक्ष्मण आर्या, भवानी बिष्ट, नन्दा एवं पुष्कर सिंह मेहरा रहे।

बुजुर्गों के साथ नया साल मनाने पहुंचे अतिथि का स्वागत करते पदाधिकारी।

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी सिविल सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा

E-mail:- csalmdfo@rediffmail.com, Phone/Fax: (05962-220229)

पत्रांक : 1876/10-2 दिनांक : 01/01/2026

आरक्षित वनों में लीसा ढुलान कार्य वर्ष 2026 हेतु निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सिविल एवं सोयम वन प्रभाग अल्मोड़ा के अन्तर्गत आरक्षित वनों, में वर्ष 2026 लीसा फसल, में लीसा विदोहन कार्य हेतु अनुभवी एवं इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 13.01.2026 के अपरान्ह 4:00 बजे तक रजिस्टर्ड डाक द्वारा अथवा प्रभागीय कार्यालय, अल्मोडा में स्थित निविदा पेटी में निविदाये आमंत्रित की जाती है। विलम्ब से प्राप्त होने वाली निविदायें स्वीकार नही की जायेगी। प्रत्येक कूप के लिये पृथक-पृथक निविदा देनी होगी। निविदा के बाहर "निविदा बावत् लीसा गढान वर्ष 2026 लीसा फसल, कूप संख्या व रेंज का नाम" लिखना अनिवार्य होगा। प्रत्येक कूप हेतु लौट की नेक जमानत रू० 4000 / (चार हजार रू० मात्र) का राष्ट्रीय बचत पत्र जो प्रभागीय वनाधिकारी सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा के नाम निरूपित हो, निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र दिनांक 3.01.2026 से 12.01.2026 के अपरान्ह 4:00 बजे तक केवल कार्य दिवसों में रू० 500.00+18% जी०एस०टी० अतिरिक्त का भुगतान कर प्रभागीय कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है। निविदा किये जा रहे कूपों, घावों, निर्धारित आमद, डिपो सम्बन्धी नियमों एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यदिवस को प्रभागीय कार्यालय/कनारीछीना राजि/जागेश्वर राजि कार्यालयों में देखी जा सकती है। निविदाओं को खोलने का समय दिनांक 17.01.2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे निर्धारित किया जाता है। निर्धारित तिथि एवं समय तक प्राप्त निविदाओं को अधोहस्ताक्षरी अथवा नामित प्रतिनिधि द्वारा प्रभागीय कार्यालय, सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोडा में खोला जायेगा। इच्छुक निविदादाता निविदा खोलते समय उपस्थित रह सकते है।

प्रभागीय वनाधिकारी
सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा

वरिष्ठ पत्रकार राजेश सरकार को मातृशोक

हल्द्वानी : वरिष्ठ पत्रकार राजेश सरकार की मां लक्ष्मी देवी का 72 वर्ष की आयु में बुधवार की देर रात निधन हो गया। गुरुवार को रानीबाग स्थित चित्रशिला घाट में अंतिम संस्कार किया गया। पुत्र राजेश ने उन्हें मुखाग्नि दी। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने माता के निधन पर दु:ख व्यक्त किया है। वहीं आयुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल व सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने भी शोक जताया है।

नाबार्ड के सहयोग से काठगोदाम में पांच दिनी शीत महोत्सव का शुभारंभ

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नववर्ष 2026 के अवसर पर नाबार्ड और चेष्टा विकास समिति के सहयोग से शीशमहल स्थित रामलीला मैदान में पांच दिवसीय शीत महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को रोजगार के अवसर व उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मुकेश बेलवाल ने कहा कि नाबार्ड ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके माध्यम से कृषि, पशुपालन, बागवानी सहित अनेक रोजगारपरक योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे महिलाओं और किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक कृष्ण कुमार ने बैंक की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी। बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक पांडे ने भी बैंक की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। महोत्सव में नैनीताल विधायक सरिता आर्या, बीडी नैनवाल और चेष्टा विकास समिति की अध्यक्ष सुमन अधिकारी मौजूद रहीं। महिला उद्यमियों की ओर से निर्मित उत्पादों के 25 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं।

शीत महोत्सव का दीप जलाकर शुभारंभ करते ब्लाक प्रमुख हरीश बिष्ट। ● अमृत विचार

आदमखोर तेंदुए के खात्मे की मांग की

हल्द्वानी : भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने वन सचिव से वार्ता की और आदमखोर हो चुके तेंदुए या बाघ को चिन्हित करने के बाद मारने की मांग की। विधायक कैड़ा ने वन सचिव को बताया कि धारी ब्लॉक के तल्ली दिनी व ओखलकांडा ब्लॉक के चमोली में बाघ/तेंदुए ने दो महिलाओं को निवाला बनाया है।

घटना के बाद जंगल से लगे गांव के लोगों में डर का माहौल है। जगह-जगह बाघ/तेंदुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने वन सचिव को बताया कि तल्ली दिनी की घटना को एक सप्ताह पूरा हो गया है लेकिन वन विभाग को कोई सफलता नहीं मिल पाई है। ओखलकांडा के चमोली गांव में भी बाघ/तेंदुए को लेकर कोई सफलता नहीं मिली है। अब लोगों को बचाने के लिए आदमखोर हो चुके बाघ/ तेंदुए को मारना अतिआवश्यक है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, तिकोनिया, हल्द्वानी (नैनीताल)

(Phone/Fax): 05946-223352 E-mail-ee_ndhal@rediffmail.com

पत्रांक : 3601/2ए०सी० दिनांक : 31/12/2025

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, हल्द्वानी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु मोहरबन्द निविदायें दिनांक 03.02.2026 को आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 22.01.2026 से दिनांक 02.02.2026 तक किसी भी कार्यदिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा दिनांक 03.02.2026 अपरान्ह 3.00 बजे तक निम्नाकित कार्यालयों में निविदा बॉक्स में डाले जा सकते है। निविदा के साथ वांछित धरोहर राशि एन०एस०सी०, डाकघर बचत बैंक पास बुक अथवा भारत में किसी अनुसूचित बैंक की जमा रसीद के रूप में जो अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, हल्द्वानी के पदनाम से बन्धक हो, लगाना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त निविदा प्रपत्र के साथ रु० 100/- के नॉन ज्यूडीशियल स्टाम्प पेपर पर रु० 1.00 का रसीदी टिकट लगाकर वैधता की शर्त के साथ ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर कर संलग्न करना अनिवार्य है।

1-कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, द्वितीय वृत्त, लो०नि०वि०, नैनीताल। 2-कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, हल्द्वानी।
3-कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रामनगर। 4-कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, रूद्रपुर।

क्र० सं०	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू०)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू०)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने हेतु समय	ठेकेदार/फर्म की पंजीकृत श्रेणी
1	जिला खनिज फाउण्डेशन के अन्तर्गत ग्राम हरिपुर मोतिया में (बैलवाबा मन्दिर से पहले) लगी भारत माईन्स एवं इकाईयों को जाने वाले सम्पर्क मार्ग का पुनः निर्माण कार्य।	18400.00	1000.00+ GST	90 दिन	06 माह	श्रेणी "ई" एवं उच्चतर मार्ग कार्य हेतु
2	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद नैनीताल के विधानसभा क्षेत्र कालाढूंगी के ग्राम गुसाईपुर में किशन सिंह बिष्ट एवं हरिपुर जमन सिंह में मदन जोशी, गिरीश जोशी आदि के घरों को जाने वाले मार्ग का पी०सी० द्वारा पुनः निर्माण एवं सुदृढीकरण का कार्य।	38200.00	1500.00+ GST	90 दिन	06 माह	श्रेणी "ई" एवं उच्चतर मार्ग कार्य हेतु

निविदा दिनांक 04.02.2026 को पूर्वान्ह 11.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशास अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, हल्द्वानी के कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकेंगी।

1. संविदा मूल्य की धनराशि में वस्तु एवं सेवाकर (जी०एस०टी०) भी सम्मलित है एवं तद्नुसार धनराशि पर धरोहर धनराशि आदि का मूल्यांकन किया गया।
2. संविदाकार से आमंत्रित मदवार दरें बिना वस्तु एवं सेवाकर (जी०एस०टी०) की है एवं जिस पर विभाग द्वारा प्रचलित जी०एस०टी० अतिरिक्त देय होगी।
3. किसी भी निविदा अथवा सम्पूर्ण निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०
हल्द्वानी नैनीताल

श्रद्धा

टर्बन डे के जरिए नई पीढ़ी को दिया गया संदेश

प्रकाश पर्व पर निकली पांचवीं प्रभात फेरी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुवार को पांचवी प्रभात फेरी निकाली गई। इस दौरान भक्तों ने गुरबाणी गायन किया। इस दौरान हजारों भक्त मौजूद रहे। प्रभात फेरी सुबह 5 बजे गुरुद्वारा सिंह सभा रामलीला ग्राउंड से प्रारंभ होकर नैनीताल रोड, तिकोनिया, खालसा स्कूल होते हुए गुरुद्वारा गुरु नानक पुरा पहुंची। प्रभात फेरी का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया।

गुरुद्वारा गुरु नानक पुरा के मुख्य सेवादार हरजीत सिंह सच्चर, जसपाल सिंह कोहली, अमरजीत सिंह आनंद ने प्रभात फेरी का स्वागत किया। सिख फेडरेशन के गुरप्रीत सिंह प्रिंस, अमरजीत सिंह साहनी, परमजीत सिंह चंडोक, अमरपाल सिंह, जगमोहन सिंह, कुलविंदर चड्ढा, कंवलजीत सिंह, हरविंदर सिंह, रिंकल चंडोक, वीरेंद्र सिंह चड्ढा, अमरजीत सिंह, रमन साहनी, बलवंत सिंह, दलीप सिंह रहे। इधर, नववर्ष के उपलक्ष्य पर धूमधाम से टर्बन डे मनाया गया। सिख नौजवानों और बच्चों ने गुरु तेग बहादुर स्कूल से मुख्य बाजार होते हुए गुरुद्वारा सिंह सभा तक मार्च निकाला। मार्च के माध्यम से पगड़ी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह न केवल परिधान है, बल्कि सम्मान, गरिमा व आत्मसम्मान का प्रतीक है। पगड़ी की ओजपूर्ण परंपरा से नई पीढ़ी को जोड़ने के उद्देश्य से निकले मार्च का जगह-जगह स्वागत हुआ।

टर्बन डे के मौके पर गुरु तेग बहादुर स्कूल से मार्च निकालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

बुलेट और सोने की अंगूठी के लिए विवाहिता को पीटा

रुद्रपुर : ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र में दहेज के दानवों ने एक विवाहिता को बुलेट और सोने की अंगूठी की मांग पूरी न होने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया। गोल मडैया निवासी राजवती की शादी यूपी निवासी देवेंद्र के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही सास, ससुर, जेठ और जेठानी कम दहेज का ताना देकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। ससुराली जन एक तोले सोने की अंगूठी और बुलेट लाने का दबाव बना रहे थे। असमर्थता जताने पर पीड़िता के साथ हाथापाई की गई और जान से मारने की धमकी देकर बेघर कर दिया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मानसिक बीमार नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर : ट्रांजिट कैंप थाना पुलिस ने 13 वर्षीय मानसिक रूप से बीमार नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 31 दिसंबर की है, जब पड़ोस में रहने वाला अमित कुमार बालिका को बहला-फुसलाकर अपने कमरे में ले गया और उसके साथ घिनौनी करतूत को अंजाम दिया। पीड़िता ने घर लौटकर परिजनों को आपबीती सुनाई, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि आरोपी अमित कुमार को 31 दिसंबर की रात ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसे आज न्यायालय में पेश किया गया।

ट्रांजिट कैंप में ऑटो लिफ्टर सक्रिय, तीन बाइकें चोरी

रुद्रपुर : ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र में ऑटो लिफ्टर गिरोह ने एक बार फिर पुलिस को चुनौती देते हुए दिसंबर माह में तीन वाहनों पर हाथ साफ कर दिया। अरविंद नगर निवासी मोटू राय की स्कूटी 25 दिसंबर की रात दुकान के बाहर से चोरी हो गई। वहीं, 27 दिसंबर को शिव नगर निवासी मनीष जायसवाल की बाइक बाजार से उस समय चोरी हुई जब वह सब्जी लेने गए थे। तीसरी घटना 14 दिसंबर की है, जहां गंगापुर निवासी राजेंद्र कश्यप की बाइक घर से गायब हो गई।

निकाह के दो माह बाद ही दहेज उत्पीड़न

किच्छा : चार साल के प्रेम प्रसंग के बाद हुए निकाह का अंत दो महीने में मुकदमे के साथ हुआ। आलिया निवासी किच्छा का विवाह 20 जून 2025 को मुस्तफा निवासी सिरौली कला से हुआ था। आरोप है कि निकाह के बाद पति व ससुरालियों ने 10 लाख और कार की मांग को लेकर आलिया को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

नानकसागर में नौकायन का आनंद लेते लोग। ● अमृत विचार

आध्यात्म और उत्साह के साथ नए साल का आगाज

नानकमत्ता : नए साल 2026 के स्वागत के लिए नानकमत्ता साहिब में श्रद्धालुओं और सैलानियों का तांता लगा रहा। रुद्रपुर, किच्छा, सितारगंज, खटीमा और पीलीभीत सहित आसपास के क्षेत्रों से आए हजारों लोगों ने गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने गुरु घर का प्रसाद ग्रहण कर अपनी यात्रा को सफल बनाया। धार्मिक दर्शन के बाद पर्यटकों ने नानकसागर बांध की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लिया। यहां जलाशय में मोटर बोट और नौकायन का विशेष उत्साह देखा गया। लोगों ने परिवार के साथ सैर-सपाटे और सेल्फी का लुत्फ उठाते हुए एक-दूसरे को नए साल की शुभकामनाएं दीं। पूरा क्षेत्र आज भक्ति और उल्लास के रंग में डूबा नजर आया।

कच्ची शराब के खिलाफ मुहिम

रुद्रपुर: थर्टी फर्स्ट की रात्रि को कच्ची शराब के खिलाफ मुहिम चलाते हुए कोतवाली पुलिस ने कई स्थानों पर दबिश देकर भारी मात्रा में शराब पकड़ी और माफियाओं को भी गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर लिया। जानकारी के अनुसार 31 दिसंबर की रात्रि को एसएसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने रंपुरा इलाके में दबिश दी और हरिओम को पकड़ लिया और 17 लीटर कच्ची शराब बरामद की। इसके अलावा थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने गड्ढा कॉलोनी निवासी बलजोर सिंह को 20 लीटर, थाना पंतनगर पुलिस ने संत कुमार निवासी ग्राम सिंबुआ थाना बिलसंडा जिला पीलीभीत को 25 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया। एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी ने बताया कि अभियुक्तों के साथ शराब भी बरामद हुई है।

दिनेशपुर नगर पंचायत ने नव वर्ष के प्रथम दिन शुरू किया स्वच्छ भारत अभियान

नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में करें सहयोग

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर व अधिशासी अधिकारी मोहम्मद यामीन ने स्वच्छ भारत अभियान की नव वर्ष के प्रथम दिन शुरुआत की। उन्होंने नगरवासियों से नगर को स्वच्छ रखने में अपना सहयोग देने की अपील की।

गुरुवार को वार्ड-छह में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत करती नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर ने कहा कि नगर को स्वच्छ रखने के लिए सफाई व्यवस्था में नगरवासियों को पर्यावरण मित्रों को पूर्ण सहयोग देना चाहिए। घरों का कूड़ा इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी मोहम्मद यामीन ने कहा कि दुकानदारों को कूड़ा इकट्ठा कर एक स्थान पर रखना चाहिए। उन्होंने दुकानदारों से पॉलिथीन का प्रयोग न करने के अपील की। पर्यावरण पर्यवेक्षक चंद्रपाल बत्रा उर्फ बिल्लू ने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि लोग घर व दुकानों का गीला व सूखा कूड़ा अलग- अलग कूड़ेदान में न डालकर सड़क पर फेंक देते हैं। जबकि कूड़ा वाहन घरों व दुकानों से प्रतिदिन कूड़ा लेने आते हैं। अभियान में लिपिक गोवर्धन भट्ट, राजन, पर्यावरण पर्यवेक्षक चंद्रपाल बत्रा उर्फ बिल्लू, धनीराम, किलेडियस, रवि कुमार, केपीएस बलवंत सिंह, संदीप कुमार आदि पर्यावरण मित्र मौजूद रहे।

दिनेशपुर में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत करतीं नपं अध्यक्ष मनजीत कौर व ईओ मोहम्मद यामीन एवं पर्यावरण मित्र।

महापौर ने जिला अस्पताल के विभिन्न वार्डों का जायजा लिया

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ की बेहतर सुविधा के लिए समीक्षा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: महापौर विकास शर्मा ने जवाहर लाल नेहरू जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही भर्ती मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रहे उपचार व सुविधाओं की जानकारी ली। वहीं महापौर ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर चिकित्सालय की खामियों को दूर करने और भविष्य की कार्ययोजना पर गंभीर मंथन किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी आधुनिक और निःशुल्क उपचार मिले। इसी विजन को धरातल पर उतारने के लिए नगर निगम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आठ आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य केंद्रों का संचालन शुरू किया है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में जो भी अव्यवस्थाएं हैं उन्हें दूर किया जाएगा। अस्पताल की पार्किंग व्यवस्था को लेकर मिल रही शिकायतों पर कहा कि इसका संचालन अब नगर निगम के महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कराया जाएगा। इससे न केवल पार्किंग व्यवस्था अनुशासित होगी, बल्कि शुल्क में भी कटौती की जाएगी। इस अवसर पर सीडीओ दिवेश शाशनी, सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल, जिला अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ. कपिल शर्मा, डॉ.आरके सिन्हा, डॉ.केके पांडे समेत स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के कई अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में मरीजों का हाल जानते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को लेकर शीघ्र मिलेंगे सीएम से

रुद्रपुर : महापौर ने कहा कि मरीजों को मौसम की मार से बचाने के लिए अस्पताल में जनरेटर बैकअप को मजबूत करने के साथ-साथ कुछ वार्डों में नए एसी और हीटर लगाए जाएंगे। चिकित्सालय में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी पर कहा कि वे इस विषय को लेकर शीघ्र ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शासन स्तर पर वार्ता कर अस्पताल में रिक्त चल रहे पदों को भरने और तकनीकी संसाधनों की कमी को दूर करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

प्रत्येक वार्ड में प्रति माह लगाया जाएगा स्वास्थ्य शिविर

रुद्रपुर : महापौर ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए एक नई पहल के तहत अब नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रत्येक वार्ड में प्रति माह स्वास्थ्य परीक्षण शिविर और रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से न केवल लोगों में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आएगी, बल्कि एकत्रित रक्त के माध्यम से आपातकालीन स्थितियों में अनमोल जिंदगियां बचाई जा सकेंगी।

वरिष्ठ पत्रकार फणींद्र नाथ गुप्ता का निधन

पंतनगर: वरिष्ठ पत्रकार फणींद्र नाथ गुप्ता (65) का गुरुवार सुबह अपने आवास पर निधन हो गया। वह पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से पत्रकारिता, राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक जगत में शोक है। फणींद्र नाथ गुप्ता मूल रूप से सहसवान बदायूं (उत्तर प्रदेश) के निवासी थे। उनके पिता ओपी गुप्ता शिक्षक थे। देर शाम किच्छा रोड स्थित रामबाग श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके पोते ने पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। उनके निधन पर विधायक शिव अरोरा, तिलक राज बेहड़, मेयर विकास शर्मा, दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष हिमांशु गाबा, सुशील गाबा, भारत भूषण चुघ, मोहनखेड़ा, कांग्रेस नगर अध्यक्ष ममता रानी, सीपी शर्मा, मीना शर्मा, अनिल शर्मा, संजय ठुकराल सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों ने गहरा शोक व्यक्त किया।

फणींद्र नाथ (फाइल)।

3 को यूथ कांग्रेस करेगी कलेक्ट्रेट का घेराव

पत्रकारों को जानकारी देते यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर व अन्य नेता।

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड के चर्चित अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच का मुद्दा उठाते हुए यूथ कांग्रेस ने 3 जनवरी को डीएम कार्यालय घेराव करने का फैसला लिया है। यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने कहा कि अब प्रदेश का युवा जाग चुका है और अंकिता को इंसाफ दिलाने के लिए सड़कों पर उतरेगा। इसी कारण विरोध प्रदर्शन ऐतिहासिक होगा।

गुरुवार को यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यूथ कांग्रेस भुल्लर ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि पिछले तीन साल से गढ़वाल की बेटी अंकिता को न्याय दिलाने के लिए परिवार भटक रहा है और लगातार वीआईपी का नाम उजागर करने का मुद्दा उठा रहा है। जब पूर्व विधायक की पत्नी ने वीआईपी का नाम उजागर कर दिया। उसके बाद भी डबल इंजन वाली धामी सरकार अपने वीआईपी नेता को बचाने की कोशिश कर रही है और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के अलावा हर उस आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है जो वीआईपी को सजा दिलाने का मुद्दा उठा रही है।

यही कारण है कि जहां गढ़वाल हो या फिर कुमाऊं की बहन बेटियां सड़कों पर उतर चुकी है। वहीं यूथ कांग्रेस ने 3 जनवरी को कलेक्ट्रेट घेराव करने का निर्णय लिया है। इस दौरान यूथ कांग्रेस सीएम को ज्ञापन देकर सीबीआई जांच और वीआईपी को सजा दिलाने का मुद्दा उठाएगी। इस मौके पर व्यापारी नेता संजय जुनेजा, मोहन खेड़ा, सोफिया नाज, परवेज कुरैशी, जितेश शर्मा, रणजीत सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

शोध गतिविधियों को प्रभावी बनाएं

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शोध निदेशालय द्वारा नववर्ष कार्यक्रम और रिसर्च काउंसिल की चौथी बैठक आयोजित की गई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने अनुसंधान गतिविधियों को अधिक सशक्त, प्रभावी और परिणामोन्मुखी बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध न केवल किसानों और समाज की समस्याओं का समाधान करता है, बल्कि विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय पहचान भी सुदृढ़ करता है। कुलपति ने तकनीकों के व्यवसायीकरण और व्यावहारिक शोध पर विशेष जोर दिया।

वैज्ञानिक को डॉ.राधाकृष्णन बेस्ट टीचर-रिसर्चर अवार्ड देते कुलपति डॉ. चौहान।

बैठक में निदेशक शोध डॉ. एस.के. वर्मा ने वर्ष 2025 की अनुसंधान उपलब्धियों का विवरण साझा किया। इस अवसर पर शोध एवं शिक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. सुमित चतुर्वेदी, डॉ. अर्चना कुशवाहा और डॉ. रविंद्र कुमार को प्रतिष्ठित ''डॉ. राधाकृष्णन बेस्ट टीचर-रिसर्चर अवार्ड-2025'' से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्ट कार्य करने वाले 64 अन्य वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को भी पुरस्कृत किया गया। कुलसचिव डॉ. दीपा विनय ने शिक्षकों से विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य के प्रति उदार रहने की अपील की। कार्यक्रम में सभी अधिष्ठाता, वैज्ञानिक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दो सड़क हादसों में तीन लोगों की दर्दनाक मौत

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नववर्ष 2026 का पहला दिन ऊधमसिंह नगर के तीन परिवारों के लिए गहरा जख्म दे गया। पुलभट्टा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह तड़के हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इन घटनाओं से परिजनों में कोहराम मच गया है।

पहली घटना सितारगंज मार्ग पर ग्राम बरी के पास हुई। यहां एक तेज रफ्तार थार गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गन्ने के खेत में पलट गई। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा और पुलिस टीम ने क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे तीन युवकों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने सितारगंज के ग्राम सभयपुर निवासी योगनप्रीत सिंह (18) और ग्राम भगोरी निवासी सैफ अहमद (30) को मृत घोषित कर दिया। तीसरे घायल सोहेल का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। सीट बेल्ट न लगाने के कारण एयरबैग नहीं खुले, जो मौत का मुख्य कारण बना। दूसरी घटना में, इंटरार्क कंपनी में नाइट ड्यूटी कर बाइक से घर लौट रहे बहेड़ी (बरेली) निवासी सतीश कुमार (45) को गोला पुल के पास किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल सतीश ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

पुलिस के सामने भिड़ गए दो पक्ष

- 170 बीएनएसएस में कर दिया मुकदमा दर्ज
- पांच लोगों के खिलाफ कर डाली कार्रवाई

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शिमला बहादुर चौक पर पांच युवकों को खाकी के सामने बार-बार झगड़ा करना महंगा पड़ गया है। पुलिस कर्मियों के काफी समझाने के बाद भी आरोपी नहीं माने तो पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर बीएनएसएस की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार एक जनवरी को थाना ट्रांजिट कैंप के दरोगा अकरम अहमद पुलिस टीम के साथ शांति व्यवस्था को लेकर गश्त कर रहे थे। इस बीच सूचना मिली कि शिमला बहादुर चौक पर कुछ युवक आपस में झगड़ा कर रहे हैं। जब पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझा बुझाकर भेजना चाहा तो दोनों पक्षों के लोग नहीं माने और खाकी से ही उलझने लगे। कई बार समझाने के बाद भी विवाद समाप्त नहीं हुआ तो पुलिस ने आटा चक्की फुलसुंगा निवासी आदित्य पांडे, विवेक नगर निवासी अनूप प्रकाश, घास मंडी आदर्श कॉलोनी निवासी राजन यादव, भदईपुरा निवासी पंकज रौतेला और विशाल गंगवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पक्षों के पांच आरोपियों पर 170 बीएनएसएस के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

आरोपियों के साथ पुलिस टीम। ● अमृत विचार

पहल

नए साल में कैबिनेट मंत्री ने दी एक और सौगात

115 .73 लाख की लागत से बनेंगी दो सड़कें

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : नए वर्ष में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने क्षेत्रवासियों को एक और सौगात दी है। 115.73 लाख रुपये की लागत से क्षेत्र के ग्राम देवनगर एवं बैकुंठपुर में दो सड़कें बनेंगी, इसके लिए शासन द्वारा वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

ग्राम सभा देवनगर गांव में मुख्य मार्ग, सुमिरन मंडल के घर से फुटबॉल मैदान तक एवं बैकुंठपुर में श्यामल राय के घर से कटना नहर की ओर मार्ग निर्माण के लिए, ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से मांग की जा रही थी। आखिर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के प्रयासों से राज्य योजना के अंतर्गत 115.73 लाख रुपये लागत से, दोनों मार्ग का निर्माण किया जाएगा। जिसके लिए शासन द्वारा प्रशासकीय तथा वित्तीय स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है। दोनों मार्ग निर्माण होने के पश्चात देवनगर एवं बैकुंठपुर के ग्रामीणों को आवागमन एवं यातायात के लिए सुगम हो सकेगा।

लंबे समय से जर्जर देवनगर गांव का संपर्क मार्ग। ● अमृत विचार

क्षेत्र का विकास सर्वोपरि: बहुगुणा

शक्तिफार्म: कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि क्षेत्र का विकास, उनके लिए सर्वोपरि रहा है। पूरे विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया गया है। मुख्य मार्गों के साथ-साथ, ग्रामीण मार्गों को भी दुरुस्त करवाने का प्रयास किया जा रहा है। देव नगर एवं बैकुंठपुर के दोनों मार्ग निर्माण होने से, दोनों गांव के ग्रामीणों को काफी सहूलियत मिलेगी। पूरे विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य अविरल जारी रहेगा।

प्रो. रमेश राम को मिला अवार्ड

रुद्रपुर: सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा के राजनीति विज्ञान विभाग में तैनात असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रमेश राम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्हें ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में आयोजित समारोह में ''एजुकेशन आइडल प्राइड अचीवर्स अवार्ड 2025'' और सत्य इंदिरा फाउंडेशन, जयपुर द्वारा ''टॉप पर्सनालिटी ऑफ द ईयर 2025'' से सम्मानित किया गया। डॉ. रमेश को यह सम्मान गरीब बच्चों की मदद और शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है।

महिला के खाते से उड़ाए 1.30 लाख

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: भूरारानी निवासी एक महिला से खुद को एसबीआई बैंक का प्रतिनिधि बताकर साइबर ठगों ने 1.30 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़िता जानकी वर्मा के अनुसार, उनका क्रेडिट कार्ड नवंबर में जारी हुआ था। 1 दिसंबर को एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को एसबीआई दिल्ली हेड ऑफिस का कर्मचारी बताकर उन्हें फोन किया और क्रेडिट कार्ड संबंधी जानकारी मांगी।

विश्वास में आकर जानकारी साझा करते ही महिला के खाते से 1.30 लाख रुपये कटने का मैसेज आ गया। संपर्क करने की कोशिश की तो आरोपी का मोबाइल स्विच ऑफ मिला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल हैक कर खाते से उड़ाए 60 हजार

रुद्रपुर : साइबर ठगों ने अब एआरटीओ के नाम पर ठगी का नया तरीका अपनाया है। हंस विहार निवासी अमित चंद राजा के मोबाइल पर एक फर्जी एआरटीओ चालान का लिंक आया, जिसे जल्द भरने का निर्देश था। लिंक पर क्लिक करते ही पीड़ित का मोबाइल हैक हो गया और ठगों ने उसका एक्सेस प्राप्त कर लिया। अगले दिन पीड़ित के खाते से 60 हजार रुपये कटने का मैसेज आया।

प्रेम विवाह के 9 महीने बाद दहेज उत्पीड़न

किच्छा: सोशल मीडिया के माध्यम से प्रेम कर मंदिर में विवाह करना एक युवती को भारी पड़ गया। शादी के कुछ समय बाद ही पति और सास-ससुर ने 20 लाख नकद और कार की मांग को लेकर पीड़िता को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। अंततः मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। पुलिस ने पति समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पंतपुरा दोपहरिया निवासी नेहा रावत ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2023 में देहरादून में पढ़ाई के दौरान सोशल मीडिया के जरिए उसकी मुलाकात बिजनौर निवासी विक्रांत चौधरी से हुई थी। दोनों परिवारों की सहमति के बाद 7 मार्च 2025 को रुद्रपुर के आर्य समाज मंदिर में उनका विवाह संपन्न हुआ।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार,2 जनवरी 2026

सिटी ब्रीफ

पांच जनवरी को होगी बालिका अस्मिता लीग

काशीपुर : ऊधमसिंह नगर एथलेटिक्स एसोसिएशन की ओर से पांच जनवरी को एक ओंकार ग्लोबल एकेडमी में बालिका अस्मिता लीग का आयोजन होगा। एसोसिएशन के कार्यकारी जिला अध्यक्ष सरफराज चौधरी ने बताया कि यह प्रतियोगिता दो आयु वर्ग में होगी। 14 और 16 आयु वर्ग की बालिका खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकती हैं।

तेज रफ्तार बाइक ने किशोर को रौंदा

बाजपुर : मुख्य मार्ग पर मंडी गेट के पास एक तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से 11 वर्षीय किशोर रिहान गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्राम नंदपुर नरकाटोपा निवासी रिहान अपने साथी के साथ बाजार आया था, तभी यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने घायल को तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। पीड़ित परिजनों ने कोतवाली में अज्ञात बाइक सवार के विरुद्ध तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

चुनावी रंजिश में छात्र के साथ मारपीट

शक्तिफार्म : शक्तिफार्म में चुनावी रंजिश के चलते छात्रों के एक गुट ने दूसरे छात्र पर जानलेवा हमला कर दिया। अरविंद नगर निवासी हिमांशु गिरी 31 दिसंबर की रात कुश्मौठा में एक दुकान पर चाय पी रहा था, तभी 10-15 छात्रों के गुट ने उस पर चुनाव में समर्थन न करने का आरोप लगाकर मारपीट शुरू कर दी। हमले में हिमांशु के कंधे और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से हायर सेंटर रेफर किया गया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिजली का तार चोरी कर भाग रहे युवक को पकड़ा

सितारगंज : किच्छा रोड स्थित इलेक्ट्रॉनिक की दुकान से बिजली का तार चोरी कर भाग रहे युवक को दुकान स्वामी ने रास्ते से पकड़ लिया। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के ख़िलाफ़ प्राथमिक दर्ज की है। वार्ड नंबर 8 निवासी आशीष सिंघल ने बताया कि किच्छा रोड पर उसकी इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। 31 दिसंबर को करीब तीन बजे एक युवक चोरी करने की नीयत से उसकी दुकान में घुस गया। उसने दुकान में रखे 6 मिमी और 2.5 मिमी तार के तीन बंडल उठा लिए और चुपचाप दुकान से निकलकर भागने लगा। तभी उसने वहां मौजूद लोगों के साथ आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद उसे पुलिस के सपोर्ट कर दिया गया। वहीं, पुलिस ने बताया कि मामले में गांव खेतलसंडा, खटीमा निवासी अभिषेक कुमार के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज की है।

ग्राम प्रधान पति पर लगाया अवैध वसूली का आरोप

बाजपुर : महेशपुरा ग्राम प्रधान पति पर निजी बसों से सफाई व्यवस्था के नाम पर जबरन वसूली का आरोप लगा है। श्री दशमेश निजी बस यूनियन ने उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर मामले की जांच की मांग की है। यूनियन का आरोप है कि बिना किसी वैध अधिकार के बस ऑपरेटरों से अवैध धन वसूला जा रहा है। वहीं, प्रधान पति लीलाधर सैनी ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि पंचायत की खुली बैठक में प्रस्ताव पारित कर सफाई शुल्क लिया जा रहा है, जिसकी रसीद भी दी जाती है। वर्तमान में पंचायत और बस संचालकों के बीच इस विवाद से तनाव बढ़ गया है।

चाकू के साथ दबोचा

बाजपुर : नववर्ष की पूर्व संध्या पर बाजपुर पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए गए चेकिंग अभियान के दौरान भोना कॉलोनी निवासी विजय को चाकू के साथ गिरफ्तार किया है।

टाइल्स गैलरी की दुकान से सात लाख का माल उड़ाया

पुलिस ने दुकानदार की सूचना पर घटनास्थल का निरीक्षण किया

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर स्थित दुकान में चोरी के बाद बिखरा हुआ सामान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: चोरों ने टाइल्स गैलरी की दुकान से करीब सात लाख रुपये का कीमती सामान और नकदी चोरी कर ली। पुलिस ने पीड़ित दुकानदार की सूचना पर घटनास्थल का निरीक्षण किया। साथ ही चोरी के खुलासे के लिये टीम का गठन किया।

मोहल्ला लक्ष्मीपुर पट्टी निवासी मोनिश सैफी ने पुलिस में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि उसकी रामनगर रोड स्थित एसबीआई कृषि विकास शाखा के पास टू टाइल्स गैलरी के नाम से दुकान है। बीते बुधवार को साप्ताहिक बंदी के कारण वह शाम लगभग चार बजे दुकान को बंद करके घर चले गए थे। बृहस्पतिवार की सुबह लगभग दस बजे दुकान पर पहुंचे। इस दौरान शटर खोलकर जब दुकान के अंदर गए तो देखा कि दुकान के अंदर रखा हुआ सारा सामान अस्त-व्यस्त तथा टूटा-फूटा पड़ा हुआ था। दुकान में रखे वॉश बेसिन, लैट्रिन सीट आदि क्षतिग्रस्त थे और दुकान में रखे नई नलों की टोटियां, डाइवर्टर एवं मिक्सचर, जो कि सभी पीतल के बने हुए थे सभी गायब थे। दुकान स्वामी ने बताया कि उनकी दुकान रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित है। चोरों ने दुकान के पीछे रेलवे लाइन की तरफ बने वॉशरूम की दीवार काटी और उससे दुकान के अंदर घुसे होंगे। इसके बाद चोरों ने दुकान के अंदर की एक और दीवार काटी। चोर दुकान से ब्रांडेड कंपनी का सामान चोरी कर ले गए, जिसकी कीमत लगभग छह-सात लाख रुपये है और 1500 नकद चोरी कर ले गए। उन्होंने घटना की सूचना डायल 112 पर पुलिस को दी। वहीं सूचना पर एसपी/सीओ दीपक सिंह, कोतवाली प्रभारी हरेंद्र चौधरी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

गन्ना क्रॉप कटिंग का किया निरीक्षण

काशीपुर: ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक ने गन्ना क्रॉप कटिंग का स्थलीय निरीक्षण किया और जानकारी ली। गुरुवार को ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक वीरेंद्र कुमार चौधरी ने ग्राम गोविंदपुर में किसान जीत सिंह व शांति कौर के खेत में पहुंचकर क्रॉप कटिंग कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। बताया कि प्रत्येक वर्ष भारत सरकार, आगामी वर्ष में फसलों के उत्पादन का अनुमान लगाने के लिये कुछ गांव को चयनित करके फसल कटाई प्रयोग कराती है। जिसका प्रयोग कृषि विभाग की योजना बनाने के लिये किया जाता है। त्रुटि रहित एवं शुद्ध आंकड़े प्राप्त करने के लिये भारत सरकार के सांख्यिकी विभाग के एक प्रतिनिधि मौके पर जाकर फसल कटाई प्रयोग अपने सामने कराते हैं। यहां भारत सरकार के सांख्यिकी विभाग के प्रतिनिधि कुलदीप सिंह, गन्ना विकास निरीक्षक राकेश कुमार, सचिव प्रभारी सुरेंद्र सिंह, प्रचार प्रभारी राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार डंपर ने तोड़ी शहीद चौक की रेलिंग

काशीपुर : तेज रफ्तार डंपर ने शहीद चौक पर लगी रेलिंग तोड़ दी। गुरुवार की देर रात तेज रफ्तार में आ रहे डंपर ने कुंडेश्वरी चौराहे पर बने शहीद चौक की दीवार की लोहे की रेलिंग तोड़ दी। गनीमत रही की डंपर अनियंत्रित हो पलटा नहीं, जिससे कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

जसपुर में सभासद हुए नाराज, धरने पर बैठे

जसपुर में नारेबाजी करते सभासद। ● अमृत विचार

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: नगर पालिका में नए साल के दिन सभासदों का पारा हाई हो गया। ईओ द्वारा सभासदों की कॉल रिसीव न करने एवं मान सम्मान न मिलने से नाराज सभासद नारेबाजी करते हुए ईओ दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए। करीब घंटे भर बाद पालिकाध्यक्ष की पहल पर ईओ द्वारा सभी को मान सम्मान देने के वादे एवं खेद प्रकट करने पर सभासद धरने से उठे।

गुरुवार को कुछ सभासद पालिकाध्यक्ष नौशाद सम्राट से मिले तथा ईओ द्वारा उन्हें मान सम्मान न देने एवं उनकी कॉल रिसीव नहीं करने की शिकायत की। सभासदों की शिकायत पर अध्यक्ष ने ईओ को अपने कक्ष में बुलाकर वार्ता करानी चाही तो ईओ नहीं आए। इससे सभासद नाराज हो गए। उन्होंने ईओ कक्ष के सामने ही धरना शुरू कर दिया तथा नारेबाजी करने लगे। करीब एक घंटे तक धरना देने के बाद पालिकाध्यक्ष ने सभासदों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन वह नहीं माने। अध्यक्ष ने ईओ से बातचीत कर उन्हें सभासदों के धरने पर लेकर पहुंचे। सभासदों ने ईओ को सम्मान न देने पर खरी खरी सुनाई। बाद में ईओ द्वारा सम्मान देने के भरोसे पर सभासद धरने से उठ गए।

सभासदों से वार्ता के बाद मामला निपट गया है। कुछ गलतफहमियां थीं, उन्हें दूर कर लिया गया है।

-उदयवीर सिंह ईओ

सभासदों और ईओ के बीच मान सम्मान को लेकर मनमुटाव था। ईओ द्वारा सभासदों को भरोसा दिलाने पर उन्होंने धरना समाप्त कर दिया है।

-नौशाद सम्राट, अध्यक्ष।

जमीन के नाम पर 24.70 लाख ठगे

काशीपुर: जमीन का सौदा कर पूरी रकम हड़पने और बैनामा न करने के मामले में पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। मुरादाबाद निवासी महेंद्र सिंह ने तहरीर में बताया कि आरोपियों ने उन्हें सरवरखेड़ा में जमीन दिखाई और 24 लाख 70 हजार रुपये में सौदा तय किया।महेंद्र ने वर्ष 2020 में तय रकम का भुगतान कर दिया, लेकिन आरोपी बैनामा करने में टालमटोल करते रहे। आरोप है कि मार्च 2025 में दोबारा कहने पर आरोपियों ने जमीन देने से मना कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पंकज त्यागी, अंकित, जगरूप, रमेश, आकाश और पवन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

9.370 किलोग्राम गांजा के साथ एक गिरफ्तार

काशीपुर : कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को 9.370 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। बुधवार की रात प्रतापपुर चौकी प्रभारी एसआई सौरभ कुमार भारती पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। टीम जब एसआरएफ के पीछे रेलवे लाइन के किनारे पहुंची। तब उनको करन निवासी शांति नगर बाइक पर आता दिखाई दिया। रोकने की कोशिश की तो तब वह भागने लगा। इस पर टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। टीम को उसके कब्जे से 9.370 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

108 कुण्डीय चतुर्वेद महायज्ञ का हुआ

काशीपुर : शिवालिक होली माउंट एकेडमी में 108 कुण्डीय चतुर्वेद महायज्ञ का आयोजन किया गया। गुरुवार को शिवालिक नगर, नीझड़ा स्थित स्कूल में स्वामी रामदेव महाराज के आशीर्वाद से महिला पतंजलि योग समिति ने 108 अखंड सुंदर कांड पाठ की पूर्णाहुति पर 108 कुण्डीय चतुर्वेद महायज्ञ का आयोजन किया। इस आयोजन में हजारों भक्तों ने भाग लिया। नजीबाबाद गुरुकुल से वेदपाठी यज्ञ वर्मा और उनके 11 शिष्यों ने चारों वेद के 400 श्लोक पढ़े। समिति की राज्य कार्यकारिणी सदस्य कमला रिखाड़ी द्वारा आयोजन सफल रहा। विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक बसंत बल्लभ भट्ट, प्रधानाचार्य कबीन्द्र सिंह डसीला का भी कार्यक्रम में सहयोग रहा। वहां पर योग समिति की राज्य प्रभारी सीमा जौहर, शोभा रावत, कुसुम राय आदि मौजूद रहीं।

स्वयंसेवकों ने स्वच्छता रैली निकाली

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में स्वच्छता रैली निकालते स्वयं सेवक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कटोरातात स्थित राजकीय नवीन उच्च प्राथमिक विद्यालय में उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज के तत्वावधान में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन स्वयं सेवकों ने वार्ड 31 में स्वच्छता अभियान के तहत रैली निकाल कर वार्ड वासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

उन्होंने नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर घूम रहीं गाड़ियों में कूड़ा डालने के लिए आह्वान किया। उधर बौद्धिक सत्र के दौरान मुख्य वक्ता सहायक नगर आयुक्त विनोद लाल साह ने स्वयं सेवकों से कहा कि व्यक्ति समाज और देश को स्वस्थ और बेहतर बनाने के लिए स्वच्छता बेहद जरूरी है। शारीरिक, मानसिक और पर्यावरण की दृष्टि से स्वच्छता मन मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। इसे हमें अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। साथ ही उन्होंने स्वयं सेवकों के माध्यम से अपने घरों, आसपास तथा सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा कचरा न डालने का लोगों से आह्वान किया। वहीं विशिष्ट अतिथि सफाई निरीक्षक मनोज बिष्ट ने विभिन्न प्रकार के कूड़ेदानों में किस किस प्रकार के जैव और अजैव अपशिष्ट पदार्थों को रखने और उसके उचित प्रबंधन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी दीपक शर्मा, प्रवक्ता कौशलेश गुप्ता, शुभम लोहनी, दिनेश गोस्वामी मौजूद रहे।

धान के भुगतान की मांग को लेकर चल रहा किसानों का धरना समाप्त

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: धान के भुगतान की मांग को लेकर चल रहा किसानों का धरना समाप्त हो गया। समिति के द्वारा छह हजार कुंतल धान को पोर्टल पर चढ़ाकर किसानों का भुगतान कराया जाएगा। शेष धान को भी जल्द पोर्टल में चढ़ाने का आश्वासन दिया गया।

बता दें कि क्रय-विक्रय सहकारी समिति कार्यालय के बाहर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) से जुड़े किसानों का धरना बीते सोमवार से चल रहा था। किसान धान को पोर्टल पर चढ़ाकर भुगतान की मांग कर रहे थे। किसानों का कहना था बीते अक्तूबर में तौल केंद्र पर तौले गए धान को अभी तक पोर्टल पर नहीं चढ़ाया गया है। इसके चलते किसानों का 12 हजार क्विंटल धान का भुगतान अब तक नहीं हो सका है। किसानों की इस समस्या को लेकर बीते मंगलवार की रात से बुधवार दिनभर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने आंदोलनरत किसानों से वार्ता की, लेकिन कोई हल नहीं निकला। इसके बाद बुधवार रात को खाद्य विभाग की रीजनल मार्केटिंग ऑफिसर लता मिश्रा, एसएमओ दिनेश चंद्र, एडीओ सोसायटी संजय मयाल, समिति के लेखाकार राजकुमार सिंह ने धरना स्थल पर पहुंचकर किसानों से वार्ता की। एसएमओ ने बताया गया कि पोर्टल पर धान अपलोड करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर तक थी। जिसके कारण काफी लंबे दौर की बात के बाद बुधवार रात में ही किसानों का लगभग 12 हजार क्विंटल धान में से छह हजार क्विंटल धान को रात 12 बजे तक पोर्टल पर अपलोड किया गया। अभी 6 हजार कुंतल शेष धान बच गया। जिसके संबंध में किसानों व राइस मिलर्स से वार्ता कर समाधान निकाला जाएगा। इस दौरान भाकियू युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह जीतू, मनप्रीत सिंह, हरदेव सिंह हेरी, उदित शर्मा, अवनीश बेदी, प्रताप विर्क आदि मौजूद रहे।

मुर्गा झपट में बच्चों ने दिखाया दम

संवाददाता, बाजपुर

रिवरडेल स्कूल में प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को पुरस्कृत करते खंड शिक्षाधिकारी।

अमृत विचार: ब्लॉक स्तरीय खेल महाकुंभ (विधायक चैंपियनशिप ट्रॉफी) के तीसरे दिन गुरुवार को रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल बाजपुर में वॉलीबॉल एवं मुर्गा झपट प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

अंडर-14 (बालक वर्ग) वॉलीबॉल में जीनियस ग्लोबल स्कूल (न्याय पंचायत चकरपुर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सेंट निला कार्मेल स्कूल कोसी कांटा (न्याय पंचायत सरकड़ा) की टीम द्वितीय स्थान पर रही। मुर्गा झपट 35 किग्रा वर्ग में विकास, 44 किग्रा वर्ग में गुरमुख और 47 किग्रा वर्ग में अजय सिंह ने पहला स्थान हासिल किया। अंडर-14 (बालिका वर्ग) मुर्गा झपट की 31 किग्रा वर्ग में शिखा, 34 किग्रा में पलक, 37 किग्रा में रिंकी और 40 किग्रा में अदीबा प्रथम रहीं। अंडर-19 (बालक वर्ग) के वॉलीबॉल मुकाबलों में न्याय पंचायत चकरपुर विजेता और न्याय पंचायत सरकड़ा उपविजेता रही। अंडर-19 (बालिका वर्ग) में सेंट मैरी स्कूल बाजपुर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया। न्याय पंचायत चकरपुर की टीम संपूर्ण वर्ग में विजेता रही। विजेता खिलाड़ी अब जिला स्तरीय खेल महाकुंभ में प्रतिभाग करेंगे। विजेताओं को प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी सत्येंद्र सिंह यादव एवं क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अंशु देवी ने सम्मानित किया।

सीएम के गांव में मना थर्टी फर्स्ट

- वन देवी के मंदिर में नशा मुक्ति का संदेश दिया
- मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए जिपंस ने की दो लाख की घोषणा

संवाददाता, खटीमा

नगला तराई में वन देवी मंदिर में आरती करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की नशा मुक्त उत्तराखंड की पहल के तहत नगला तराई में थर्टी फर्स्ट का कार्यक्रम गांव वासियों ने वन देवी मंदिर में सादगीपूर्ण तरीके से मनाया और युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

जिला पंचायत सदस्य सागर सिंह धामी ने मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए जिला पंचायत से दो लाख की धनराशि देने की घोषणा की। सूखापुल गांव के पास वन देवी मां के मंदिर में बुधवार को थर्टी फर्स्ट के अवसर पर नगला तराई, सुखापुल, दमगड़ा, कालापुल, चौड़ापानी आदि गांवों के सैकड़ों ग्रामीणों ने पूजा अर्चना की। ग्रामीणों ने मंदिर में दूध व खीर का भोग लगाया। पशु पालकों ने वन देवी मां से वन्यजीवों से उनके दुधारू पशुओं की रक्षा की प्रार्थना की। शास्त्री दिगंबर कलौनी ने मंदिर में हवन यज्ञ और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर देवेंद्र सिंह, बहादुर सिंह रुमाल, शमशेर सिंह, मोहन सिंह, सरस्वती देवी, सुनील कठायत, हरीश रुमाल आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण मित्रों को बांटे गरम कपड़े

खटीमा: लायंस क्लब खटीमा सिटी के सौजन्य से ठिठुरन भरी ठंड से निजात के लिए नगर पालिका के पर्यावरण मित्रों को टोपी, गमछे व दस्ताने आदि वितरित किए गए। पालिकाध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी रामू की पहल पर क्लब द्वारा 106 से अधिक पर्यावरण मित्रों को गर्म वस्त्र बांटे। पालिकाध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में गर्म मफलर, टोपी, दस्ताने आदि वितरण किया गया। क्लब अध्यक्ष हरमीक सिंह ने कहा कि उनका प्रयास समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। कार्यक्रम में ईओ प्रियंका आर्य, सचिव विवेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राहुल कंचन, गुरपाल सिंह खिंडा, रोहित छाबड़ा, राज कुमार गुंबर, जतिन बत्रा, सुरेंद्र मौर्य मौजूद रहे।

आस्था | बोले सो निहाल सतश्री अकाल से गुंजायमान हुआ वातावरण, सुख समृद्धि के लिए अरदास की

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में बाजपुर में निकाली गई भव्य प्रभातफेरी

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर में भजन-कीर्तन करती संगत। ● अमृत विचार

अमृत विचार: दशम पिता गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाश पर्व को समर्पित प्रभातफेरी गुरुवार को गुरुद्वारा साहिब से शुरू होकर मुख्य मार्ग से होते हुए एक्सिस बैंक वाली गली में स्थित हरदयाल सिंह के आवास पर पहुंची। जहां भजन-कीर्तन करते हुए संगत ने- "चौह पुत्रां दा दानी ना कोई होया ना कोई होए...", "बोल संगते जैकारा बाजा वाले दा...", "बोले सो निहाल सतश्री अकाल..." आदि का गायन किया। इसके उपरांत हेड ग्रंथी ज्ञानी इकबाल सिंह द्वारा गुरु चरणों में सुख-समृद्धि की अरदास की गई। ज्ञानी इकबाल सिंह ने कहा कि दुनिया के इतिहास में चार बेटों को बलिदान करने वाला न कोई बलिदानी हुआ है और न ही कोई होगा। इस मौके पर रंजीत सिंह, सरताज सिंह सैनी, सुखविंदर कौर, कृष्णा कौर, सुदेश कौर, प्रांशु मैनी, वीर सिंह, अर्शदीप सिंह आदि मौजूद रहे। वहीं दो जनवरी को एक्सिस बैंक की गली में जसपाल सिंह कल्सी, तीन जनवरी को सूद कॉलोनी में हरपिंदर सिंह सहोता, चार जनवरी को हरि सिंह नलवा अखाड़ा द्वारा प्रभातफेरी निकाली जाएगी। पांच जनवरी को विशाल नगर कीर्तन निकलेगा।

गुरु तेग बहादुर की शहादत पर भव्य नगर कीर्तन निकाला

किच्छा : श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज और उनके अनन्य बलिदानियों की शहादत की 350वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा सिंह सभा द्वारा विशाल नगर कीर्तन निकाला गया। पुरानी गल्ला मंडी स्थित गुरुद्वारा परिसर से विधायक तिलक राज बेहड़ ने हरी झंडी दिखाकर नगर कीर्तन को रवाना किया। फूलों से सजी भव्य पालकी साहिब और पंच प्यारों की अगुवाई में यह नगर कीर्तन मुख्य बाजार, दीनदयाल चौक होते हुए लालपुर, तुलसी द्वार, मलसा, चकोनी और दरऊ समेत दर्जनभर ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचा।पूरा वातावरण "बोले सो निहाल-सत श्री अकाल" के उद्घोषों और गुरुभक्ति के रंग में सराबोर रहा। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा और प्रसाद वितरण कर नगर कीर्तन का जोरदार स्वागत किया। मुख्य सेवादार बाबा गुरजंट सिंह की उपस्थिति में विशेष धार्मिक दीवान सजाया गया। कार्यक्रम का संचालन निर्मल सिंह हंसपाल और जगरूप सिंह गोल्डी ने किया। मौके पर गुरुद्वारा कमेटी प्रधान देवेंद्र सिंह मंड, कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, महिला नेत्री सुनीता कश्यप, ओमप्रकाश दुआ, संदीप अरोड़ा, करमवीर सिंह रंधावा, गुरजस सिंह आदि मौजूद रहे।

नगर कीर्तन की अगुवाई करते पंज प्यारे। ● अमृत विचार

800 जरूरतमंदों को बांटी गई रजाई और कंबल

बाजपुर : गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाश पर्व को समर्पित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्व प्रदेश गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में नयागांव स्थित ढिल्लों फार्म में बढ़ती ठंड को देखते हुए रजाइयों, कंबलों एवं भोजन का विशाल लंगर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आठ सौ से अधिक जरूरतमंद लोगों को रजाइयां-कंबल भेंट किए गए, वहीं हजारों लोगों ने गुरु का लंगर ग्रहण किया। सर्व प्रदेश गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लों ने कहा कि सिख पंथ की मर्यादा सदैव सेवा, त्याग और मानवता की भलाई के लिए तत्पर रहने की रही है। उन्होंने कहा कि सिख इतिहास त्याग और बलिदान की महान परंपरा से भरा है। नववर्ष के अवसर पर निर्धन परिवारों के घरों में खुशियां पहुंचाने के उद्देश्य से यह सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में पहुंचे कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करण मेहरा ने कहा कि निस्वार्थ सेवा का भाव सिख पंथ की सबसे बड़ी पहचान है। कार्यक्रम में हाजी अमीर अहमद, अब्दुल्ला, राधे सैनी, कमलजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाटू श्याम मंदिर में भक्तिमय संकीर्तन हुआ

बाजपुर : अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम बाबा मंदिर में नववर्ष की पूर्व संध्या पर बुधवार रात भव्य श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। भजन संध्या के दौरान मंदिर परिसर देर रात तक भक्ति रस में डूबा रहा। महोत्सव में मुरादाबाद से पहुंचे भजन गायक नागेंद्र सूर्यवंशी, काशीपुर से आईं दिशु श्यामा और दिनेशपुर के पवन सावरिया ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। बाजपुर के भजन गायक दीपक जलवा ने भी भजनों के माध्यम से भक्तिमय माहौल को सजीव कर दिया। गुरुवार को भी मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। इस मौके पर प्रमुख समाजसेवी अरुण शर्मा, जगतार सिंह बाजवा, भाजपा नेता राजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

कांग्रेस महिला ब्लॉक अध्यक्ष के पति का निधन

रानीखेत : ताड़ीखेत की महिला ब्लॉक अध्यक्ष गीता सजवान के पति महिपाल सिंह सजवान का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। उनके निधन पर कांग्रेसियों ने दुख व्यक्त किया। यहां आयोजित शोक सभा में कहा कि कांग्रेस परिवार के सभी सदस्य इस दु:खद घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ खड़े हैं। उनके निधन पर उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि महिपाल सिंह सजवान का निधन अत्यंत दु:खद है। मेरी संवेदना शोकाकुल परिवार के साथ हैं। उनके निधन पर जिला, ब्लॉक, नगर कांग्रेस कमेटी ने गहरा शोक व्यक्त किया। पीसीसी सदस्य कैलाश पांडे, नगर अध्यक्ष उमेश भट्ट, पुर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह देव, कार्डीनेटर कुल्दीप कुमार, महिला जिलाध्यक्ष गिता पवार महिला नगर अध्यक्ष नेहा माहरा, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज जोशी, मीडिया प्रभारी सोनू सिद्दीकी, दीप उपाध्याय, विजयी तिवाड़ी, हरिश मनराल, दीपक मेहरा, अगस्त लाल साह, विश्व विजय सिंह माहरा, चंदन बिष्ट, दिनेश बिष्ट, पुष्कर नेगी, हेमन्त ने शोक व्यक्त किया।

घर से लापता हुई किशोरी, गुमशुदगी दर्ज

टनकपुर : बुधवार की शाम घर से बाजार को निकली एक किशोरी लापता हो गई। कोतवाल चेतन सिंह रावत ने बताया कि नगर निवासी एक महिला ने तहरीर देकर बताया है कि उसकी 17 वर्षीय बेटी बुधवार की शाम को घर से बिना बताए कहीं चली गई। काफी खोजबीन के बाद भी उसका सुराग नहीं लग रहा है। बताया कि तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। किशोरी की खोजबीन शुरू कर दी गई है। जल्द सुराग लगा लिया जाएगा।

आउटसोर्स कर्मियों की वेतन भुगतान की मांग

अल्मोड़ा : वेतन भुगतान समेत तमाम समस्याओं के निदान को स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्स कर्मी मुखर हो गए है। गुरुवार को आउटसोर्स कर्मियों ने सीएमओ को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जल्द वेतन भुगतान की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा कि स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्स कार्मिकों को बीते तीन माह से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। जिससे उनको आर्थिक परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। कहा कि पूर्व में भी वेतन को लेकर अधिकारियों से वार्ता की गई, लेकिन समस्या का समाधान अब तक नहीं किया गया। जिससे कार्मिकों को भारी रोष व्याप्त है।

महिला की मौत के बाद ग्रामीणों का भड़का आक्रोश, किया चक्काजाम

आक्रोशित ग्रामीणों ने मोहान-रानीखेत-खैरना स्टेट हाइवे जाम किया

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: विकासखंड सल्ट के खाल्यों क्यारी में गुलदार हमले में महिला की मौत के बाद ग्रामीणों में आक्रोश भड़क गया है। गुरुवार को आक्रोशित ग्रामीण सड़क पर उतर आए। इस दौरान मोहान-रानीखेत स्टेट हाइवे में तीन घंटे जाम लगाकर उचित मुआवजा देने और आश्रित को नौकरी देने की मांग पर अड़े रहे। बाद में डीएफओ सहित प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोगों का गुस्सा शांत हुआ।

दरअसल, ग्राम पंचायत खाल्यों क्यारी निवासी 60 वर्षीय बचुली देवी पत्नी खुशाल सिंह बुधवार शाम करीब तीन बजे चारा लेने जंगल गई थी। लेकिन देर शाम तक महिला वापस घर नहीं लौटी। जिसके बाद परिजनों ने जंगल में महिला की तलाश की। इस दौरान जंगल में बचुली देवी का शव बरामद हुआ। शव की स्थिति से साफ था कि बचुली देवी को गुलदार ने अपना निवाला बनाया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने देर रात हाईवे जाम कर दिया। हालांकि विभाग ने मुआवजे की घोषणा कर दी थी। इधर, गुरुवार को फिर से आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर दिया।

मोहान-रानीखेत-खैरना स्टेट हाइवे पर जाम लगाते ग्रामीण। ● अमृत विचार

आश्रित को संविदा पर नौकरी पर बनी सहमति

सल्ट में ग्रामीणों के आक्रोश के बाद वन विभाग व प्रशासन के बीच कई मांगों पर सहमति बनी। वहीं, मौके पर पीड़ित परिवार को छह लाख रुपये का चेक दिया गया। साथ ही मृतका के आश्रित को संविदा में नौकरी देने पर भी सहमति बनी। क्षेत्र में घटना के बाद वन विभाग की टीम ने पिंजरा लगाने के साथ ही जगह-जगह ट्रैप कैमरे लगाए हैं। वहीं, लोगों से एतिहात बरतने की अपील की जा रही है।

ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलते ही मौके पर डीएफओ समेत अन्य अधिकारी पहुंचे। अधिकारियों के काफी देर समझाने के बाद ग्रामीण के माने। जिसके बाद हाइवे में आवाजाही शुरू हो सकी।

झिरौली से लापता व्यक्ति का बिनसर में मिला शव

अल्मोड़ा: बिनसर के घने जंगल क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति का आधा शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और जिला प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई और मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है। वन क्षेत्राधिकारी मनोज सनवाल ने बताया कि छानबीन के दौरान जंगल में पड़ी पेंट की जेब से मिले फोन नंबर से शव की शिनाख्त बागेश्वर की काफलीगैर तहसील के झिरौली निवासी 55 वर्षीय गोविंद लाल पुत्र दीवान राम के रूप में हुई।

बताया कि मृतक बीते 10 अक्टूबर से लापता चल रहा था। परिजनों ने कपड़ों से मृतक की शिनाख्त की। वहीं, घटना के बाद से स्थानीय ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से जंगल की ओर न जाने की अपील की है। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि शव को किसी जंगली जानवर ने नुकसान पहुंचाया हो। वन विभाग और पुलिस टीम के जांच में जुटे हुए हैं।

साल के पहले दिन मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

गुरुवार को नये साल के पहले दिन जागेश्वर धाम में उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: साल 2025 को विदाई देने के बाद पहली जनवरी को अल्मोड़ा के मंदिरों में श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा। इस दौरान लोगों ने मंदिरों में शीश नवाकर साल के पहले दिन की शुरूआत की। शिव नगरी जागेश्वर धाम, विश्व प्रसिद्ध चितई मंदिर समेत अन्य मंदिरों में दर्शन के लिये श्रद्धालुओं की कतार रही।

इसके अलावा नगर के नंदा देवी, रघुनाथ मंदिर, त्रिपुरा मंदिर, मुरलीमनोहर बद्रीनाथ, बद्रेश्वर, देवी मंदिर खत्याड़ी चितई आदि मंदिरों में भी पूजा अर्चना के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। लोगों ने मंदिरों में पूजा पाठ कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। पूरे दिन नगर के मंदिरों में भी लोगों का आना लगा रहा। नये साल के उपलक्ष्य पर गुरुवार को धौलछीना स्थित विमल कोट देवी मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

जागेश्वर पहुंचे श्रद्धालु

नये साल के मौके पर जागेश्वर मंदिर में भी लोग पूजा अर्चना को पहुंचे। सुबह आठ बजे से ही मंदिर में लोगों की भीड़ लग गई। दोपहर तक काफी संख्या में लोग मंदिर में पूजा अर्चना को पहुंचे। लोगों की अधिक भीड़ के चलते मंदिर कमेटी ने लोगों को लाइन में लगाकर मंदिर दर्शन कराये।

शारदा घाट के लिए 107.35 करोड़ और पूर्णागिरि मंदिर को 5.34 करोड़ स्वीकृति

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में शारदा घाट पुनर्विकास परियोजना को 107.35 करोड़ की स्वीकृति जनपद चम्पावत के लिए एक ऐतिहासिक पहल के रूप में उत्तराखंड निवेश एवं आधारभूत संरचना विकास बोर्ड के अंतर्गत प्रस्तावित शारदा घाट पुनर्विकास परियोजना को 107.35 करोड़ रुपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत कुल स्वीकृत धनराशि की 40 प्रतिशत राशि 42.94 करोड़ की प्रथम किश्त शासन द्वारा जारी कर दी गई है। परियोजना का निर्माण कार्य पीआईयू, सिंचाई विभाग द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

शारदा रिवरफ्रंट परियोजना के अंतर्गत पूर्णागिरि मंदिर एवं पहुंच मार्ग पर वन सूचना केंद्र, सहायक सुविधाओं का विकास एवं भीड़ प्रबंधन' कार्य के लिए शासन द्वारा 5.34 करोड़ रुपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।परियोजना के अंतर्गत प्रथम किश्त के रूप में 40 प्रतिशत धनराशि 2.136 करोड़ रुपये जारी की गई है। इस परियोजना के माध्यम से पूर्णागिरि मंदिर क्षेत्र में फॉरेस्ट इंफॉर्मेशन सेंटर, सहायक सुविधाओं का विकास, प्रभावी भीड़ प्रबंधन व्यवस्था तथा अप्रोच रोड का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा, जिससे लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुगम यात्रा सुविधा प्राप्त होगी। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि शारदा घाट पुनर्विकास परियोजना एवं पूर्णागिरि मंदिर विकास कार्य जनपद चम्पावत के लिए दूरगामी महत्व की योजनाएं हैं।

पदोन्नति होने पर किया सम्मानित

रानीखेत : बल मुख्यालय, दिल्ली के निर्देशानुसार सीमांत मुख्यालय में बलकार्मिक विनोद कुमार सैन, निरीक्षक (निजी सहायक) सुभाष निरीक्षक (निजी सहायक) नरेन्द्र उप-निरीक्षक (संचार) मन्जित कुमार उप-निरीक्षक (संचार) सेलेन्द्र सहा. उप-निरीक्षक (संचार) अनिल यादव सहा. उप-निरीक्षक (सामान्य) पद पर पदोन्नत किया गया।

इस उपलक्ष्य में परीक्षित बेहेरा (उप महानिरीक्षक), सीमांत रानीखेत के द्वारा कार्मिक को पदोन्नती अनुसार रैंक लगाकर शुभकामनाएं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए पद के अनुसार अपनी जिम्मेवारी को बखूबी निभाने तथा साथ ही बल का नाम रोशन करने के सुझाव दिए।

ग्राम सभा कनेरी में पूर्व दर्जा मंत्री कर्नाटक का स्वागत करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

चौपाल लगाकर ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

अल्मोड़ा, अमृत विचार : पूर्व दर्जा राज्य मंत्री बिट्टू कर्नाटक ने गुरुवार को ग्राम पंचायत कनेरी में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर कर्नाटक ने मौके पर सक्षम अधिकारियों से वार्ता कर समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में गैस का वाहन नहीं आने के कारण उनको काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। साथ ही ग्रामीणों ने पूर्व दर्जा राज्य मंत्री कर्नाटक को कई समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर कर्नाटक ने अधिकारियों से वार्ता कर समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य है कि केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की जो जनहितकारी योजनाएं हैं उसका लाभ लेने से कोई भी वंचित न रहे। यहां प्रधान नंदकिशोर उपाध्याय, क्षेत्र पंचायत सदस्य गोविंद सलाल, देवेंद्र कर्नाटक, सुरेश कांडपाल, हरीश चंद्र जोशी, भूपेंद्र सिंह भोज, रमेश जोशी, हयात सिंह बिष्ट, गौरव कांडपाल, सूरज सिंह मेहता, सूरज आदि रहे।

बंद घर में हुई चोरी का आरोपी दबोचा

अल्मोड़ा: घर का ताला तोड़ नगदी और जेवरात चोरी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी अनुसार बीते साल 18 दिसंबर को महेंद्र सिंह देवड़ी निवासी थपलिया अल्मोड़ा ने पुलिस को एक तहरीर सौंपी थी। तहरीर में कहा था कि 16 दिसंबर वह अपने परिवार के साथ नैणी पगांव गया था। 18 को पड़ोस में रहने वालों ने सूचना दी कि घर का ताला टूटा है। बताया कि जब वह कमरे में पहुंचा तो बक्से के अंदर रखे एक मंगलसूत्र समेत सोने के अन्य आभूषण व करीब 16 हजार नगदी नहीं मिली। सीसीटीवी की मदद से आरोपी संजय तिवारी निवासी नथनपुर, गौतमनगर जिला शिवान बिहार को बिहार से गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर सात ग्राम सोना व 4010 रुपये और दो कंबल भी बरामद किए।

ऊधमसिंह नगर

मेधावी विद्यार्थी की मां को सम्मानित करते विधायक भुवन कापड़ी। ● अमृत विचार

मेधावियों की माताएं हुईं सम्मानित

खटीमा, अमृत विचार : सरस्वती पब्लिक स्कूल छिनकी फॉर्म के 50 हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के मेधावी विद्यार्थियों की माताओं को कमला नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि उप नेता प्रतिपक्ष विधायक भुवन कापड़ी ने बधाई देते हुए हाई स्कूल के 38 तथा इंटर के 12 छात्र-छात्राओं की माताओं को चेक वितरित कर सम्मानित किया। विधायक कापड़ी ने शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए प्रबंध निदेशक परमजीत खनका और चेयरपर्सन विमला खनका को बधाई दी। प्रधानाचार्य धीरेन्द्र चौहान ने अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम में उमेश चन्द, विक्रम बुंगला, ईश्वरी दत्त पांडे, चंद्रकला रौतेला, बहादुर सिंह बोरा अध्यक्ष, नवनीत अरोरा, नरेश कॉलोनी, प्रकाश कापड़ी, उप प्रधानाचार्य बबीता भट्ट, संगीता जोशी, ममता खनका आदि थे।

इलेवन स्टार्स ने देवनगर व गौरव इलेवन ने इस्लामनगर को हराया

संवाददाता, शक्तिफार्म

अमृत विचार : राजकीय इंटर कालेज में आयोजित शक्तिफार्म प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले दौर के मुकाबले में इलेवन स्टार्स ने देवनगर को और गौरव इलेवन ने इस्लामनगर को हराया। स्टार्स इलेवन के मोनो बाइन और गौरव इलेवन के तारक तालुकदार को प्लेयर आफ दी मैच की ट्रॉफी दी गई।

बृहस्पतिवार को खेले गए पहले मैच में बल्लेबाजी करते हुए देवनगर इलेवन ने निर्धारित दस ओवरों में छह विकेट पर 95 रन बनाए। तरुण बिष्ट ने 34 और हर्ष पांडे ने 21 रन बनाए। संदीप ने दो विकेट झटके। जबाब में स्टार्स इलेवन ने दो गेंदे शेष रहते पांच विकेट से जीत दर्ज की। मोनो बाइन ने 31 और राकेश बिष्ट ने 24 रन बनाए।

दूसरे मैच में बल्लेबाजी करते हुए गौरव इलेवन ने योगी के 42 और तारक तालुकदार के 28 रनों की बदौलत पांच विकेट गंवाकर 128 रन बनाए। इस्लामनगर के अभिषेक ने तीन विकेट लिया। जवाब में इस्लामनगर की टीम आठ विकेट खोकर 121 रन ही बना सकी। कप्तान शाहरुख ने 51 रनों की पारी खेली। गौरव इलेवन के सतीश, राशिद और प्रभात ने दो-दो विकेट चटकाए। मैच में नरेश राय और प्रशांत अंपायर, विक्रम सिंह और जयंत मंडल कमेंट्रेटर, सुजीत सरकार स्कोरर रहे।

शक्तिफार्म प्रीमियर लीग मैच में शॉट लगाता बल्लेबाज। ● अमृत विचार

20 कुमाऊं का मना स्थापना दिवस

खटीमा: पूर्व सैनिकों द्वारा 20 कुमाऊं रेजिमेंट का 46वां स्थापना दिवस रंगारंग कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सूबेदार मेजर रुद्र सिंह के नेतृत्व में दीप प्रज्ज्वलन के साथ अमाऊं स्थित एक प्रतिष्ठान के सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कल्याण सिंह भंडारी ने 20 कुमाऊं रेजिमेंट के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस रेजिमेंट का भारतीय सेना में अहम योगदान रहा है। कारगिल युद्ध के दौरान पठान कोट क्षेत्र में 20 कुमाऊं रेजिमेंट के जवान तैनात रहे। इस अवसर पर हरीश धामी, श्याम सिंह, नारायण चंद, गणेश ज्याला, दीपक चंद, टिकेंद्र सिंह, इंद्र सिंह, चंद्र सिंह, मोहन सिंह, रामा प्रसाद, नरेंद्र चंद, हरेंद्र भट्ट, बॉबी, किशन धामी मौजूद रहे।

खटीमा में 18 कुमाऊं के स्वर्ण जयंती समारोह में उपस्थित पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

18 कुमाऊं का स्वर्ण जयंती समारोह मनाया

खटीमा, अमृत विचार : 18 कुमाऊं के स्वर्ण जयंती समारोह धूमधाम के साथ सांस्कृतिक गीतों के साथ धूमधाम से मनाया गया। पूर्व सैनिकों ने पुरानी यादों को साझा किया। अमाऊं के एक निजी प्रतिष्ठान में जोहार सिंह कन्याल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष गंभीर सिंह धामी ने किया। उन्होंने 18 कुमाऊं के 1830 के बाद के इतिहास को पूर्व सैनिकों के समक्ष रखा। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने पुरानी यादों को भी साझा किया। दौरान अध्यक्ष जोहार सिंह, नारायण सिंह और बहादुर सिंह ने कई सुझाव दिए। संचालन मनोहर सिंह मेहरा ने किया। इस अवसर पर प्रेम सिंह, राम सिंह धामी, करम सिंह, नारायण चंद, चंचल सिंह ज्याला, श्याम चन मेहरा, शमशेर चंद, चंद्रशेखर चंद, प्रहलाद सिंह बिष्ट, लाल सिंह दसौनी, राजेंद्र सिंह, गोपाल सिंह, दीवानी चंद, बिक्रम चंद आदि मौजूद रहे।

मवेशी से टकराया बाइक सवार, मौत

शक्तिफार्म: सड़क पर आवारा मवेशी से टकराकर बाइक सवार

युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है।

31 दिसंबर की रात्रि लगभग 10:30 बजे, 20 क्वार्टर निवासी राजेश मिस्त्री (27) पुत्र फणींद्र मिस्त्री अपने मित्र गोविंद नगर निवासी, उज्जवल को छोड़ने उसके घर जा रहे थे। तभी, टैगोर नगर तीन पानी के निकट सड़क पर विचरण करते मवेशी के साथ उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। मौके पर ही मवेशी की मृत्यु हो गई, वहीं दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवकों को बरेली राममूर्ति अस्पताल ले जाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने 20 क्वार्टर निवासी राजेश मिस्त्री को मृत घोषित कर दिया।

खटीमा में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते शिवसेना और भवानी सेना के लोग।

हिन्दुओं पर हो रह रहे अत्याचार पर आक्रोश

खटीमा, अमृत विचार : बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में शिवसेना व भवानी सेवा के कार्यकर्ताओं ने आक्रोश व्यक्त किया है। हिन्दूवादी संगठनों ने देश के प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेज कर बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अमानवीय कृत्य से सख्त कार्रवाई की मांग की है। तहसीलदार वीरेन्द्र सिंह सजवाण को सौंपे ज्ञापन में शिव एवं भवानी सेवा के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रही अत्याचार, महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार एवं जिंदा जलाने की घटनाओं के प्रति आक्रोश व्यक्त किया है। ज्ञापन में प्रधानमंत्री से तत्काल सैन्य कार्यवाही कर हिन्दू परिवारों को सुरक्षा दिलाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में विक्रम सिंह बिष्ट, राजकुमार गुप्ता, शोभित कठेरिया, विजय कुमार, मोहनलाल, महेंद्र सिंह राणा, राम प्रवेश, राम कुमारी वर्मा, छेद लाल, किरण सैनी, राधा देवी, संध्या चौहान, अंकित भारती, विशाल सैनी, आयुष सक्सेना, रोहित, राजकुमार, निक्कू आदि मौजूद थे।

पिता ने बेटी से किया दुष्कर्म का प्रयास

सितारगंज : सितारगंज में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता पर अपनी ही 11 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगा है। पीड़िता की मां द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, वह पति से अलग रहती है और बच्चे नानी के घर रहते थे। चार माह पूर्व पति बच्चों को अपने घर ले गया था।

आरोप है कि 30 दिसंबर की रात पिता ने बेटी के साथ जबरदस्ती की। बालिका ने पड़ोस की महिला के फोन से मां को आपबीती सुनाई। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि आरोपी पिता के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की विवेचना की जा रही है। पुलिस पीड़ित बालिका के बयान दर्ज करने की तैयारी कर रही है।

शिवालिक हाउस बना चैंपियन

खटीमा में अलक्ष्या पब्लिक स्कूल के वार्षिक खेलों के चैंपियन शिवालिक वारियर्स। ● अमृत विचार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: अलक्ष्या पब्लिक स्कूल के वार्षिक खेल समारोह का भव्य समापन हुआ, जिसमें शिवालिक वारियर्स ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने मशाल प्रज्वलित कर किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने आकर्षक मार्च पास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिताओं में अगमजोत, कुशल, मृणाली और राशि भंडारी ने विभिन्न दौड़ स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। शिवालिक हाउस प्रथम और हार्ड रॉक हाउस दूसरे स्थान पर रहा। प्रबंध निदेशक मधुसूदन दास गोस्वामी और प्रधानाचार्य अजय बोहरा ने विजेताओं को पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर दीपा बिष्ट, हरीश खोलिया, सीमा भट्ट, दीपक भट्ट, संदीप कुशवाहा, जगदीश सावंत, दिनेश चिलकोटी, अमर चंद, महेंद्र धामी, दीक्षा कन्याल, पवनेश किरण, दीक्षा देउपा, गणेश तिवारी आदि उपस्थित रहे।

छह लोगों के खोए फोन वापस मिले

सितारगंज: कोतवाली पुलिस टीम ने कोतवाल सुंदरम शर्मा के नेतृत्व में सराहनीय कार्य करते हुए लंबे समय से गुम हुए क्षेत्रवासियों के छह मोबाइल फोन ढूंढकर उनके वास्तविक स्वामियों को वापस किए।

मोबाइल फोन वापस मिलने पर सभी लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने इस सराहनीय पहल के लिए कोतवाली पुलिस और कोतवाल सुंदरम शर्मा का आभार जताया।

कोतवाल सुंदरम शर्मा ने बताया कि आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कोतवाली पुलिस लगातार प्रयासरत है। गुमशुदा मोबाइलों की तलाश के लिए संबंधित तकनीकी माध्यमों की सहायता ली गई। जिसके परिणाम स्वरूप छह मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को सौंपे गए।

अमृत विचार

शुक्रवार, 2 जनवरी 2026

अगर आपका मन साफ और पवित्र है, तो वही सबसे बड़ा तीर्थ है।
–संत रविदास

सफलता भरी शुरुआत

भारत के रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र ने नव वर्ष का आरंभ उपलब्धियां हासिल करके की हैं, ये मात्र तकनीकी सफलताएं नहीं, बल्कि देश की बदलती सामरिक सोच और आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत हैं। एक ओर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइलें दागकर अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने छोटे उपग्रह प्रक्षेपण के तीसरे चरण का सफल जमीनी परीक्षण कर अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई। रक्षा और अंतरिक्ष—दोनों मोर्चों पर यह साल का समापन भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रलय मिसाइल को एक ही लॉन्च में दो अलग-अलग लक्ष्यों पर सटीक प्रहार करने की क्षमता के कारण बेहद कारगर हथियार माना जा रहा है। इसकी अनुमानित रेंज 150 से 500 किलोमीटर के बीच है और यह उच्च सटीकता के साथ दुश्मन के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बना सकती है। युद्ध की स्थिति में 'डबल अटैक' क्षमता दुश्मन के एयरबेस, बंकरों, कमांड सेंटर और लॉजिस्टिक हब को एक साथ पंगु बनाने में निर्णायक साबित हो सकती है।

जब एक जगह पर हमला होता है और उसी समय दूसरे स्थान पर भी हो, तो दुश्मन को संभलने का मौका नहीं मिलता। यह तकनीक उसके प्रतिक्रिया समय को घटाती है और उसे रणनीति बनाने का अवसर नहीं देती। इस मिसाइल की यह खूबी इसे युद्ध की स्थिति में 'गेम चेंजर' बनाती है। प्रलय जो एक क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल है, यानी यह उड़ान के दौरान अपना रास्ता बदल सकती है और दुश्मन के रडार व एयर-डिफेंस सिस्टम को चकमा दे सकती है। चीन के पास डीएफ-सीरीज़ और पाकिस्तान के पास अब्दाली-नस्र जैसे हथियार हैं, लेकिन भारत की प्रलय आधुनिक युद्ध आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित स्वदेशी प्रणाली है। लिक्विड या तरल नोदक भरने में समय लगता है। इसमें ठोस ईंधन यानी सॉलिड प्रोपेलेंट का उपयोग इसे 'रेडी-टू-फायर' बनाता है, जिससे बहुत कम समय में लॉन्च संभव होता है। लांचिंग की यह तीव्रता और विशेष तकनीकी इंटरसेप्ट करना कठिन बनाती है और इसे विश्व की प्रभावशाली मिसाइल प्रणालियों की कतार में खड़ा करती है। हालिया परीक्षण संकेत देता है कि यह प्रणाली सेना के बेड़े में शामिल होने के लिये तैयार है, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों की सामरिक ताकत बढ़ जाएगी।

यह उपलब्धि भारत की रक्षा नीति में एक सूक्ष्म, लेकिन स्पष्ट बदलाव का संकेत भी देती है। अब केवल रक्षात्मक क्षमता नहीं, बल्कि सटीक और सीमित आक्रामक प्रतिरोध पर जोर है। इसी कड़ी में इसरो द्वारा एसएसएलवी के तीसरे चरण का जमीनी परीक्षण भविष्य के लिए अत्यंत अहम है। एसएसएलवी भारत को छोटे उपग्रहों के त्वरित और किफायती प्रक्षेपण में वैश्विक बाजार का बड़ा खिलाड़ी बना सकता है। रक्षा, संचार और आपदा प्रबंधन के लिए छोटे उपग्रहों की बढ़ती मांग को देखते हुए यह सफलता रणनीतिक भी है। नए वर्ष में डीआरडीओ से हाइपरसोनिक, ड्रोन-रोधी और उन्नत वायु-रक्षा प्रणालियों पर प्रगति की उम्मीद है, वहीं इसरो गगनयान, नए लॉन्च वाहनों और व्यावसायिक मिशनों में आगे बढ़ सकता है।

जब बेअसर हो जाए ग्रेप पाबंदी भी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

इसे स्वास्थ्य का आपातकाल कहा जा सकता है, 13 दिसंबर को ग्रेप-4 लागू हो गया, अर्थात अभी तक सांसों में जहर भरने के जो संभावित कारण कहे जाते थे, सभी पर सख्ती से पाबंदी, उसके बावजूद 31 दिसंबर की सुबह दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से पार था। जाहिर है कि या तो हम वायु प्रदूषण के असली कारणों का आकलन नहीं कर पा रहे या फिर ऐसे कड़े कदम उठाने से बच रहे हैं, जिससे हालात सुधारे जा सकें। बारीकी से देखें तो साफ होता है कि हमारा सारा ध्यान बढ़ गए प्रदूषण को काम करने में अधिक है, जबकि सारे तंत्र को प्रदूषण कम हो, इसके लिए काम करना होगा। दुर्भाग्य है कि सरकारी प्रक्रिया, ऊपर से नल खोल कर नीचे पोंछा लगा कर फर्श सुखाने की कवायद से अधिक नहीं है।

लगता है सब रस्म अदायगी है, दीवाली के साथ ही अदालत डांटने लगती है। सरकार विज्ञापन देने लगती है और अस्पतालों में बीमारों की भीड़ बढ़ जाती है। आंकड़ों कि बौछार होती है कि जहरीली हवा किस तरह सांस, दिल, हड्डी से ले कर मानसिक रोग तक का कारण बन रही है। हालांकि दिल्ली समग्र राजधानी क्षेत्र में बरसात के कुछ दिनों को छोड़ कर पूरे साल ही हवा में इतना जहर होता है कि न केवल इंसान की आयु रेखा छोटी होती है, बल्कि ढेर सारी बीमारियों के फेर में उसकी जेब में भी छेद होता है।

दिल्ली वायु प्रदूषण से निबटने के असफल प्रयोगों का स्मारक बन कर रह गई है। जैसे-जैसे इलाज तलाशते हैं मर्ज गहराता जाता है। समझ लें जब कोई कंटक 'सुरसा मुख' सा विशाल बन कर रास्ता रोके तो हनुमान को लघु रूप में ही उसका संहार करना होता है। सरकार बड़ी-बड़ी रिपोर्ट, वैज्ञानिक और मशीनों में हवा साफ करने का निदान तलाश रही है, जबकि असल में इससे पार पाने के लिए महज सशक्त इच्छा शक्ति ही चाहिए।

जिस दिन यह बात समझ आ जाएगी कि दिल्ली-एनसीआर को गैस चेंबर में तब्दील होने का सबसे बड़ा कारण सड़कों पर राज करते वाहन हैं और इसके पीछे यहां बढ़ती आबादी या दूरस्थ अंचलों से दिल्ली की तरफ हो रहे तेजी से पलायन है, समस्या के निदान का रास्ता खुल जाएगा। हम एक तरफ दिल्ली-एनसीआर का विस्तार करते जा रहे हैं, दूसरा, यहां नए-नए दफ्तर, उद्योग के लिए रास्ते खोल रहे हैं, तीसरा, बगैर मूलभूत सुविधा के सस्ते श्रम और मजबूरी के परिवहन की बस्तियां बढ़ा रहे हैं। फिर सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा संख्या से जाम लगता है, तो उत्सर्जित जहर और गहरा होता जाता है।

कोई दो दशक पहले दिल्ली को काले धुएं से निजात दिलवाने के लिए जिस सीएनजी को राम-बाण के रूप में स्थापित किया गया था, अब वही ईंधन से उपजी नाइट्रोजन ऑक्साइड सबसे अधिक प्रदूषण का कारक है। दिल्ली में कुल नाइट्रोजन ऑक्साइड प्रदूषण का लगभग 81% हिस्सा अकेले परिवहन क्षेत्र (वाहनों) से आता है। फिर सड़कों पर सम-विषम वाहन का प्रयोग हुआ। समर्थ लोगों ने दो-तीन गाड़ियां खरीद कर घर के बाहर जमा कर लीं। फिर वैज्ञानिकों ने भी बता दिया कि इसका कोई लाभ नहीं हुआ।

अगला साल था स्मॉग टॉवर के नाम। करोड़ों खर्च हुए। उसके 57 करोड़ के विज्ञापन छप गए, लेकिन कुछ ही महीनों में वे बेअसर कबाड़ बन गए। लाख मना करने के बावजूद दिल्ली पर नकली बरसात के प्रयोग पर खर्च किया गया। इस साल चुनिंदा सड़कों पर बिजली के खंभों पर पानी के फव्वारे लगा दिए गए। उनके संचालन की लागत का कोई हिसाब नहीं, लेकिन आंकड़े बानगी हैं कि जहर होती हवा पर इसका कोई खास असर नहीं है। अब वैज्ञानिकों की कमेटियां बन रही हैं, लेकिन समझना होगा कि वैज्ञानिक बढ़ रहे जहर से निजात के सुझाव दे सकते हैं, जबकि वास्तविक समस्या जहर बनने से रोकना या काम करना है।

आखिर इतने प्रयोग असफल क्यों होते हैं? इसे समझना कोई जटिल विज्ञान नहीं हैं। दिल्ली के सर्वाधिक जहरीले इलाके में से एक आनंद विहार रेलवे स्टेशन के सामने देखें। दिलशाद गार्डन की तरफ से कोई दो किलोमीटर लंबे फ्लाई ओवर से जब तेजी से आता ट्रैफिक, चार लेन की इस सड़क पर आता है, तो उनके लिए महज एक लेन बकाया रहती है। पटरी बाजार, तिपहिया, बैटरी रिक्शा और फिर बसें, सड़क पर ही डेरा डाले रहती हैं। फिर वहां एक वाहन पानी छिड़ता रहता है और वह यदि इस बची एक लेन में आ गया तो सारा यातायात ठप्प। समझ लें यह सब हर दिन के हजारों-लाखों की अवैध वसूली का परिणाम हैं कि यहां उपज रहे जहर के कारकों पर कोई हाथ नहीं डालता। दिल्ली के लगभग सभी मेट्रो स्टेशन के बाहर लगभग यही स्थिति रहती है।

दिल्ली में तो फिर भी कुछ कड़ाई है, लेकिन दिल्ली की सीमा से शून्य किलोमीटर दूर ज्ञानी बॉर्डर कहलाने वाली जीटी रोड पर सारे दिन कोई दस हजार ट्रक चलते रहते हैं। यहां सड़कें ही नहीं, पूरा आसमान धूल के गुबार से ढका रहता है। एम्स के आगे अरविंदो मार्ग पर गौतम नगर से ग्रीन पार्क तक सड़क पर ही अधिकृत पार्किंग की फीस वसूली जाती है। भले ही वाहनों के चलने के लिए सड़क बचे नहीं। रिंग रोड पर भीकाजी कामा पैलेस से सफदरजंग अस्पताल तक फ्लाई ओवर खत्म होते ही बस स्टैंड और हर बस का स्टैंड से कम से कम दस फुट दूर खड़ा होना पूरे दिन जाम उपजाता है।

बसंत कुंज में दो किलोमीटर के दायरे में कोई 45 स्कूल हैं, जहां बच्चे 300 से अधिक बसों और उससे दुगनी और तिगुनी निजी गाड़ियों से आते हैं। इन सभी स्कूल्स के खुलने और बंद होने का समय लगभग एक है। सो सुबह और दिन में कई-कई घंटे यहां यातायात की आपा-धापी आम बात है। यह थोड़े से उदाहरण हैं। गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद या गुरुग्राम में तो और बदतर हाल हैं। इस बार दिल्ली सरकार ने कार्यालयों के खुलने-बंद होने के समय में बदलाव का प्रयोग तो किया, लेकिन उसका वांछित प्रभाव दिखा नहीं।

31 दिसंबर की सुबह दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार था। जाहिर है कि या तो हम वायु प्रदूषण के असली कारणों का आकलन नहीं कर पा रहे या फिर ऐसे कड़े कदम उठाने से बच रहे हैं, जिससे हालात सुधारे जा सकें।

सोशल फोरम

बच्चों को चीजों की कीमत समझाने की जरूरत

बचपन में चित्रहार का इंतजार रहता था। पूरे सप्ताह दिन गिना करते थे। आज के ज़माने में, जब सब चीज़ें आपके मोबाइल और टीवी पर उपलब्ध हैं, तो किसी चीज़ का इंतजार करने की जरूरत ही नहीं रही, लेकिन उस इंतजार का एक अलग ही मज़ा था, उससे सीख भी मिलती थी और सहनशीलता (रेसिलिएंस) भी विकसित होती थी। पहले सब कुछ बहुत नेचुरल था। चीज़ें कम थीं, विकल्प बहुत ही सीमित थे, इसलिए ज़िंदगी बहुत ही सरल थी।

नीलेश गुप्ता
ब्लॉगर

डिप्रेशन, एंग्जायटी और मोटापा जैसी समस्याएं बच्चों में कभी देखने को नहीं मिलती थीं। आजकल हर चीज़ फिंगरटिप्स पर मौजूद है। यहां तक कि 10 मिनट डिलीवरी ऐप्स ने तो प्लानिंग की जरूरत भी खत्म कर दी है। जब चाहो, जहां चाहो, कुछ भी मंगवा सकते हो।

मोबाइल का असर सिर्फ मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर ही नहीं, बल्कि बच्चों की सामाजिक दक्षताओं (सोशल स्किल्स) पर भी पड़ रहा है। पहले शादी-पार्टियों में बच्चे आपस में बातें करते या छोटे-मोटे काम में मदद करते दिखते थे, लेकिन अब वे सिर्फ मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। कई जगहों पर तो टेबल पर पिता मोबाइल पकड़े होते हैं और मां बच्चे के मुंह में खाना ठूंस रही होती हैं, जबकि बच्चा बिना ध्यान दिए बस मोबाइल स्क्रीन देखे जा रहा होता है। उसे तो यह भी नहीं पता कि वह क्या खा रहा है!

कुछ दिन पहले एक परिचित का फ़ोन आया। उनकी पोस्टिंग बाहर थी और उनकी पत्नी बच्चे की पढ़ाई की वजह से कोटा में रुकी हुई थीं। वे पत्नी को कुछ दिनों के लिए अपनी पोस्टिंग वाली जगह बुलाना चाहते थे, लेकिन एक महीने के लिए बच्चे की पढ़ाई नहीं छुड़वा सकते थे। निर्णय लिया गया कि बच्चा एक महीने के लिए एक सेंटर में रहेगा। उस सेंटर ने लाइव CCTV एक्सेस माता-पिता को उपलब्ध करा रखा था। वे रोज़ अपने बच्चे को खाना खाते हुए देखते थे और बहुत खुश होते थे कि वह बिना मोबाइल देखे खाना खा रहा था। उनका कहना था कि उन्होंने अपने बच्चे को कभी बिना मोबाइल के खाते हुए नहीं देखा था! हमें तो इसका अंदाज़ा भी नहीं हुआ और न ही बच्चे ने कोई नखरे दिखाए।

जब सब चीज़ें बिना मांगे और बिना किसी प्रयास के मिलने लगती हैं, तो उनकी कद्र ही खत्म हो जाती है। तभी तो कहा जाता है- चाहे आपके पास कितना भी पैसा हो, बच्चों को थोड़ा अभाव में पालिए।

प्रसंगवश

हिंदी के दो लाख नए शब्द गढ़ने वाले आचार्य रघुवीर

वर्तमान समय में हिंदी की गणना विश्व की समृद्ध भाषाओं में की जाती है। हिंदी विश्व की सर्वाधिक बोली जाने बाली तीसरी भाषा बन गई है। आज हिंदी पूरे विश्व में पढ़ी और पढ़ाई जाती है। हिंदी भाषा को इस महत्वपूर्ण स्थान तक पहुंचाने के लिए हिंदी के अनेक भाषाविदों ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। आचार्य रघुवीर की गणना हिंदी के इन्ही अग्रणी विद्वानों और भाषाविदों में की जाती है। वे संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी के प्रकांड विद्वान थे।

संस्कृत भारत की ही नहीं, विश्व की समस्त भाषाओं की जननी है। इसे सप्रमाण सिद्ध करने वाले आचार्य रघुवीर की गणना संस्कृत और हिंदी के अग्रणी विद्वानों में की जाती है। उनका जन्म रावलपिंडी में हुआ था। वर्तमान समय में रावलपिंडी हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में है। इनके पिता मुंशी राम जी एक विद्यालय में प्राचार्य थे। उनकी माता जयावती एक धर्मपरायण महिला थीं। घर का वातावरण धार्मिक और सादगीपूर्ण था।

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

अपने छात्र जीवन से ही रघुवीर संस्कृत एवं अंग्रेजी में कविता लिखने लगे। सभी भाषाओं के बारे में अधिक से अधिक जानने की उनके मन में गहरी जिज्ञासा थी और वे हर भाषा के व्याकरण को गहराई से समझने का प्रयत्न करते थे। संस्कृत भाषा के विद्वान एवं व्याकरण के आचार्य पाणिनी का जन्म रावलपिंडी के निकट शालापुर ग्राम में हुआ था। रघुवीर जी का व्याकरण के प्रति अतिशय प्रेम देखकर इनके गुरुजन समझ गए कि यह बालक पाणिनी के कार्यों को ही आगे बढ़ाएगा। अगर आचार्य रघुवीर को आधुनिक पाणिनी कहा जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

प्राथमिक शिक्षा के बाद रघुवीर जी ने लाहौर के डीएवी विद्यालय से संस्कृत में एमए किया। अब तक वे अंग्रेजी, हिंदी, अरबी, फारसी, मराठी, बंगला, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, रूसी तथा जापानी भाषा में अत्यंत निपुण हो चुके थे। अब अजमेर आकर उन्होंने महर्षि दयानंद की अष्टाध्यायी का संपादन किया। 1925 में आचार्य रघुवीर का विवाह हुआ। 1928 में लंदन विश्वविद्यालय से पीएचडी कर वे लाहौर में ही संस्कृत के प्राध्यापक हो गये। अध्यापन के साथ ही वे स्वतंत्रता आंदोलन में भी सक्रिय हुए और 'हिंदू रक्षक संघ' की स्थापना की। 1942 में वे सीपी एंड बरार से संविधान सभा के सदस्य बने तथा 1949-50 तक इस पद पर रहे। उनकी योग्यता देखकर कांग्रेस ने 1952 से 62 तक उन्हें राज्यसभा में सांसद बनाया।

उन्होंने विश्व भर से अनेक भाषाओं में उपलब्ध महाभारत तथा रामायण ग्रंथों की पांडुलिपियों को एकत्र कर वृहत् शोध किया। उन्होंने इंडोनेशिया के जावा द्वीप में जोग्या नगर के पास स्थित मंदिरों पर उत्कीर्ण रामकथा के चित्रों को भी संकलित किया। विलुप्त हो चुके संस्कृत एवं भारतीय साहित्य को एकत्र करने के लिए उन्होंने 1934, 46 और 56 में क्रमशः लाहौर, नागपुर और दिल्ली में 'सरस्वती विहार' की स्थापना की।आचार्य जी ने हिंदी भाषा में दो लाख नये शब्द गढ़े। उनकी योजना 20 लाख नये शब्द बनाने की थी; पर उनके असमय निधन से यह काम रुक गया। उन्होंने जो शब्दकोश बनाया, वह आज भी हिंदी में मानक कोश माना जाता है।

1962 में चीन के आक्रमण के समय शासन की नीति से नाराज होकर उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। इसके बाद वे भारतीय जनसंघ से जुड़े और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। 1963 में उपचुनाव के समय जब वे डॉ. राममनोहर लोहिया के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित कर लौट रहे थे, तो 14 मई को कानपुर के पास हुई वाहन दुर्घटना में उनका देहांत हो गया।

आमने

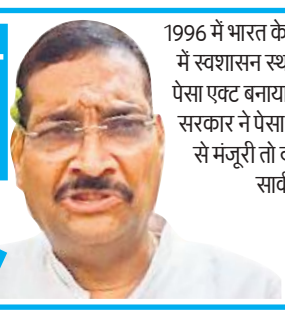

1996 में भारत के संसद से जनजाति क्षेत्र में स्वशासन स्थापित करने के उद्देश्य से पेसा एक्ट बनाया गया था। वर्तमान राज्य सरकार ने पेसा नियमावली को कैबिनेट से मंजूरी तो दी है, मगर इसे अब तक सार्वजनिक नहीं किया जाना उचित नहीं है।

–दीपक प्रकाश
बीजेपी सांसद

सामने

मैं पहले तो गठबंधन की पूरी सरकार को इस कानून के लिए बधाई देता हूं। कैबिनेट में जो चीजें पास हो जाती हैं, वह सार्वजनिक होता ही है। आखिर भाजपा को इतनी बेचैनी क्यों है? भाजपा इस मुद्दे पर लोगों में भ्रम और अफवाह फैला रही है।

–प्रदीप यादव
कांग्रेस के नेता

चिप मैन्युफैक्चरिंग और साइबर शक्ति में भारत

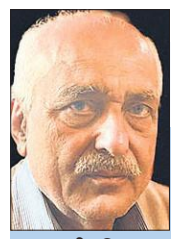

रनबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

चीन की क्विड प्रो क्वो पॉलिसी, अर्थात इस हाथ ले और उस हाथ दे, जिसके तहत विदेशी मल्टीनेशनल कंपनियों को चीन में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को बढ़ावा देने के लिए जॉइंट वेंचर बनाने का आदेश दिया गया है, लंबे समय से यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका (यूएस)-चीन आर्थिक दुश्मनी के केंद्र में रही है। जॉइंट वेंचर की ऑनरशिप लोकल चीनी फर्मों और विदेशी मल्टीनेशनल कंपनियों के बीच बंटी हुई है, इसलिए चीनी पार्टनर मैनेजमेंट और फैसले लेने में शामिल होते हैं, जिससे फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट के दूसरे तरीकों की तुलना में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर ज़्यादा असरदार तरीके से हो सकता है।

2001 में वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइज़ेशन में शामिल होने के बाद से चीन ने जॉइंट वेंचर को साफ तौर पर ज़रूरी नहीं बनाया है, फिर भी मल्टीनेशनल कंपनियों पर अंदर ही अंदर दबाव बना रहा। जैसा कि अमरीका के उच्च स्तर के कुछ अधिकारियों ने कहा, वॉलंटरी ही नई ज़रूरी चीज़ है। अमरीका के साइंस एंड टेक्नोलॉजी से संबंधित ऑफिस एवं नेशनल साइंस फाउंडेशन द्वारा कांग्रेस की समितियों के सामने सुनवाई की दो रिपोर्ट्स इस मामले में अमरीकी नजरिये को सही से पेश करती हैं।

स्ट्रेटेजिक उद्योगों के मामले में हरेक देश अपने तौर से एक एसेसमेंट करता है। भारत ने भी किया है। इनकी रिपोर्ट्स घोषणाओं के बाद से स्लो प्रोग्रेस दिखाने वाली अधिक प्रतीत हुई हैं। बढ़ती आर्थिक दुश्मनी के बीच, यूएस ने हाई-टेक इंडस्ट्रीज़ में चीन में बाहर जाने वाले फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट पर रोक लगा दी है। अमरीका 2022 का चिप्स और साइंस एक्ट इसका एक उदाहरण है, हालांकि यूएस फर्मों ने टेक्नोलॉजी लीक होने के खतरों के बावजूद, चीन के बड़े मार्केट और कम सैलरी तक पहुंचने के लिए अपनी मर्ज़ी से जॉइंट वेंचर किए। क्या जॉइंट वेंचर पर रोक लगाने का अभी भी कोई आर्थिक कारण है? अगर ऐसा है, तो क्या यूएस फर्मों ने सच में जॉइंट वेंचर के ज़रिए चीन को बहुत ज़्यादा टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की?

इस बाबत की गई नई रिसर्च में मुख्य बात यह है कि यूएस मल्टीनेशनल कंपनियां अपने जॉइंट वेंचर फैसलों के दूसरी यूएस फर्मों पर पड़ने वाले बुरे असर की परवाह नहीं करतीं या उसे अपनाती नहीं हैं। अलग-अलग फर्मों के नज़रिए से, जॉइंट वेंचर बनाना फ़ायदेमंद है, क्योंकि उन्हें चीनी मार्केट तक पहुंच मिलती है और सैलरी कम होती है, हालांकि जॉइंट वेंचर के ज़रिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करके, वे अपने चीनी पार्टनर को ज़्यादा प्रोडक्टिव बनाते हैं और फैलने से दूसरी चीनी फर्मों को इनडायरेक्टली फ़ायदा पहुंचाते हैं। समय के साथ, ग्लोबल कॉम्पिटिशन बढ़ता है, जिससे दूसरी यूएस फर्मों को नुकसान होता है।

हाई टेक और सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी में अमरीकी फर्मों ने 1970 आदि दशक के बाद से जिस तरह से ताइवान में अपना कारोबार स्थापित किया और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर हुआ, उससे ताइवान को जबरदस्त बढ़त अगले 20 सालों में मिली। इसकी बुनियाद पर ताईवानी फर्में अब सेमीकंडक्टर बिजनेस में अपना दबदबा पूरी दुनिया में कायम कर चुकी हैं। ये फर्में हज़ारों किस्म की चिप अरबों की संख्या में हर साल दुनिया भर में बेचती हैं।

इस परिदृश्य में भारत को अभी तक अमरीका ने उपेक्षित रखा और भारत ने भी इस उभरते स्ट्रेटेजिक उद्योग के प्रति ध्यान नहीं दिया। हम मुसीबत में नहीं हैं, परंतु बहुत पिछड़े हुए नज़र आते हैं। इस उद्योग में तीन से पांच साल से ही कुछ ध्यान गया है और नितांत स्वदेशी प्रयासों से हम अगले 10 वर्षों में शायद वर्ल्ड क्लास तो न हो पाएं, लेकिन कुछ मामलों में आत्मनिर्भर जरूर हो जाएंगे। फिर भी अति उन्नत चिप डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और पैकेजिंग के स्तर पर इस टेक्नोलॉजी में हम उस समय तक पिछड़े रहेंगे, जब तक इस क्षेत्र में कम से कम 100 अरब रुपये का निवेश नहीं किया जाता।

ज्ञातव्य है कि चीन ने एक दशक पहले इसके लिए 19 खरब यूएस डॉलर का निवेश किया था। आज अमरीका की सिलिकॉन वैली, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और अमेरिकन माइक्रोडिवाइसेस जैसी कंपनियां चीन की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से डरने लगी हैं। इस उद्योग में खरबों रुपये का बिजनेस अब ताइवान, चीन, जापान और अमरीका के हाथ में है।

भारत इसमें शायद सौवें स्थान पर होगा। हमारे यहां सेमीकंडक्टर रिसर्च का स्तर अभी सौ में से बीसवें स्तर पर ही है। सिर्फ पॉलिसी बना कर ऊंची घोषणाएं करने और इस बाबत रिपोर्ट्स बनाने से काम नहीं चलता। सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए एक स्वस्थ ईको-सिस्टम बनाने से पहले डींग मारने के लिए अभी हमारे पास ऐसा कुछ नहीं है, जिसका नोटिस विश्व की बड़ी सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री या इन देशों के कॉमर्स विभाग ले पाएं। हम पहले से ही हाई टेक के ट्रांसफर के मामले में अमरीका की ट्रेड-वार्स से पीड़ित रहे हैं। सबसे बड़ी कमी है, रेयर अर्थ मैटेरियल्स को भारत में ढूंढना। इसे प्रॉसेस करना और हाई टेक प्लांट्स लगाना।

हमारे यहां सेमीकंडक्टर रिसर्च का स्तर अभी सौ में से बीसवें स्तर पर ही है। सिर्फ पॉलिसी बनाकर ऊंची घोषणाएं करने से काम नहीं चलता।

सामयिकी

2026 रहेगा भारत का एआई इंपैक्ट वर्ष

भारत में एआई 2025 में तेज़ी से फैला। अब तक देश में एआई मार्केट लगभग 13 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है और 2030 तक 130 बिलियन डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। 2025 एआई का 'एक्सपेरिमेंटेशन' का साल था, जहां जनरेटिव एआई और चैटबॉट्स ने दुनिया को चौंकाया, लेकिन 2026 भारत में एआई का प्रोडक्शन, जवाबदेही और गवर्नेंस का साल होगा। एआई अब प्रयोगशाला से निकलकर क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहा है, जो बिजली, पानी या इंटरनेट जैसी ज़रूरी चीजों से जुड़ जाएगा। साथ ही कंपनियों और संस्थाओं की जिम्मेदारी होगी कि इसे सही ढंग से अपनाएं। सुरक्षित और नैतिक रूप से इस्तेमाल करें और आगे बढ़ें।

सरकार की इंडिया एआई मिशन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित India एआई इंपैक्ट समिट इस बदलाव का केंद्रबिंदु है। फरवरी 2026 में नई दिल्ली में होने वाला यह समिट का थीम 'प्यूपल, प्लैनेट और प्रगति' (लोग, ग्रह, प्रगति) के साथ होगा, जिसे हिंदी में 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के रूप में व्यक्त किया गया है। यह वैश्विक स्तर पर एआई को समावेशी, सुरक्षित और विकास-केंद्रित बनाने का मंच बनेगा, जहां G-20 देश, स्टार्टअप्स, नीति-निर्माता और शोधकर्ता मिलकर एआई की दिशा तय करेंगे। भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में वर्ष 2026 का दौर बहुत महत्वपूर्ण है। इंडिया एआई मिशन और आगामी इंडिया एआई इंपैक्ट समिट से सरकार ने एआई को समावेशी, सुरक्षित और विकास-केंद्रित बनाने का मजबूत लक्ष्य रखा है।

अंबिका अंबी
लेखिका

इंडिया एआई मिशन, भारत को वैश्विक एआई लीडर बनाने का मुख्य आधार है। इसका फोकस एआई को 'सभी के लिए' (एआई फॉर आल) बनाना है, खासकर स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, जलवायु परिवर्तन और शासन जैसे क्षेत्रों में। मुख्य लक्ष्य इस प्रकार हैं: उच्च-स्तरीय कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना। जिसमें 34,000+ GPUs (और बढ़ते हुए) के साथ शक्तिशाली एआई कंप्यूट संसाधन उपलब्ध कराना, ताकि स्टार्टअप्स, रिसर्चर्स और MSMEs सस्ती दर पर एआई मॉडल ट्रेन कर सकें।

स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल्स का विकास कर भारत-केंद्रित Large Multimodal Models (LMMs) और इंडियन भाषाओं/संदर्भों पर आधारित एआई मॉडल बनाना। डेटा उपलब्धता बढ़ाना, ताकि इंडिया आई डेटा सेट्स प्लैटफार्म (एआई Kosh) के जरिए उच्च-गुणवत्ता वाले नॉन-पर्सनल डेटासेट्स आसानी से उपलब्ध हो सके। टैलेंट और स्किल डेवलपमेंट करना, जिससे एआई फ्यूचर स्किल्स और फ्यूचर स्किल्स प्राइम जैसे कार्यक्रमों से लाखों युवाओं को एआई ट्रेनिंग दी जाए। NASSCOM के अनुसार, एआई टैलेंट 2027 तक दोगुना (12.5 लाख+) होने की उम्मीद है।

सामाजिक प्रभाव वाले एआई एप्लिकेशन्स को 30 से अधिक एआई प्रोजेक्ट्स स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और क्लाइमेट में लागू करना। नैतिक और जिम्मेदार एआई हो, जो India AI Governance Guidelines-2025 के तहत सात सिद्धांतों पर केंद्रित है, जिसमें AI Safety Institute भी शामिल है। भारत वैश्विक नेतृत्व प्रदान करेगा। 19-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में होने वाला इंडिया एआई इंपैक्ट समिट G20 देशों, स्टार्टअप्स और नीति-निर्माताओं को एक मंच देगा। यह एआई को समावेशी और इंपैक्ट-फोकस्ड बनाने का वैश्विक केंद्र बनेगा। इन लक्ष्यों से एआई अब डिजिटल प्रयोग से आगे बढ़कर क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर (बिजली, पानी, इंटरनेट जैसा) बन रहा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

चांद के सफर में आपका नाम

20 जुलाई, 1969 को अपोलो 11 की चांद पर लैंडिंग और नील आर्मस्ट्रांग का 'एक छोटा कदम' वाला डायलॉग, अभी भी रोंगटे खड़े कर देता है। भारत के चंद्रयान-3 ने 2023 में सॉफ्ट लैंडिंग करके साबित कर दिया कि हम भी इस रेस में हैं और अब 2026 आते-आते नासा का आर्टेमिस मिशन चांद पर वापसी की तैयारी कर चुका है। आर्टेमिस द्वितीय ने क्रूड ऑरबिट टेस्ट किया और आर्टेमिस तृतीय का लैंडिंग मिशन बस कोने पर है। चांद को छूने की हसरत हर किसी की होती है। पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह चांद, जिसका गुरुत्वाकर्षण समुद्र की लहरों को नियंत्रित करता है और जिसकी सतह पर पानी की खोज ने अंतरिक्ष अन्वेषण को नई दिशा दी है। आप भी अपना नाम भेजकर ऐतिहासिक पलों का हिस्सा बन सकते हैं। चंद्रमा पर अपना नाम भेजने का रोमांच तो वाकई अनोखा है। आइए, इस मिशन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

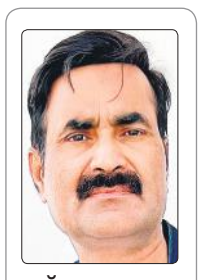

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

आर्टेमिस-द्वितीय मिशन

नासा की "अपना नाम चंद्रमा पर भेजो" पहल के तहत आर्टेमिस-द्वितीय मिशन के साथ आपका नाम ओरियन अंतरिक्ष यान पर एक डिजिटल चिप में चंद्रमा की यात्रा कर सकता है। यह एक तरह से आपकी मौजूदगी को चंद्रमा तक पहुंचाने का प्रतीकात्मक और रोमांचक तरीका है, भले ही आप शारीरिक रूप से वहां न जाएं। आपका नाम चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएगा, जो 1972 के बाद पहला मानवयुक्त चंद्र मिशन है। यह एक ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने जैसा है। लाखों लोग दुनियाभर से अपने नाम भेज रहे हैं, जिससे यह एक वैश्विक उत्सव बन जाता है। आपका नाम उनमें शामिल होगा। खासकर बच्चों और युवाओं के लिए, यह अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति उत्साह जगाता है। सोचिए, आपका नाम गहरे अंतरिक्ष में, चंद्रमा के पास होगा। नासा का आर्टेमिस-द्वितीय मिशन चंद्रमा की ओर मानव अंतरिक्ष यात्रा को फिर से शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत यह दूसरा मिशन है, जो आर्टेमिस-प्रथम के बाद आता है, जो एक बिना चालक दल वाला परीक्षण उड़ान था। आर्टेमिस-द्वितीय पहला मानवयुक्त मिशन होगा, जो चंद्रमा के चारों ओर उड़ान भरेगा, लेकिन उतरेगा नहीं। यह मिशन नासा के स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान की क्षमताओं को गहराई से अंतरिक्ष में परीक्षण करेगा।

भविष्य की योजनाएं

आर्टेमिस-द्वितीय चंद्रमा पर लंबे समय तक मानव उपस्थिति स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर है। यह मिशन आर्टेमिस-तृतीय (2027 में चंद्रमा पर लैंडिंग) की नींव रखेगा, जहां दक्षिण ध्रुव पर दो अंतरिक्ष यात्री उतरेंगे। कार्यक्रम में वाणिज्यिक और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों (जैसे ईएसए का यूरोपीय सर्विस मॉड्यूल) की भूमिका महत्वपूर्ण है। आर्टेमिस मिशन रोबोटिक रोवर्स, हैबिटेशन मॉड्यूल्स और मंगल यात्रा की तैयारी को बढ़ावा देंगे। नासा का यह प्रयास न केवल वैज्ञानिक खोज को बढ़ावा देगा, बल्कि वैश्विक सहयोग को मजबूत करेगा।

रोमांचक क्षण

यह पहली क्रूड मिशन 50 साल बाद, जिसमें चार एस्ट्रोनॉट्स चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएंगे, आप भी इस रोमांच हिस्सा बन सकते हैं। कल्पना कीजिए, आपका नाम चंद्रमा के चारों ओर 2,30,000 मील की दूरी तय कर रहा है। यह आपको अंतरिक्ष यात्री जैसा महसूस कराता है। नासा का कहना है कि यह आर्टेमिस जेनेरेशन को प्रेरित करने के लिए है यानी नई पीढ़ी को विज्ञान और खोज की ओर आकर्षित करना।

कब और कैसे

मिशन की लॉन्च तिथि अप्रैल 2026 निर्धारित है, हालांकि कुछ स्रोतों में 2026 की शुरुआत का उल्लेख है। यह फ्लोरिडा के नासा केनेडी स्पेस सेंटर से ब्लॉक 1 कॉन्फ़िगरेशन के एसएलएस रॉकेट पर उड़ान भरेगा। सितंबर, 2025 तक रॉकेट और ओरियन यान की असेंबली चलती रही है। इससे पूर्व मार्च 2025 में रॉकेट को वर्टिकल पोजीशन में लाया गया था और अगस्त 2025 में ओरियन स्टेज एडाप्टर पहुंचा। मिशन से पहले, मीडिया को इसके हार्डवेयर देखने का अवसर मिला।

सिस्टम टेस्टिंग

ओरियन यान के जीवन समर्थन सिस्टम (जैसे ऑक्सीजन उत्पादन, कार्बन डाइऑक्साइड हटाना) को परीक्षण किया जाएगा, विशेष रूप से व्यायाम और नींद के दौरान।

गहन अंतरिक्ष अनुसंधान

चालक दल सात मुख्य अनुसंधान क्षेत्रों पर काम करेंगे, जैसे नींद पैटर्न मॉनिटरिंग (रिस्टबैंड डिवाइस से), इम्यून सिस्टम प्रभाव (लार और रक्त नमूने से) और ऑर्गन-ऑन-ए-चिप तकनीक का उपयोग। यह डेटा भविष्य के चंद्रमा और मंगल मिशनों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपाय विकसित करने में मदद करेगा।

लूनर साइंस

चालक दल चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव क्षेत्र की तैयारी के लिए प्रभाव क्रेटर, ज्वालामुखी और बर्फ पर रीयल-टाइम डेटा विश्लेषण करेंगे। ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर में साइंस इवैल्यूएशन रूम से वैज्ञानिकों की टीम मार्गदर्शन देगी।

क्यूबसैट्स

मिशन पर पांच अंतर्राष्ट्रीय क्यूबसैट्स (छोटे उपग्रह) उड़ेंगे, जो पृथ्वी कक्षा में विज्ञान प्रयोग और तकनीकी प्रदर्शन करेंगे। ये ओरियन से अलग होकर लॉन्च होंगे।

नासा का महत्वाकांक्षी मिशन

आर्टेमिस-द्वितीय मिशन नासा का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जो चंद्रमा पर मानवों को वापस लाने और अंततः मंगल ग्रह पर मिशनों की तैयारी करने का लक्ष्य रखता है। यह मिशन लगभग 10 दिनों का होगा, जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा के चारों ओर एक फ्री-रिटर्न ट्रैजेक्टरी पर यात्रा करेंगे। यह 1972 में अपोलो 17 के बाद से पहला मानवयुक्त मिशन होगा, जो कम पृथ्वी कक्षा से परे जाएगा। मिशन का मुख्य उद्देश्य ओरियन यान के सभी सिस्टम्स को चालक दल के साथ गहन अंतरिक्ष वातावरण में सत्यापित करना है, जिसमें जीवन समर्थन प्रणाली, नेविगेशन और संचार शामिल हैं। आर्टेमिस-द्वितीय का चालक दल चार अंतरिक्ष यात्रियों से मिलकर बनेगा, जो विविधता का प्रतीक है। पहले कमांडर, जो नासा के रीड विसमैन हैं। यहीं से पायलट विक्टर ग्लोवर हैं, चंद्रमा यात्रा करने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति होंगे। मिशन स्पेशलिस्ट नासा के ही क्रिस्टीना कोच होंगे, जो चंद्रमा यात्रा करने वाली पहली महिला होंगी। मिशन स्पेशलिस्ट कैनेडियन स्पेस एजेंसी की जेरेमी हैंसेन होंगे, जो चंद्रमा यात्रा करने वाले पहले गैर-अमेरिकी नागरिक होंगे। बैकअप क्रू में जेनी गिब्बन्स (कैनेडा) और एंड्रे डगलस (नासा) शामिल हैं। यह चयन 2020 के अमेरिका-कनाडा संधि के तहत किया गया है।

इस तरह भेजें अपना नाम

इस मिशन में आप अंतिम तिथि 21 जनवरी, 2026 तक निःशुल्क भाग लेकर चंद्रमा पर अपना नाम भेज सकते हैं। इसके लिए नासा की आधिकारिक वेबसाइट https://www3.nasa.gov/send-yourname-with-artemis पर क्लिक करें। इसके बाद रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरें, जिसमें अपना प्रथम और द्वितीय नाम, पिनकोड डालकर सबमिट बटन पर क्लिक करें। नाम स्वीकृत होने पर आपको एक डाउनलोडेबल 'बोर्डिंग पास' मिलेगा। यह एक सर्टिफिकेट जैसा है, जिसमें आपका नाम मिशन के साथ दिखाया जाएगा, जिस पर क्लिक करके आप इसे डाउनलोड कर सकते हो। लॉन्च के समय आप इसकी लाइव स्ट्रीमिंग भी देख सकते हो। भविष्य का वादारू कल्पना कीजिए चांद पर कॉलोनी, हीलियम-3 से अनलिमिटेड एनर्जी या स्पेस टूरिज्म जहां आप वीकेंड पर चंद्रमा घूम आएं। स्पेसएक्स जैसे प्राइवेट प्लेयर्स (एलन मस्क की टीम) स्टारशिप से इसे रियलिटी बना रहे हैं। भारत का अगला चंद्रयान-4 भी सैंपल रिटर्न पर फोकस करेगा। ये सिर्फ साइंस नहीं, बल्कि ग्लोबल कोऑपरेशन का उदाहरण है-अमेरिका, यूरोप, जापान, भारत सब साथ में आर्टेमिस एकोड्स पर साइन कर चुके हैं।

खोज

कार्ल ड्राइस- साइकिल के जनक

साइकिल मानव इतिहास का एक महत्वपूर्ण और उपयोगी आविष्कार है, जिसने परिवहन की दुनिया में क्रांति ला दी। साइकिल का प्रारंभिक आविष्कार जर्मनी के कार्ल ड्राइस ने वर्ष 1817 में किया था। उनकी बनाई गई साइकिल को ड्राइसिन या रनिंग मशीन कहा जाता था। इसमें पैडल नहीं होते थे और इसे पैरों से जमीन पर धक्का देकर चलाया जाता था। यह सरल साधन होने के बावजूद अपने समय में एक बड़ी उपलब्धि थी।

समय के साथ साइकिल में कई सुधार हुए। उन्नीसवीं सदी के मध्य में फ्रांस के आविष्कारकों ने इसमें पैडल जोड़े, जिससे इसे चलाना अधिक आसान और तेज हो गया। इसके बाद पहियों के आकार, संतुलन और सीट की बनावट में बदलाव किए गए। 1885 में जॉन केम्प स्टार्ले ने आधुनिक साइकिल जैसी संरचना विकसित की, जिसमें समान आकार के पहिए और चेन ड्राइव प्रणाली शामिल थी।

आज साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और खेल का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। यह प्रदूषण रहित, सस्ती और सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी है। साइकिल का आविष्कार मानव की रचनात्मक सोच और सतत विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है।

वैज्ञानिक परिचय

कार्ल ड्राइस का पूरा नाम कार्ल फ्रेडरिक क्रिश्चियन लुडविग ड्राइस था। वे एक जर्मन आविष्कारक, इंजीनियर और बैरन थे, जिन्हें विश्व में साइकिल का जनक माना जाता है। उनका जन्म 29 अप्रैल 1785 को जर्मनी के कार्लजूए शहर में हुआ और उनका निधन 10 दिसंबर 1851 को हुआ।

कार्ल ड्राइस मूल रूप से वानिकी विभाग से जुड़े थे, लेकिन उनकी गहरी रुचि यांत्रिक आविष्कारों में थी। वर्ष 1817 में उन्होंने दो पहियों वाला एक नया वाहन बनाया, जिसे "ड्राइसिन" या "रनिंग मशीन" कहा गया। यह बिना पैडल की साइकिल थी, जिसे चलाने के लिए व्यक्ति पैरों से जमीन पर धक्का देता था। यह उस समय का एक क्रांतिकारी आविष्कार था, क्योंकि इससे घोड़ों पर निर्भरता कम करने की दिशा में कदम बढ़ा।

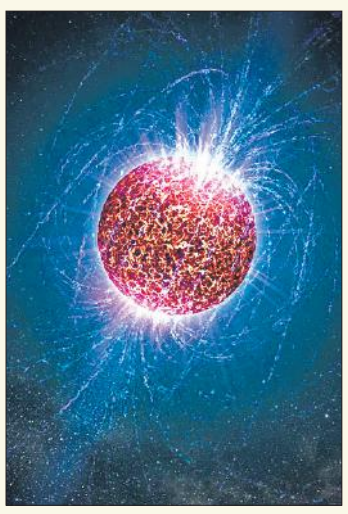

माउंट एवरेस्ट जितना एक चम्मच न्यूट्रॉन स्टार का भार

वैज्ञानिक फैक्ट

न्यूट्रॉन तारों के बारे में आपने शायद सुना हो और अगर नहीं सुना, तो जानना और भी दिलचस्प है। न्यूट्रॉन तारा किसी अत्यंत विशाल तारे के सुपरनोवा (महाविस्फोट) के बाद उसके गुरुत्वीय पतन से बनने वाला अवशेष होता है। यह ब्रह्मांड की सबसे रहस्यमयी और घनी वस्तुओं में से एक है। न्यूट्रॉन तारे लगभग पूरी तरह न्यूट्रॉन कणों से बने होते हैं। इनका आकार अपेक्षाकृत बहुत छोटा लगभग एक शहर जितना होता है, लेकिन इनका द्रव्यमान सूर्य से भी अधिक हो सकता है। यही कारण है कि इनकी घनता कल्पना से परे होती है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, न्यूट्रॉन तारे के पदार्थ का केवल एक चम्मच वजन लगभग 6 अरब टन (6 बिलियन टन) हो सकता है। इसे समझने के लिए एक उदाहरण लें- इतना भार लगभग पृथ्वी के सबसे ऊंचे पर्वत, माउंट एवरेस्ट के बराबर माना जाता है। इतनी अत्यधिक घनता के कारण न्यूट्रॉन तारों पर गुरुत्वाकर्षण असाधारण रूप से शक्तिशाली होता है। वहां भौतिकी के नियम भी हमारी पृथ्वी से बिल्कुल अलग तरह से काम करते हैं। यही वजह है कि न्यूट्रॉन तारे आज भी खगोल वैज्ञानिकों और भौतिकविदों के लिए शोध और जिज्ञासा का बड़ा विषय बने हुए हैं।

रोचक किस्सा

एमके-अल्ट्रा की छाया में एक वैज्ञानिक

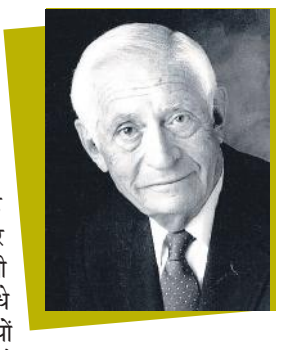

जोस डेलगाडो की तरह ही रॉबर्ट जी. हीथ भी मानव मन के नियंत्रण और प्रभाव के क्षेत्र में सक्रिय थे, हालांकि उनका दृष्टिकोण अलग था। जहां डेलगाडो पर प्रभुत्व और नियंत्रण को लेकर जुनून का आरोप लगाया जाता है, वहीं हीथ का ध्यान मुख्यतः आनंद और पीड़ा से जुड़े मस्तिष्कीय रिसेप्टर्स पर केंद्रित था। न्यू ऑरलियन्स स्थित तुलाने विश्वविद्यालय में कार्य करते हुए, हीथ ने यह पाया कि मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड प्रत्यारोपित कर वे लोगों में तीव्र आनंद की अनुभूति उत्पन्न कर सकते हैं। कुछ प्रयोगों में उन्होंने इलेक्ट्रोड के साथ एक पतली नली के माध्यम से एसिटाइलकोलाइन नामक रसायन सीधे मस्तिष्क में प्रवाहित किया। इसके परिणामस्वरूप प्रतिभागियों ने अत्यंत प्रबल सुखानुभूति की सूचना दी, जो कभी-कभी लंबे समय तक बनी रहती थी। इसके विपरीत, जब मस्तिष्क के दर्द से जुड़े केंद्रों को सक्रिय किया गया, तो कुछ व्यक्तियों को तीव्र पीड़ा का अनुभव हुआ। एक प्रतिभागी के शब्दों में-"यह मुझे पूरी तरह जकड़ लेता है, मैं असहनीय बेचैनी महसूस करता हूं।" हीथ के कार्यों को लेकर वर्षों से विवाद रहा है। कुछ शोधकर्ताओं और इतिहासकारों का मानना है कि उनका संबंध अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के कुख्यात 'एमके-अल्ट्रा' परियोजना से हो सकता है। यद्यपि इस संबंध को लेकर ठोस प्रमाण सीमित हैं, लेकिन उपलब्ध परिस्थितियों को देखते हुए इस धारणा को पूरी तरह नकारना भी आसान नहीं माना जाता। रॉबर्ट जी. हीथ का कार्य आज भी न्यूरोसाइंस के इतिहास में एक जटिल और विवादास्पद अध्याय के रूप में देखा जाता है, जहां वैज्ञानिक जिज्ञासा, नैतिकता और सत्ता की सीमाएं आपस में टकराती दिखाई देती हैं।

सौर ऊर्जा से प्रदूषण को काबू करना संभव

सूर्य ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत है और यह ऊर्जा का एक प्राकृतिक स्त्रोत भी है। सच तो यह है कि सौर ऊर्जा (अक्षय ऊर्जा) सूर्य से प्राप्त होने वाली प्राकृतिक तथा जिसका कभी क्षय नहीं होता और असीम ऊर्जा है। यह ऊर्जा न केवल हमारे पर्यावरण और पारिस्थितिकी के ही अनुकूल है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने का सबसे विश्वसनीय साधन भी है। अक्षय ऊर्जा (रिनिवेबल एनर्जी) वे ऊर्जा स्रोत हैं, जो हमें प्रकृति से निरंतर रूप से प्राप्त होते हैं और कभी भी समाप्त नहीं होते हैं। इन्हें बार-बार इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि ये प्राकृतिक रूप से पुनः उत्पन्न हो जाती हैं। भौगोलिक दृष्टि से भारत दक्षिण एशिया या यूं कहें कि भारत मुख्यतः उत्तरी उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) कटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है। यही कारण है कि हमारे देश में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में औसतन 300 से अधिक दिन सूर्य की रोशनी रहती है, जिससे बड़े पैमाने पर सौर बिजली उत्पादन संभव है।

सुनील कुमार महला
लेखक

भारत में सौर ऊर्जा (सोलर एनर्जी) को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई सौर योजनाएं (सोलर स्कीम्स) चलाई जा रही हैं। इनका उद्देश्य अक्षय ऊर्जा को प्रोत्साहन देना, बिजली की कमी को दूर करना और प्रदूषण कम करना है। पिछले कुछ समय से सरकार ने 'राष्ट्रीय सौर मिशन' (2010) और 'कुसुम योजना' (2019), सौर छत योजना (ग्रिड कनेक्टेड रूफटोप सोलर स्कीम), सोलर पार्क योजना, सौर स्ट्रीट लाइट योजना, देशभर में रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को आसान बनाने के लिए 'सरल पोर्टल' जैसी अनेक योजनाओं के माध्यम से किसानों और आम नागरिकों को सौर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। आज सौर ऊर्जा से न केवल घरों और उद्योगों को बिजली मिल रही है, बल्कि गांवों में सिंचाई और रोशनी की व्यवस्था भी हो रही है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग बढ़ाने के लिए भारत की पहल पर 2015 में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (इंटरनेशनल सोलर एलांयस) यानी कि आईएस का भी गठन किया गया है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है और हमारे देश की यह उपलब्धि भारत की अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से बढ़ती प्रगति का प्रतीक है।

आंकड़े बताते हैं कि वर्तमान में देश की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता लगभग 82 गीगावॉट से भी कहीं ज्यादा तक पहुंच चुकी है, जबकि 2014 में यह केवल 2.6 गीगावॉट थी। अन्य आंकड़े भारत की सौर ऊर्जा क्षमता 125 गीगावॉट तक बताते हैं। इस तेज वृद्धि के साथ भारत अब चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर है। दरअसल सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक कुल विद्युत उत्पादन का 50 प्रतिशत हिस्सा अक्षय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त किया जाए। राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य सौर ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी हैं। भारत की यह उपलब्धि न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन से निपटने की वैश्विक प्रतिबद्धता को भी मजबूत बनाती है। यह उपलब्धि ऐसे दौर में हासिल हुई है, जब दुनियाभर में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे कुल ऊर्जा में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी भी बढ़कर 8.8 फीसदी पहुंच गई है।

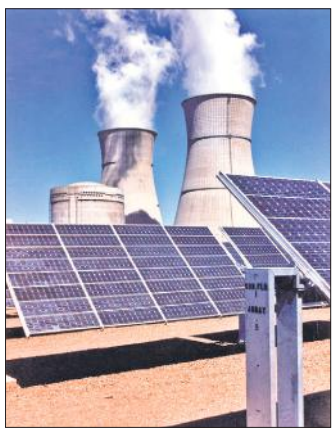

सोलर एनर्जी के फायदे

सोलर एनर्जी का एक बड़ा फायदा यह भी है कि इससे देश को विदेशी ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलती है और देश आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होता है। इतना ही नहीं, सोलर एनर्जी दूरदराज इलाकों में बिजली पहुंचाने का सस्ता और सरल तरीका है तथा इससे ग्रामीण विकास में मदद मिलती है। सोलर एनर्जी से जहां एक ओर रोजगार के अवसर पैदा होते हैं, वहीं दूसरी ओर बंजर जमीन पर सोलर प्लांट लगाकर उसे उपयोगी बनाया जा सकता है। इतना ही नहीं, सोलर एनर्जी में दीर्घकालिक निवेश (लॉन्ग टाइम इन्वेस्टमेंट) लाभ भी मिलता है। हालांकि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अभी भी हमारे देश को ग्रिड स्थिरता, भंडारण एकीकरण और वित्तीय व्यवहार्यता में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन अच्छी बात यह है कि वर्ष 2018 की सौर ऊर्जा क्षमता 21.6 गीगावॉट से बढ़कर जून 2023 तक 70.10 गीगावॉट हो गई और भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 280 गीगावॉट सौर क्षमता प्राप्त करना है, जो उसके 500 गीगावॉट नवीकरणीय लक्ष्य का आधार होगा।

कार्बन उत्सर्जन एक बड़ी समस्या

आज कार्बन उत्सर्जन एक बहुत बड़ी समस्या बनती चली जा रही है। ऐसे में कार्बन उत्सर्जन के संकट पर काबू पाने के लिए दुनियाभर में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा पर जोर दिया जा रहा है और इस दिशा में हमारे देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। गौरतलब है कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत सदैव नायाब पहलें करता रहा है और केंद्र सरकार की ओर से शुरू किए गए विभिन्न अभियानों ने इन प्रयासों को गति दी है, लेकिन इन तमाम प्रयासों के बावजूद देश की कुल ऊर्जा उत्पादन क्षमता में करीब-करीब आधी क्षमता की कोयला और गैस आधारित विद्युत परियोजनाएं हैं। कोयला और गैस आधारित परियोजनाएं कार्बन उत्सर्जन का मुख्य स्रोत हैं। इनसे भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसें उत्सर्जित होती हैं। वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग में इनका योगदान अत्यधिक होता है। वास्तव में, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर भी इनके नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा (सौर ऊर्जा) की ओर संक्रमण इन्हें कम करने का समाधान है। हालांकि आज भी सौर ऊर्जा क्षेत्र में अनेक चुनौतियां विद्यमान हैं। मसलन, सौर पैनलों की उच्च प्रारंभिक लागत निवेशकों के लिए बाधा बनती है। मौसम और जलवायु पर निर्भरता उत्पादन को अस्थिर बना देती है। पर्याप्त भूमि की कमी, खासकर शहरी क्षेत्रों में, विस्तार में रुकावट डालती है। सौर पैनलों का जीवनकाल और कार्यक्षमता धीरे-धीरे घटती है। ऊर्जा भंडारण (बैटरी) की लागत और क्षमता सीमित है। ग्रिड से कनेक्टिविटी और तकनीकी इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी समस्या पैदा करती है। उत्पादन और अपशिष्ट प्रबंधन में पर्यावरणीय चुनौतियां होती हैं। इतना ही नहीं, नीति और वित्तीय प्रोत्साहनों में असंगति निवेश को प्रभावित करती है। इन सभी के बीच आज जरूरत इस बात की है कि आवासीय प्रयोजन से सौर ऊर्जा के अधिकाधिक इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया जाए तथा घरों में रूफटॉप सोलर का अपेक्षा के अनुरूप विस्तार पर बल दिया जाए।

जंगल की दुनिया

नदियों की मुस्कान इरावदी डॉल्फिन

इरावदी डॉल्फिन एक अत्यंत सुंदर और दुर्लभ जलीय स्तनपायी जीव है। यह मछली नहीं, बल्कि डॉल्फिन परिवार की सदस्य है और इसमें आंखें होती हैं, हालांकि इसकी आंखें अपेक्षाकृत छोटी होती हैं। यह प्रजाति वर्तमान में अति संकटापन्न (Endangered) श्रेणी में आती है। इरावदी डॉल्फिन की मुख्य रूप से दो प्रजातियां मानी जाती हैं- इरावदी डॉल्फिन और स्नब-फिन डॉल्फिन इस प्रजाति का नाम म्यांमार की प्रसिद्ध इरावदी नदी के नाम पर रखा गया है, क्योंकि यह नदी इनका प्रमुख प्राकृतिक आवास है। इरावदी नदी में ये डॉल्फिन बड़ी संख्या में पाई जाती हैं।

विश्व स्तर पर इरावदी डॉल्फिनों की कुल संख्या 7,500 से भी कम आंकी गई है। इनमें से लगभग 6,400 इरावदी डॉल्फिन बांग्लादेश में पाई जाती हैं, जो इस प्रजाति का सबसे बड़ा आवास क्षेत्र माना जाता है। पर्यटन और स्थानीय रोजगार से जुड़ी होने के कारण कंबोडिया में इरावदी डॉल्फिन को एक पवित्र जीव के रूप में भी सम्मान दिया जाता है। डॉल्फिन सामान्यतः दुनिया के सभी समुद्रों में पाई जाती हैं और भूमध्यसागर में इनकी संख्या सर्वाधिक मानी जाती है। पूरे विश्व में डॉल्फिन की लगभग 40 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से मीठे पानी की डॉल्फिन की चार प्रमुख प्रजातियां हैं।

भारत में मीठे पानी की डॉल्फिन को वर्ष 2009 में 'राष्ट्रीय जलीय जीव' घोषित किया गया। उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में स्थानीय भाषा में इन्हें 'सूसु' या 'सूस' कहा जाता है। यह प्रजाति नदियों के पारिस्थितिक संतुलन की सेहत का महत्वपूर्ण संकेतक मानी जाती है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,188.60	26,146.55
गिरावट/बढ़त	32	16.95
प्रतिशत में	0.04	0.06

सोना 1,38,340 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,37,4000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 2 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

इरेडा का ऋण वितरण 44 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) का अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान ऋण वितरण 44% बढ़कर 24,903 करोड़ रुपये रहा। इरेडा ने अप्रैल-दिसंबर 2024 में 17,236 करोड़ का ऋण वितरित किया था। कंपनी के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में स्वीकृत ऋण राशि 40,100 करोड़ रही जो एक वर्ष पहले के 31,087 करोड़ की तुलना में 29% की वृद्धि दर्शाती है। ऋण पुस्तिका 31 दिसंबर 2025 तक 87,975 करोड़ रही जो 31 दिसंबर 2024 के 68,960 करोड़ की तुलना में 28% अधिक है। इरेडा के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप दास ने इसकी पुष्टि की।

बिजली खपत 7% बढ़कर 138.39 अरब यूनिट

नई दिल्ली। उत्तर भारत में ठंड से हीटर और गीजर जैसे उपकरणों के इस्तेमाल में बढ़ोतरी से दिसंबर में बिजली की खपत 7% बढ़कर 138.39 अरब यूनिट हो गई। एक साल पहले इसी अवधि में यह 129.39 अरब यूनिट थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में पूरी की गई अधिकतम बिजली मांग या अधिकतम आपूर्ति भी बढ़कर 241.20 गीगावाट हो गई, जबकि दिसंबर 2024 में यह 224.23 गीगावाट थी। बिजली की अधिकतम मांग मई 2024 में अब तक के उच्चतम स्तर 250 गीगावाट तक पहुंच गई थी। इससे पहले सितंबर 2023 में अधिकतम मांग का पिछला रिकॉर्ड 243.27 गीगावाट दर्ज किया गया था।।

गेहूं की बुवाई पूरी, फसल की स्थिति बेहतर: आयुक्त

नई दिल्ली। कृषि आयुक्त पीके सिंह ने गुरुवार को कहा कि देश में मौजूदा रबी सत्र के लिए गेहूं की बुवाई पूरी हो चुकी है और फसल की स्थिति बेहतर नजर आ रही है। चालू वर्ष 2025-26 की रबी (शीतकालीन) मौसम में 29 दिसंबर तक 3.23 करोड़ हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई की गई। कृषि आयुक्त ने कहा कि बिहार के कुछ हिस्सों के अलावा देशभर में गेहूं की बुवाई पूरी हो चुकी है। कुल रकबा पिछले साल के स्तर तक पहुंच सकता है। बोए गए 73% से अधिक क्षेत्र में जलवायु-प्रतिरोधी और जैव-संरक्षित बीज की बुवाई की गई है जो मौसम की किसी भी गड़बड़ी का सामना करने में सहायक होंगी। समय पर और जल्दी बुवाई के कारण गेहूं की फसल की संभावनाएं उज्ज्वल हैं और वर्तमान में यह उत्कृष्ट स्थिति में है।

एक फरवरी से तंबाकू उत्पाद हो जाएंगे महंगे

तंबाकू पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर

नई दिल्ली, एजेंसी

- तंबाकू उत्पादों पर 40 और बीड़ी पर 18 प्रतिशत लगेगा जीएसटी
- गुटखा पर 91, तंबाकू व जर्दा पर 82 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क

- सिगरेट की प्रति 1,000 स्टिक पर 2,050 से लेकर 8,500 रुपये तक लगेगा कर

तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क व पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर 1 फरवरी से लागू होंगे। वित्त मंत्रालय की ओर से 31 दिसंबर 2025 को जारी अधिसूचनाओं के अनुसार, तंबाकू और पान मसाला पर लगने वाले नए कर, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के अतिरिक्त होंगे। ये उस क्षतिपूर्ति उपकर का स्थान लेंगे जो वर्तमान में हानिकारक उत्पादों पर लगाया जा रहा है।

अधिसूचना के अनुसार, 1 फरवरी से पान मसाला, सिगरेट, तंबाकू और इस तरह के उत्पादों पर 40% जीएसटी लगेगा जबकि बीड़ी पर 18% जीएसटी है। पान मसाला पर स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर लगाया जाएगा जबकि तंबाकू एवं संबंधित उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगेगा। तंबाकू उत्पादों (तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा सुगंधित तंबाकू, गुटखा) के लिए एक नई एमआरपी-आधारित मूल्यांकन प्रणाली शुरू की गई है, जिसके तहत पैकेट पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर जीएसटी तय किया जाएगा। गुटखा पर 91%, चबाने वाले तंबाकू और जर्दा सुगंधित तंबाकू पर 82% अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाया जाएगा। सिगरेट की लंबाई व फिल्टर के आधार पर प्रति 1,000 स्टिक पर 2,050 रुपये से लेकर 8,500 रुपये तक का कर लगेगा। उत्पाद शुल्क से प्राप्त धनराशि का पुनर्वितरण वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार राज्यों के बीच किया जाएगा।

केंद्र सरकार का कर राजस्व, विभाज्य निधि का हिस्सा है जिसका 41% राज्यों से साझा किया जाता है। पान मसाला उत्पादन इकाइयों की उत्पादन क्षमता पर स्वास्थ्य उपकर लगाया जाएगा। इससे प्राप्त राजस्व का एक हिस्सा स्वास्थ्य जागरूकता या अन्य स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के माध्यम से राज्यों से साझा किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले महीने संसद में कहा था कि इस स्वास्थ्य उपकर का उद्देश्य राष्ट्रीय महत्व के दो क्षेत्रों, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए समर्पित एवं अनुमानित संसाधन प्रवाह बनाना है।

पान मसाला, सिगरेट, चबाने वाला तंबाकू, सिगार, हुक्का, जर्दा और सुगंधित तंबाकू सहित सभी तंबाकू उत्पादों पर वर्तमान में 28 प्रतिशत जीएसटी और अलग-अलग दरों पर क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। एक फरवरी से जीएसटी की दर बढ़कर 40 प्रतिशत हो जाएगी। साथ ही उत्पाद शुल्क एवं क्षतिपूर्ति उपकर भी लागू होगा। वित्त मंत्रालय ने चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू व गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता निर्धारण एवं शुल्क संग्रह) नियम, 2026 को भी बुधवार को अधिसूचित किए। संसद ने पान मसाला पर उपकर और तंबाकू पर उत्पाद शुल्क लगाने की पिछले महीने मंजूरी दे दी थी।

विनिर्माताओं को सीसीटीवी लगवाना और फुटेज दो साल तक रखना अनिवार्य

तंबाकू, जर्दा, सुगंधित तंबाकू और गुटखा बनाने वाली कंपनियों को 1 फरवरी से सभी पैकिंग मशीनों पर सीसीटीवी प्रणाली लगानी होगी और उसकी फुटेज को दो साल तक सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचित तंबाकू (चबाने वाला), जर्दा, सुगंधित तंबाकू और गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता तय और शुल्क संग्रह) नियम के तहत यह प्रावधान किया गया है। यह नियम उन विनिर्माताओं पर लागू होंगे जो इन उत्पादों को पाउच में पैक करते हैं। हालांकि टिन के डिब्बों में इन उत्पादों की बिक्री करने वाली कंपनियों को आकलन मूल्य पर लागू शुल्क देना होगा। यदि कोई पैकिंग मशीन लगातार 15 दिनों तक बंद रहती है, तो विनिर्माता उत्पाद शुल्क में छूट का दावा कर सकता है।

पान मसाला पर उपकर से रुकेगी कर चोरी

नई दिल्ली। पान मसाला विनिर्माण पर जीएसटी के साथ मशीन एवं क्षमता पर आधारित उपकर लगने से एक व्यापक कर ढांचा तैयार होगा, जिससे कर चोरी की पहचान होने के साथ राजस्व की सुरक्षा भी हो सकेगी। एक फरवरी से व्यवस्था में बदलाव करते हुए जीएसटी को पान मसाला के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) के आधार पर लगाया जाएगा जबकि उपकर को विनिर्माता की स्थापित उत्पादन क्षमता के आधार पर वसूला जाएगा। जीएसटी और उपकर के जरिये मूल्य और क्षमता से जुड़े दो अलग-अलग डेटा समूह उपलब्ध होंगे। इन दोनों डेटा समूह का मिलान पान मसाला और धुआंरहित तंबाकू जैसे उन क्षेत्रों में कर चोरी की गुंजाइश को काफी हद तक कम करेगा।

एनपीएस विस्तार से वाणिज्यिक बैंक शुरू कर सकेंगे पेंशन कोष

नई दिल्ली। पेंशन विनियामक ने अनुसूचित वाणिज्यक बैंकों को भी नई पेंशन योजना (एनपीएस) के अंतर्गत स्वतंत्र रूप से पेंशन कोष चलाने की छूट देने की तैयारी के साथ साथ एनएपीए के प्रोत्साहन के लिए प्रबंधनाधीन निधि का कुछ पैसा योजना के प्रचार प्रसार के लिए बिचौलिया इकाइयों की मदद को मंजूरी दी है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) को पेंशन कोष शुरू करने की छूट के नियमों को मंजूर किया है।

- नए नियमों के तहत बिचौलिया फर्मों के संघ को दिया जाएगा एयूएम का 0.0025% हिस्सा

प्रस्तावित नए नियमों के तहत से पीएफआरडीए के समग्र मार्गदर्शन के अंतर्गत समन्वित जागरूकता, पहुंच और वित्तीय-साक्षरता पहल का समर्थन करने के लिए एयूएम का 0.0025 प्रतिशत एनपीएस इंटरमीडियरीज -(बिचौलिया फर्मों) के संघ (एएनआई) को दिया जाएगा। पीएफआरडीए के नियामकीय सुधारों में वर्तमान बाधाओं को दूर करने का प्रयास किया गया है। अभी एनपीएस में बैंकों की भागीदारी सीमित थी। भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों के अनुरूप मजबूत बैंकों को ही पेंशन फंड प्रायोजित करने की अनुमति होगी। वित्त मंत्रालय का कहना है कि विस्तृत मानदंड अलग से अधिसूचित किए जाएंगे और नये तथा वर्तमान दोनों पेंशन फंडों पर लागू होंगे।

बीएसएनएल ने देश के सभी सर्कलों में शुरू की वाई-फाई कॉलिंग सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी

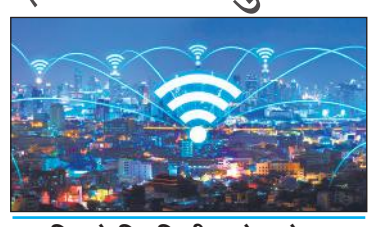

- सुविधा के लिए किसी दूसरे एप के इस्तेमाल की जरूरत नहीं

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने नव वर्ष पर पूरे देश में वॉयस ओवर वाई-फाई (वीओ वाई-फाई) सेवा शुरू करने की घोषणा की है और इसके लिए किसी दूसरे एप के इस्तेमाल की जरूरत नहीं होगी। संचार मंत्रालय के अनुसार, देश की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता सरकारी कंपनी बीएसएनएल की यह वाई-फाई कॉलिंग सुविधा देश के प्रत्येक दूरसंचार सर्कल में सभी बीएसएनएल ग्राहकों के लिए उपलब्ध हो गयी है।

बयान में कहा गया कि चुनौतीपूर्ण वातावरण में भी यह लोगों को निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली संपर्क सुविधा सुनिश्चित करती है। वीओ वाई-फाई ग्राहकों को वाई-फाई नेटवर्क पर वॉयस कॉल और संदेश भेजने और प्राप्त करने की सुविधा देता है, जिससे घरों, कार्यालयों, बेसमेंट और दूरदराज के स्थानों जैसे कमजोर मोबाइल सिग्नल वाले क्षेत्रों में स्पष्ट और विश्वसनीय कनेक्टिविटी सुनिश्चित होती है। वीओ वाई-फाई आईएमएस-आधारित एक सेवा है जो वाई-फाई और मोबाइल नेटवर्क के बीच निर्बाध हस्तांतरण का समर्थन करती है। इसमें कॉल ग्राहक के वर्तमान मोबाइल नंबर और फोन डायलर का उपयोग करके किए जाते हैं जिसके लिए तीसरे पक्ष के एप्लिकेशन की आवश्यकता नहीं होती है। मंत्रालय का कहना है कि यह सेवा ग्रामीण और दूरदराज के उन क्षेत्रों में विशेष रूप से लाभप्रद है जहां मोबाइल कवरेज सीमित होती है बशर्ते बीएसएनएल भारत फाइबर या किसी अन्य ब्रॉडबैंड सेवा जैसी एक स्थिर वाई-फाई कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। वीओ वाई-फाई अधिकांश आधुनिक स्मार्टफ़ोन पर समर्थित है। ग्राहकों को अपने हैंडसेट की सेटिंग्स में वाई-फाई कॉलिंग को सक्षम (इनेबल) करना होगा। इस सुविधा के संबंध में कंपनी ने हेल्पलाइन नंबर- 18001503 की एक सुविधा भी प्रदान की है।

गेल गैस ने सीएनजी, घरेलू पीएनजी की कीमतें घटाईं

नई दिल्ली, एजेंसी

- पाइपलाइन शुल्क में समायोजन के बाद कंपनी ने की कटौती

गेल गैस लिमिटेड ने गुरुवार को घरेलू रसोई गैस (पीएनजी) और सीएनजी की कीमतों में क्रमशः एक रुपये प्रति मानक घन मीटर और एक रुपये प्रति किलो की कटौती करने की घोषणा की। गैस कीमतों में कटौती का यह कदम पाइपलाइन शुल्क में हाल ही में किए गए समायोजन के बाद उठाया गया है।

एक दिन पहले ही शहरी गैस वितरक कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने दिल्ली और एनसीआर में घरेलू पीएनजी की कीमतों में 0.70 रुपये प्रति घन मीटर की कटौती की थी। थिंक गैस ने भी सीएनजी में 2.50 रुपये प्रति किलो और पीएनजी में पांच रुपये प्रति घन मीटर तक की कटौती की की थी। गेल इंडिया के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी गेल गैस लिमिटेड ने कहा कि गैस की नई कीमतें गुरुवार से उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान और ओडिशा में लागू हो गई हैं। कंपनी ने कहा कि पेट्रोलियम मंत्रालय और नियामक पीएनजीआरबी लगातार प्रगतिशील नीतिगत उपाय लागू कर रहे हैं, जो सीएनजी और घरेलू पीएनजी बाजार के विकास के लिए अनुकूल और वित्तीय रूप से स्थायी माहौल तैयार कर रहे हैं। पीएनजीआरबी ने पाइपलाइन के लिए युक्तिसंगत शुल्क संरचना की घोषणा की थी। 1 जनवरी से इसके प्रभावी होने से परिवहन सस्ता हो जाएगा।

वीआईएल पर 638 करोड़ का लगा जीएसटी जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- दूरसंचार कंपनी आदेश से असहमत, लेगी कानूनी मदद

दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) को अहमदाबाद के केंद्रीय माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कार्यालय से 638 करोड़ रुपये के जुर्माने का आदेश मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह इस आदेश से असहमत है और इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। यह सूचना उस समय आई है जब कर्ज में डूबी कंपनी को बुधवार को अपने समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर बड़ी राहत मिली है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वीआईएल के बकाया को रोकने, भुगतान से पांच साल की मोहलत देने और सीमित एजीआर बकाया की पुनः समीक्षा करने का निर्णय लिया। बीएसई में दी गई सूचना में वोडाफोन आइडिया ने कहा कि केंद्रीय माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 74 के तहत आदेश जारी किया गया है, जिसमें 6,37,90,68,254 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसमें कर और ब्याज भी शामिल है। वोडाफोन आइडिया ने बताया कि यह आदेश अहमदाबाद के केंद्रीय माल एवं सेवा कर कार्यालय के सहायक आयुक्त द्वारा जारी किया गया और कंपनी को बुधवार को यह प्राप्त हुआ। कंपनी ने बताया कि यह आदेश कर को कम करने और इनपुट टैक्स क्रेडिट का अधिक लाभ उठाने के आरोप से संबंधित है।

राष्ट्रीय

एलडीएफ-यूडीएफ खेल रहे नूरा-कुश्ती

मोदी ने दोनों गठबंधनों पर निशाना साधा, तिरुवनंतपुरम में जीत को बताया ऐतिहासिक

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने की महापौर को लिखे पत्र में भाजपा नेताओं की सराहना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक गठबंधनों वाम लोकतान्त्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतान्त्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर नूरा-कुश्ती का खेल खेलने का आरोप लगाते हुए कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की पहली जीत के बाद अब इस व्यवस्था का अंत होने जा रहा है। शहर के महापौर वीवी राजेश को लिखे पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत ऐतिहासिक है। उन्होंने हाल में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में केरल की राजधानी में पार्टी के सत्ता में आने पर राजेश और भाजपा नेताओं की सराहना की।

मोदी ने 30 दिसंबर को लिखे पत्र में कहा कि महापौर और उपमहापौर जीएस आशा नाथ के शपथ ग्रहण के साथ ही तिरुवनंतपुरम में इतिहास रच गया है। तिरुवनंतपुरम में पार्टी की सफलता इस बात का संकेत है कि केरल के लोग, विशेषकर युवा और महिलाएं एक नए सूर्योदय के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री के अनुसार, भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) जनता के लिए ऐसे विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो बहिष्कार रहित राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार रहित विकास और तुष्टीकरण रहित शासन की अवधारणा पर आधारित है। दिल्ली में मित्र और केरल में प्रतिद्वंद्वी होने का एलडीएफ और यूडीएफ की नूरा-कुश्ती का खेल अब खत्म होने वाला है। केरल उनके अधूरे वादों से मुक्ति पाना चाहता है।

मोदी ने कहा कि दशकों से एलडीएफ और यूडीएफ के प्रभुत्व वाले केरल में भाजपा कार्यकर्ताओं को काफी मेहनत करनी पड़ी है और इन मोर्चों का खराब शासन रिकॉर्ड सबके सामने है। उन्होंने कहा कि जनता के लिए संघर्ष करने वाले पार्टी के कई नेता अब इस दुनिया में नहीं, लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा बना रहेगा। मोदी ने तिरुवनंतपुरम के अपने दौरे की यादें साझा करते हुए कहा कि केरल की राजधानी ने देश को कई नेता, समाज सुधारक, कलाकार, संगीतकार, कवि, सांस्कृतिक हस्तियां, संत और महापुरुष दिए हैं।

विकसित तिरुवनंतपुरम बनाना हमारा दृष्टिकोण

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब ऐसा शहर हमारी पार्टी को आशीर्वाद देता है, तो यह अत्यंत गर्व करने वाला अनुभव है। विकसित तिरुवनंतपुरम बनाने का हमारा दृष्टिकोण समाज के सभी वर्गों में लोगों के साथ गूंजा है। उन्होंने कहा कि लोगों ने केंद्र में भाजपा नीत सरकार के कामकाज और विभिन्न राज्यों में शहरी विकास के लिए किए गए प्रयासों को देखा है, जिससे प्रेरित होकर उन्होंने पार्टी को समर्थन दिया। मोदी ने कहा कि मैं इस शहर के लोगों के स्नेह के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत से उन्हें अत्यंत खुशी और गर्व की अनुभूति हुई है। तिरुवनंतपुरम के लोगों के आशीर्वाद से जो कुछ हुआ है, वह ऐतिहासिक है। इसे सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएग।

श्री नारायण गुरु के उपदेशों का किया उल्लेख

प्रधानमंत्री ने संत-सुधारक श्री नारायण गुरु के उपदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि निस्वार्थ सेवा को ईश्वर का आशीर्वाद मिलता है और सभी कार्यों का उद्देश्य दूसरों का कल्याण होना चाहिए। उन्होंने महात्मा अय्यंकाली द्वारा गरीबों और वंचितों की सेवा पर दिए गए बल और मन्नथू पद्मनाभन की मानव पीड़ा कम करने तथा महिलाओं को सशक्त बनाने की शिक्षाओं का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने राजेश से कहा कि मुझे विश्वास है कि आप और आपकी टीम इन महान सिद्धांतों से प्रेरणा लेकर अपनी पूरी क्षमता से शहर की सेवा करेंगे और लोगों के जीवन को अधिक सुगम बनाएंगे। तिरुवनंतपुरम नगर निगम की 101 में से भाजपा ने 50 सीट जीती हैं।

पाकिस्तान से गतिविधियां चला रहे आतंकियों के आका की संपत्ति कुर्क

पुंछ/जम्मू। पुलिस ने पुंछ जिले के मेंढर इलाके में प्रतिबंधित संगठनों के आतंकी संचालक और लॉन्च कमांडर की अचल संपत्ति कुर्क कर ली है। यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत की गई है।

अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि इसमें नक्का मझरी क्षेत्र के नार गांव में स्थित चार मरला और दो सरसाई कृषि भूमि शामिल है। यह जमीन इलाके के निवासी रफीक नाई उर्फ सुल्तान की है। वह पाकिस्तान से गतिविधियां चला रहा है। नाई प्रतिबंधित तहरीक-उल-मुजाहिदीन और जम्मू कश्मीर गजनवी फोर्स के हैंडलर और लॉन्च कमांडर के रूप में कार्य करता है। नौ आपराधिक मामलों के सिलसिले में उसकी तलाश है। मेंढर पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कुर्की की कार्रवाई की। संपत्ति का बाजार मूल्य लगभग 10 लाख रुपये आंका गया है।

एआई के लाभ सभी तक पहुंचें यह तय करना जरूरी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के कार्यक्रम को मुर्मू ने किया संबोधित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को सकारात्मक बदलाव लाने का एक बड़ा अवसर बताते हुए कहा कि यह तय करना जरूरी है कि इसके लाभ समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से वंचितों तक पहुंचें। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि एआई भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका के रूप में उभर रहा है और आने वाले दशकों में इसका देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), रोजगार और उत्पादकता में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

उन्होंने कहा कि सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी बाधाओं को कम करने के लिए एआई का उपयोग किया जाना चाहिए। एआई भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका के रूप में उभर रहा है। भारत तेजी से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साझेदारों और शिक्षाविदों के सहयोग से यह सुनिश्चित कर रही है कि भारत न केवल प्रौद्योगिकी को अपनाए बल्कि इसके माध्यम से एक जिम्मेदार भविष्य का निर्माण भी करे।

जम्मू कश्मीर: गांदरबल में आतंकियों के दो मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने गांदरबल जिले में आतंकियों से कथित संबंधों में दो मददगारों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रवक्ता गुरुवार को बताया कि पुलिस ने बुधवार देर रात गुंडरेहमन पुल पर जांच के दौरान दो लोगों को हिरासत में लिया। उनके पास से हथियार, गोला-बारूद और 8.40 लाख रुपये नकद बरामद किया है।

प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों की पहचान गुलाम नबी मीर और शबनम नजीर के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों से बरामद की गई वस्तुओं में एक चीनी पिस्तौल, एक मैगजीन, चार गोलियां और दो हैंड ग्रेनेड भी शामिल हैं। इस संबंध में गांदरबल थाने में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही बरामद किए गए हथियारों, गोला-बारूद और नकदी के स्रोत, उद्देश्य और संभावित संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

विजयवर्गीय के बिगड़े बोल, कहा- फोकट का प्रश्न मत पूछो

इंदौर, एजेंसी

मप्र : दूषित पेयजल

- कैमरे के सामने आपत्तिजनक शब्द के प्रयोग से राजनीतिक विवाद छिड़ा, बाद में जताया खेद

मध्यप्रदेश के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में दूषित पेयजल संकट के बारे में पूछे जाने पर कैमरे के सामने आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग कर राजनीतिक विवाद छेड़ दिया है। यह घटना बुधवार देर रात उस समय हुई जब राज्य के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री विजयवर्गीय इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में फैले डायरिया के प्रकोप के संबंध में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। डायरिया मामले में आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या चार बताई गई है और 212 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है, लेकिन प्रभावित क्षेत्र के निवासियों का दावा है कि अब तक 10 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

प्रभावित इलाके से लौट रहे मंत्री से पूछा गया कि निजी अस्पतालों को चुकाए बिल का भुगतान लोगों को क्यों नहीं किया गया और लोगों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था क्यों नहीं की गई है? अधिकारियों से घिरे मंत्री ने नाराजगी दिखाते हुए कहा कि छोड़ो यार, तुम फोकट प्रश्न मत पूछो। इसे लेकर पत्रकार और विजयवर्गीय में बहस हो गई, जिसके बाद मंत्री ने आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें मंत्री को पत्रकार के सवाल पर घंटा शब्द का इस्तेमाल करते हुए सुना जा सकता है। वीडियो वायरल होने के बाद विजयवर्गीय ने बयान जारी करके खेद जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, मैं और मेरी टीम दो दिन से बिना सोए प्रभावित क्षेत्र में स्थिति सुधारने में जुटी हुई है। दूषित पानी से मेरे लोग पीड़ित हैं और कुछ हमें छोड़कर चले गए। इस गहरे दुःख की स्थिति में मीडिया के प्रश्न पर मेरे मुंह से गलत शब्द निकल गए। इसके लिए मैं खेद प्रकट करता हूं।

नैतिक आधार पर विजयवर्गीय से इस्तीफा लें सीएम

कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने विजयवर्गीय के विवादास्पद वीडियो पर कहा कि इंदौर में दूषित पानी से मौतों की संख्या 8 से बढ़कर 10 हो गई है। उन्होंने भाजपा नेताओं पर अहंकारी होने का आरोप लगाया और मांग की कि मुख्यमंत्री मोहन यादव नैतिक आधार पर विजयवर्गीय का इस्तीफा मांगें। कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने भी विजयवर्गीय पर निशाना साधते हुए कहा कि उल्टी-दस्त से कई लोगों की मौत पर द्रवित होने के बजाय विजयवर्गीय अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा नेताओं के सीने में दिल नहीं, बल्कि पत्थर है और उनकी संवेदनाएं मर चुकी हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल से फैले डायरिया के प्रकोप को आपात स्थिति बताया था और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया था। उन्होंने बताया था कि 212 मरीजों में से 50 को छुट्टी दे दी गई।

समय पर चिकित्सा मिल जाती तो पीड़ित की बच जाती जान

नई दिल्ली, एजेंसी

बीएमडब्ल्यू दुर्घटना का मामला

- पुलिस ने कहा- वित्त मंत्रालय के अधिकारी दुर्घटना के बाद 15 मिनट तक थे जीवित

पिछले साल सितंबर में धौला कुआं के पास हुए बीएमडब्ल्यू दुर्घटना मामले में अपने आरोप पत्र में दिल्ली पुलिस ने कहा है कि तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार से कुचले गए वित्त मंत्रालय के 52 वर्षीय अधिकारी नवजोत सिंह दुर्घटना के बाद कम से कम 15 मिनट तक जीवित थे और अगर उन्हें समय पर चिकित्सा सहायता मिली होती तो उनकी जान बचाई जा सकती थी।

अंतिम रिपोर्ट पिछले सप्ताह मजिस्ट्रेटी अदालत में दाखिल की गई। इस दुर्घटना में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में उप सचिव नवजोत सिंह की 14 सितंबर को मौत हो गई थी, जबकि उनकी पत्नी सहित तीन अन्य लोग घायल हो गए थे। यह हादसा उस समय हुआ जब एक बीएमडब्ल्यू कार ने रिंग रोड पर दिल्ली कैंटोनमेंट मेट्रो स्टेशन के पास सिंह की बाइक को टक्कर मार दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट अंकित गर्ग के समक्ष दाखिल 400 पन्नों के आरोप पत्र में पुलिस ने यह जानकारियां दीं।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर शराब पीये 868 वाहन चालकों के कटे चालान

नई दिल्ली। दिल्ली यातायात पुलिस ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर शराब पीकर वाहन चलाने पर 868 चालान काटे है। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि पिछले साल शराब पीकर वाहन चलाने पर 556 चालान हुए थे। इस दौरान कानून व्यवस्था बनाएं रखने के लिए यातायात और पुलिस के 20,000 जवान तैनात किए गए थे।

- कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 20,000 पुलिस के जवान थे तैनात

अधिकारी के अनुसार नशे व तेज रफ्तार वाहन चलाने, बाइक से करतब दिखाने और अन्य उल्लंघनों पर अंकुश लगाने के लिए प्रमुख सड़कों, रात्रि आयोजन स्थलों और आवासीय इलाकों में विशेष प्रवर्तन दल तैनात किए गए थे। रातभर विभिन्न स्थानों पर चौकियां स्थापित कर नशे में वाहन चलाने वालों की जांच की गई।

वर्ल्ड ब्रीफ

एयर मार्शल नागेश कपूर बने वायुसेना उप प्रमुख, कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। एयर मार्शल नागेश कपूर ने बृहस्पतिवार को भारतीय वायु सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। इस नियुक्ति से पहले उन्होंने दक्षिण पश्चिमी वायु कमान (एसडब्ल्यूएसी) के वायु अधिकारी कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया था। वह एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी का स्थान लेंगे जो चार दशकों तक राष्ट्र की सेवा करने के बाद बुधवार को सेवानिवृत्त हुए। भारतीय वायु सेना ने '' 'एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा, एयर मार्शल नागेश कपूर ने एक जनवरी 2026 को भारतीय वायु सेना के उप प्रमुख का पदभार ग्रहण किया। दिसंबर 1986 में भारतीय वायु सेना की फ्लाइंग ब्रांच में कमीशन प्राप्त करने वाले एयर मार्शल कपूर के पास भारतीय वायु सेना के विभिन्न लड़ाकू और प्रशिक्षण विमानों को उड़ाने का व्यापक अनुभव है।

भारत-पाकिस्तान में परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान

नई दिल्ली। तीन दशक से अधिक समय से जारी सिलसिले को बरकरार रखते हुए भारत और पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को एक द्विपक्षीय समझौते के तहत अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह आदान-प्रदान ऐसे समय हुआ है जब पिछले साल मई में चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सूची का आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले को रोकने वाले एक समझौते के प्रावधानों के तहत हुआ। नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच राजनयिक माध्यम से सूची का आदान-प्रदान एक साथ किया गया। मंत्रालय ने कहा, भारत और पाकिस्तान ने राजनयिक माध्यम से नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया।

नीदरलैंड का मशहूर चर्च वोंडेलकर्क भीषण आग से नष्ट

हेग। नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम में स्थित प्रतिष्ठित 'वोंडेलकर्क' चर्च गुरुवार तड़के लगी आग में लगभग पूरी तरह नष्ट हो गया। नीदरलैंड के सार्वजनिक प्रसारक नीदरलैंड्से ओमरोप स्टिख्टिंग (एनओएस) की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात करीब 1:00 बजे वोंडेलपार्क में स्थित चर्च के टॉवर में आग की लपटें उठने लगीं। आसपास के दर्जनों घरों को खाली करा लिया गया क्योंकि हवा के कारण जलता हुआ मलबा आसपास की सड़कों पर गिर रहा था। खाली कराए गए निवासियों को अस्थायी रूप से पास के एक योग स्टूडियो में ठहराया गया।

बुल्गारिया की आधिकारिक मुद्रा बना यूरो, अभी लेव भी चलेगी

सोफिया (बुल्गारिया), एजेंसी

बुल्गारिया ने आधिकारिक तौर पर 2026 के पहले दिन से यूरो मुद्रा को अपना लिया है और इसके साथ ही यह यूरो क्षेत्र का 21वां सदस्य बन गया है। यूरोपीय संघ में शामिल होने के ठीक 19 साल बाद देश ने यह मुद्रा अपनाई है।

आधिकारिक घोषणा के मुताबिक जनवरी के अंत तक यूरो के साथ स्थानीय मुद्रा लेव भी भुगतान के वैध माध्यम बनी रहेगी। एक फरवरी से यूरो एकमात्र आधिकारिक मुद्रा बन जाएगा। आठ अगस्त, 2026 तक कीमतें यूरो और लेव दोनों में प्रदर्शित होती रहेंगी। जनवरी 2026 के महीने में, बुल्गारिया में लोग खुदरा दुकानों पर भुगतान के लिए लेव और यूरो दोनों मुद्राओं का उपयोग कर सकेंगे। दुकानदारों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे ग्राहकों को बची हुई राशि केवल एक ही मुद्रा यूरो में वापस करेंगे। यदि यूरो उपलब्ध न हों तभी तो लेव में भुगतान होगा। वर्ष 2026 में नागरिक बुल्गारियाई डाक विभाग की शाखाओं में भी लेव का विनिमय कर सकेंगे, जबकि बुल्गारियाई राष्ट्रीय बैंक लेव को यूरो में निःशुल्क परिवर्तित करने की सुविधा देगा।

और सख्त कदम उठाने की जरूरत

देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की क्रूर हत्या ताजा घटना है जो भारत में नस्लीय हिंसा की गंभीर होती समस्या की ओर से इशारा करती है। पूर्वोत्तर भारतीयों के खिलाफ नस्लीय हिंसा की घटनाएं पहले भी होती रही हैं। इनमें शारीरिक हमले, मौखिक दुर्व्यवहार और सामाजिक बहिष्कार जैसी घटनाएं शामिल हैं। यह एक ऐसा जटिल मुद्दा है जो सांस्कृतिक अंतर और पूर्वाग्रहों से उपजा है। पूर्वोत्तर के लोगों की संस्कृति और शारीरिक बनावट से जुड़े पूर्वाग्रह, ऐतिहासिक अलगाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा इसमें शामिल हैं। भारत सरकार की ओर से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कानून बनाने के साथ कई और कदम उठाए गए हैं लेकिन इनका बहुत ज्यादा प्रभाव फिलहाल देखने में नहीं आ रहा है। एंजेल चकमा की हत्या ने साफ इशारा किया है कि इन घटनाओं को रोकने के लिए सरकार को और सख्ती दिखानी पड़ेगी।

भारत में नस्लीय हिंसा

हाल-फिलहाल हुई प्रमुख घटनाएं

- अमरावती के रेट्याखेड़ा गांव में 30 दिसंबर 2024 को 77 वर्षीय आदिवासी महिला के साथ अमानवीय हिंसा की गई। काला जादू का आरोप लगाकर पीटा, गर्म सलाखों से दागा और चप्पलों की माला पहनाकर गांव में घुमाया।
- मणिपुर में मैतेई और कुकी जो समुदायों के बीच मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा 2025 तक जारी रही। इसमें सैकड़ों लोग मारे गए और 60,000 से अधिक विस्थापित हुए। यह हिंसा भारत की सबसे गंभीर घटना है।
- देहरादून में त्रिपुरा के 24 वर्षीय छात्र एंजेल चकमा और उनके भाई को अपमानजनक शब्दों से संबोधित किया। विरोध करने पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद पूरे पूर्वोत्तर भारत में गुस्से की लहर है।

आधिकारिक रिकॉर्ड

- सरकार ने राज्यसभा में स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो मॉब लिंचिंग जैसे मामलों का अलग विशिष्ट डेटा नहीं रखता है।
- नागरिक अधिकार संगठनों के अनुसार जून 2024 से जून 2025 तक भारत में 947 घृणा संबंधी घटनाएं हुईं, सामुदायिक पहचान इनका कारण थी।

भारत सरकार ने उठाए कदम

देश में नस्लीय हिंसा रोकने के लिए कड़े कानून बनाने के साथ विशेष पुलिस सेल भी स्थापित की गई है।

जागरूकता बढ़ाने को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में पूर्वोत्तर के इतिहास और संस्कृति को शामिल किया गया है।

हालांकि इन प्रयासों के बाद भी जमीनी स्तर पर प्रभाव कम रहा है और घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

नस्लीय घटनाओं के जोखिम

नस्लीय हिंसा की घटनाएं राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती हैं, दूसरे देशों को लाभ उठाने का मौका मिलता है।

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाता है और आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है।

नस्लीय हिंसा के पीड़ितों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और नफरत भी बढ़ती है।

भारत से ज्यादा घटनाएं अमेरिका में

- आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2021 में करीब 700 ऐसी घटनाएं हुईं, अमेरिका में ऐसे 9000 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए।
- भारत में वर्ष 2022 में भी 600 से ज्यादा नस्लीय हिंसा की घटनाएं हुई जबकि अमेरिका में इनकी संख्या 10,000 के पार निकल गई।
- वर्ष 2023 में भारत में इस तरह का कोई सरकारी आंकड़ा जारी नहीं किया गया, अमेरिका के रिकॉर्ड में 11,000 घटनाएं दर्ज हुईं।

कच्चा तेल: रूस के बाद वेनेजुएला पर भी ट्रंप सख्त, भारत की बढ़ेगी मुश्किल

वेनेजुएला के 'शैडो फ्लीट' पर अमेरिकी प्रतिबंधों से खरीदना पड़ सकता है महंगा तेल

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी वित्त विभाग की ओर से बुधवार को वेनेजुएला में निकोलस मादुरो की सरकार के 'शैडो फ्लीट' से जुड़ी चार शिपिंग कंपनियों और चार तेल टैंकरों पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की गई जिसके बाद निजी क्षेत्र की भारतीय रिफाइनरियां आपूर्ति श्रृंखला में फिर से आए व्यवधान से निपटने की तैयारी कर रही हैं। विशेषज्ञों ने दावा किया है कि ट्रंप प्रशासन की ओर से रूस और वेनेजुएला दोनों पर कड़ा रुख अपनाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियों को मध्य पूर्वी उत्पादकों की ओर रुख करना होगा या फिर ज्यादा प्रीमियम पर अमेरिकी शेल तेल की खपत बढ़ानी होगी

शैडो फ्लीट, जिसे डार्क फ्लीट के नाम से भी जाना जाता है, टैंकरों और सहायक जहाजों के एक समूह को दर्शाता है जो प्रतिबंधित या उच्च जोखिम वाली वस्तुओं को स्थानांतरित करने के लिए भ्रामक शिपिंग विधियों का इस्तेमाल कर वास्तविक मूल, स्वामित्व या गंतव्य को छिपाते हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे अधिकतम दबाव अभियान के तहत इस कदम का उद्देश्य वेनेजुएला सरकार की वित्तीय आपूर्ति को अवरुद्ध करना है। कहा जा रहा है कि दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत के लिए यह निर्णय पहले से ही नाजुक ऊर्जा सुरक्षा परिदृश्य को और अधिक जटिल बना सकता है।

दरअसल, ये प्रतिबंध उन जहाजों को निशाना बनाते हैं जिन पर वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल के परिवहन के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को दरकिनार करने का आरोप है। हालांकि भारत हाल के वर्षों में अपने तेल भंडार में काफी विविधता लाया है फिर भी वेनेजुएला का कच्चा तेल रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी जैसी निजी क्षेत्र की भारतीय रिफाइनरियों के लिए एक मुनाफा देने वाला कच्चा माल बना हुआ है। ये रिफाइनरी विशेष रूप से सस्ते और भारी ग्रेड के तेल को संसाधित करने के लिए डिजाइन की गई हैं। उद्योग विश्लेषकों का मानना है कि इन विशिष्ट टैंकरों को अवरुद्ध संपत्ति की सूची में शामिल करने से उपमहाद्वीप के लिए सभी निर्धारित माल परिवहन तत्काल रोक दिया जाएगा।

जहाजरानी आंकड़ों के अनुसार, प्रतिबंधित जहाजों में से कम से कम एक को उन मार्गों पर देखा गया था जिनका उपयोग अक्सर भारत और चीन सहित एशियाई बाजारों को आपूर्ति करने के लिए किया जाता है। भारत के लिए अमेरिका की ओर से लगाए गए इन प्रतिबंधों का समय विशेष रूप से संवेदनशील है।

भारत की ओर से अभी आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं

विदेश मंत्रालय ने हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है लेकिन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि भारत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मानदंडों का सख्ती से पालन करते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता देना जारी रखेगा। राजधानी दिल्ली स्थित एक ऊर्जा थिंक टैंक के एक वरिष्ठ सलाहकार ने कहा, भारत ने हमेशा ऊर्जा सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता माना है। ट्रंप प्रशासन की ओर से रूस और वेनेजुएला दोनों पर कड़ा रुख अपनाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियों को मध्य पूर्वी उत्पादकों की ओर रुख करना होगा या संभवतः अधिक प्रीमियम पर अमेरिकी शेल तेल की खपत बढ़ानी होगी।

भारत के लिए सीमित हुए आयात विकल्प

वेनेजुएला को पहले रूसी तेल की कमी को पूरा करने वाले संभावित स्रोत के रूप में देखा जा रहा था, ऐसे में इस नवीनतम कार्रवाई से भारतीय कंपनियों के विकल्प सीमित हो गए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, वित्तीय विभाग मादुरो शासन पर दबाव बनाने के अभियान को जारी रखेगा। हम मादुरो सरकार को अवैध तेल निर्यात से लाभ कमाने की अनुमति नहीं देंगे, जबकि वह अमेरिका में नशीले पदार्थों की भारी खेप भेज रहा है। हाल ही में अमेरिका की ओर से रोसनेफ्ट और लुकोइल जैसे प्रमुख रूसी उत्पादकों पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण भारतीय रिफाइनरी पहले ही रूसी तेल का आयात कम कर रही हैं।

नए साल का स्वागत

नए साल का दुनिया भर में बेहद जोशखरोश के साथ स्वागत किया गया। सिडनी में नववर्ष के समारोह के दौरान आधी रात को हार्बर ब्रिज के ऊपर आकर्षक आतिशबाजी की गई, इसे देखने के लिए यहां हजारों लोग पहुंचे थे।

अफगानिस्तान में बाढ़ से 17 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में कई इलाकों में भारी बारिश से अचानक आई बाढ़ में 17 लोग मारे गए और 11 घायल हो गए।

हालांकि, मौसम की पहली भारी बारिश और हिमपात से लंबे समय से चले आ रहे सूखे का अंत हो गया है। अफगानिस्तान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि भीषण मौसम ने मध्य, उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में भी दैनिक जीवन को बाधित कर दिया है। उन्होंने बताया कि बाढ़ ने प्रभावित जिलों में बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचाया है व मवेशी भी मारे गए हैं।

ईरान में आर्थिक संकट पर विरोध तेज रिवोल्यूशनरी गार्ड' के सदस्य की मौत

दुबई, एजेंसी

- राजधानी तेहरान के बाद राज्यों में भी फैल रहे हैं प्रदर्शन

ईरान के पश्चिमी प्रांत में खराब अर्थव्यवस्था के खिलाफ भड़के विरोध-प्रदर्शन और तेज होने लगे हैं। इस दौरान 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के एक स्वयंसेवक सदस्य की मौत हो गई। प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों में यह पहली मौत बताई जा रही है।

बुधवार रात 'बासिज फोर्स' के 21 वर्षीय स्वयंसेवक की मौत को लेकर आशंका जताई जा रही है कि इससे प्रदर्शनों के खिलाफ ईरान की सरकार की कार्रवाई और सख्त हो सकती है। इस बीच राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़े हों, लेकिन अन्य प्रांतों में फैल रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने रिवोल्यूशनरी गार्ड के सदस्य की मौत की पुष्टि की। बासिज के करीबी माने जाने वाले 'स्टूडेंट न्यूज नेटवर्क' ने लोरेस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर सईद पौराली के हवाले से कहा कि प्रदर्शकारी इस मौत के जिम्मेदार हैं। पौराली के अनुसार, इस शहर में लोक-व्यवस्था की रक्षा के दौरान गार्ड का सदस्य शहीद हो गया।

ममदानी ने कुरान पर हाथ रखकर ली न्यूयॉर्क के महापौर के रूप में शपथ

न्यूयार्क, एजेंसी

- शहर के पहले मुस्लिम मेयर बने कहा- यह मेरे जीवन का सौभाग्य

जोहरान ममदानी ने बुधवार आधी रात के बाद मैनहट्टन के एक बंद पड़े मेट्रो स्टेशन की मेहराबदार छत के ठीक सामने सीढ़ियों पर खड़े होकर न्यूयॉर्क शहर के महापौर के रूप में शपथ ली। डेमोक्रेट पार्टी के सदस्य ममदानी ने कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली और अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम मेयर बने।

ममदानी ने अपने संक्षिप्त भाषण में कहा, यह सचमुच मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। विदेशी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह समारोह शहर के मूल मेट्रो स्टेशनों में से एक प्रतिष्ठित सिटी हॉल स्टेशन पर आयोजित किया गया। महापौर के रूप में अपने पहले भाषण में ममदानी ने कहा कि पुराना मेट्रो स्टेशन हमारे शहर की जीवंतता, स्वास्थ्य और विरासत के लिए सार्वजनिक परिवहन के महत्व का प्रमाण है। वह न केवल शहर के पहले मुस्लिम महापौर हैं, बल्कि दक्षिण एशियाई मूल के पहले और अफ्रीका में जन्मे पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने न्यूयार्क के महापौर का पद भार संभाला है। मात्र 34 वर्ष की आयु में महापौर बने ममदानी पीढ़ियों में शहर के सबसे युवा महापौर हैं। समारोह के अंत में उन्होंने लोगों को मुस्कुरा कर कहा आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद, अब आपसे बाद में मिलते हैं।

रूस के कब्जे वाले खेरसॉन में ड्रोन हमले, 24 लोगों की मौत

कीव, एजेंसी

- आधी रात किए गए हमले के बाद एक कैफे और होटल में लगी आग

यूक्रेन के खेरसॉन क्षेत्र में रूस के कब्जे वाले एक गांव में यूक्रेनी ड्रोन हमले में 24 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। रूस के अधिकारियों के मुताबिक काला सागर तट पर स्थित रिसॉर्ट कस्बे खोरली में एक कैफे और होटल को निशाना बनाते हुए तीन ड्रोन हमले किए गए। एक ड्रोन में ज्वलनशील मिश्रण था, जिससे आग लग गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने अभी इस हमले के दावे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

यह घटना ऐसे समय हुई जब दोनों देशों के बीच शांति वार्ता को लेकर कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, लेकिन तनाव लगातार बढ़ रहा है। इस घटना की कई रूसी अधिकारियों ने निंदा की। रूस की संसद के उच्च सदन फेडरेशन काउंसिल की अध्यक्ष वैलेन्तीना मत्विएन्को ने कहा कि इस हमले ने यूक्रेन पर रूस के लगभग चार साल पुराने आक्रमण में अपने लक्ष्यों को शीघ्र हासिल करने के संकल्प को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा, यह हमला एक बार फिर हमारी शुरुआती मांगों की वैधता को दर्शाता है।

बैकफुट पर लोकपाल, सात बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद का विवादित टेंडर रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

- भ्रष्टाचार विरोधी संगठनों के साथ विपक्ष ने भी की थी महंगी कारें खरीदने की कड़ी आलोचना

भ्रष्टाचार-रोधी संस्था लोकपाल ने सात लग्जरी बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद के लिए जारी की गई अपनी विवादास्पद निविदा को रद्द कर दिया है। इस निविदा को जारी होने के लगभग दो महीने बाद ही रद्द कर दिया गया। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विपक्षी दलों और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ताओं ने लोकपाल की ओर से महंगे और उच्च श्रेणी की कारों की खरीद के फैसले की कड़ी आलोचना की थी।

अधिकारियों ने बताया कि खरीद प्रस्ताव को रद्द करने का निर्णय लोकपाल की पूर्ण पीठ के एक प्रस्ताव के बाद लिया गया। लोकपाल ने 16 अक्टूबर, 2025 को लगभग पांच करोड़ रुपये में सात बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज 330ली कारों की आपूर्ति के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों से निविदाएं आमंत्रित करने के वास्ते प्रस्ताव के लिए अनुरोध जारी किया था। संस्था में अध्यक्ष न्यायमूर्ति एएम खानविलकर (सेवानिवृत्त) और छह अन्य सदस्य शामिल हैं।

निविदा में सात बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज 330एलआई लंबे व्हीलबेस और सफेद रंग के एम स्पोर्ट मॉडल की खरीद का उल्लेख था। नई दिल्ली में प्रस्तावित कारों की कीमत लगभग पांच करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया था। लोकपाल के इस फैसले की विपक्षी दलों ने कड़ी आलोचना की थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस संस्था को शौक पाल करार दिया था, जबकि नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने मांग की थी कि लोकपाल निविदा रद्द करे और भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 2 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 18.53 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

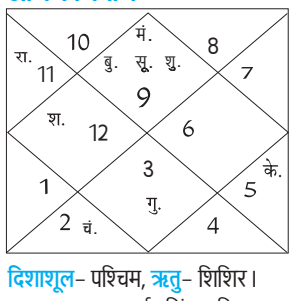

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मृगशिरा 20.04 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष - आज व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं। घर का वातावरण काफी अच्छा रहने वाला है। धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा। कारोबार को लेकर की गई यात्राओं से काफी अच्छा लाभ मिलेगा। आप अपने खर्चों पर नियंत्रण पाने में सफलता मिलेगी।

वृष - आज परिवार की जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वाह करें। धनाभाव के कारण जो काम रुके थे वो शुरू हो सकते हैं। रचनामत्क कार्यों में आप काफी सक्रिय रहेंगे। कानूनी विवादों का समाधान निकल सकता है।

मिथुन - आज संतान के व्यवहार से आप आनंद महसूस करेंगे। आपके मन में परोपकार की भावना रहेगी। आकस्मिक धन लाभ होने की संभावना बन रही है। व्यावसायिक परेशानियों का निपटारा होगा। साझेदारी में आप काम शुरू कर सकते हैं।

कर्क - आज समाज में सम्मानित लोगों को कुछ परेशानी का अनुभव होगा। आलस्य के कारण आपके प्रदर्शन में कमी आएगी। आपको जल्दबाजी में आपको निर्णय लेने से बचना चाहिए। गूढ़ विषयों को लेकर नए अनुभव प्राप्त होंगे।

सिंह - आज कड़ी मेहनत का सार्थक परिणाम प्राप्त होगा। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। आपको कुछ शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। अपने विचारों में स्पष्टता रखें। व्यापार में नए साझेदार जुड़ सकते हैं।

कन्या - आज नया निवेश करने से पहले आपको सभी पहलुओं पर विचार कर लेना चाहिए। व्यवसाय में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। आपको जिम्मेदारी वाला पद मिल सकता है। धन के लेन-देन को लेकर समझदारी रखें।

तुला - आज अपेक्षा से अधिक अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। समाज के उच्च वर्ग के लोगों से आपका मेल-मिलाप बढ़ेगा। आपकी दिनचर्या संयमित रहेगी। आपको लोगों से सहायता लेनी पड़ सकती है। बौद्धिक चर्चाओं में आप भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक - आज असंतुलित खानपान के कारण कब्जियत हो सकती है। सबके प्रति सामान्य व्यवहार ही रखें। किसी की भावनाओं का तिरस्कार न करें। स्वार्थवश काम करने के कारण आपकी आलोचना हो सकती है। मित्रों के साथ मनमुटाव हो सकता है।

धनु - आज दोपहर के बाद कहीं घूमने-फिरने की योजना बना सकते हैं। उच्च अधिकारी आपके अनुकूल रहेंगे। अजनबी लोगों पर ज्यादा विश्वास करना हानिकर हो सकता है। लड़कियों के विवाह को लेकर आ रही अड़चनें दूर होंगी।

मकर - आज आप अपने प्रेमी को प्रपोज करने का विचार कर सकते हैं। दूसरों के उलझे मामलों को आपको सुलझाना पड़ेगा। घरेलू खर्चों को लेकर थोड़ा तनाव उभर सकता है। योजनाबद्ध तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी।

कुंभ - आज शेयर मार्केट से काफी अच्छा धन लाभ हो सकता है। नई योजनाओं के विषय में मित्रों से चर्चा करेंगे। व्यवसाय में लाभ की स्थितियां बढ़ेंगी। आलस्य और प्रमाद से आपको बचना चाहिए। किसी भी चलते कार्य को अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति से बचें।

मीन - आज पैतृक संपत्ति के विवादों को लेकर शांत रहना ज्यादा हितकर है। लोग आपकी समस्याओं को हल्के में लेंगे, जिससे आपको बुरा लग सकता है। व्यवसाय में अपेक्षानुकूल परिणाम न मिलने से मन थोड़ा निराश रहेगा।

सुडोकू-20

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	9			3			4	
2	8				5		6	7
		6	4			1		
	6	9	2		3		5	8
8		5			6	4		
	3		5				1	
6					2	9		1
9		3	7				8	
	5			6	9			4

सुडोकू - 19 का हल

6	7	1	2	8	9	4	3	5
3	9	2	5	7	4	6	1	8
4	5	8	1	3	6	9	7	2
2	4	9	8	1	3	5	6	7
7	1	6	4	2	5	3	8	9
5	8	3	6	9	7	2	4	1
8	3	7	9	6	2	1	5	4
9	6	5	7	4	1	8	2	3
1	2	4	3	5	8	7	9	6

नई शुरुआत और सभी के लिए 2026 खुशहाल हो। जब दिन मुश्किल हो, तो आप पीछे नहीं हटते, आप उठते हैं और इसे फिर से करते हैं। वह उन पलों, लोगों और अनुभवों के लिए शुक्रगुजार हैं जिन्होंने बीते साल को बनाया।
-युवराज सिंह

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 2 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

डोप टेस्ट में फेल मिलीं रीतिका टॉप्स से बाहर

नई दिल्ली। डोप कलंकित पहलवान रीतिका हुड्डा को खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) से बाहर कर दिया गया है, जबकि कंपाउंड तीरंदाज परनीत कौर और अभिषेक वर्मा को कोर समूह में जगह मिल गई है और डेकाथलीट तेजस्विन शंकर को डेवलपमेंटल सूची में शामिल किया गया है। पिछले साल पेरिस ओलंपिक 2024 चक्र के बाद टॉप्स सूची 179 से घटाकर 94 कर दी गई थी। पिछले एक साल के प्रदर्शन को देखते हुए इसमें कुछ और बदलाव किए गए हैं। कोर ग्रुप के खिलाड़ियों की संख्या अब 118 है जिसमें 57 सामान्य और 61 पैरा एथलीट हैं। हुड्डा पिछले साल जुलाई में चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट में नाकाम रही थी। वह पिछले साल फरवरी में जारी टॉप्स कोर समूह का हिस्सा थी।

यूथ सेलिंग चैंपियनशिप 4 से 10 जनवरी तक

चेन्नई। एसडीएटी 11वीं इंडिया इंटरनेशनल यूथ सेलिंग चैंपियनशिप (आईआईआर) 2026, भारत की सबसे लंबे समय तक चलने वाली और सबसे लगातार अंतरराष्ट्रीय यूथ सेलिंग रेगाटा, आज चेन्नई में एक हाई-प्रोफाइल प्रेस कॉन्फ्रेंस में आधिकारिक तौर पर लॉन्च की गई। यह चैंपियनशिप, तमिलनाडु सेलिंग एसोसिएशन (टीएनएसए) की एक इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी है, जो 4 से 10 जनवरी 2026 तक चेन्नई पोर्ट पर होगी, जिसमें 13 देशों के 117 रजिस्टर्ड नाविक पाँच एलीट यूथ क्लास - 420, 29ईआर (लड़के और लड़कियों की स्किफ़), आईएलसीए 4 (लड़के और लड़कियों की डिंगी), ऑप्टिमिस्ट (लड़के और लड़कियाँ), और यूथ विंडसर्फिंग (लड़के और लड़कियाँ) में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

एटीपी ने सलाहकार परिषद की घोषणा की

नई दिल्ली। टेनिस पेशेवर संघ (एटीपी) ने गुरुवार को 2026 सीजन के लिए खिलाड़ी सलाहकार परिषद (प्लेयर एडवाइजरी काउंसिल) की घोषणा की। आज यहां मार्सेलो अरेवालो, जिजू बर्ग्स, नूनो बोर्गेस और झांग झिझेन को तीन वर्ष के कार्यकाल (2026-2028) के लिए परिषद का नया सदस्य चुना गया। जबकि मैकेंजी मैकडॉनल्ड को तीन साल के दूसरे कार्यकाल (यह भी 2026-2028) के लिए फिर से चुना गया है। वे 2026 परिषद में कैमिलो उगो कैराबेलि, पेड्रो मार्टिनेज, जौमे मुनार, आंद्रे रुब्लेव और एंड्रिया वावासोरी के साथ शामिल होंगे। एटीपी के अनुसार फेडरिको रिक्की परिषद में कोच प्रतिनिधि बने रहेंगे और निकोलस परेरा को पूर्व छात्र प्रतिनिधि के रूप में अपना पद बनाए रखा गया है।

महिला टीम ने किए महाकालेश्वर के दर्शन

उज्जैन। नव वर्ष के अवसर पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रमुख खिलाड़ियों ने गुरुवार तड़के श्री महाकालेश्वर मंदिर में प्रात:कालीन भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। श्री महाकाल पवन समिति द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी स्मृति मंधाना, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, राधा यादव, शेफाली वर्मा एवं रेणुका सिंह ठाकुर ने भस्म आरती में सहभागिता कर ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन के उपरांत मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एस.एन. सोनी ने सभी खिलाड़ियों का स्वागत एवं सम्मान किया।

एशेज के पांचवें टेस्ट में स्मिथ करेंगे कप्तानी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी एशेज टेस्ट की 15 सदस्यीय टीम के लिए स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर चार जनवरी से शुरु होने वाले टेस्ट मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में, सीनियर बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। कमिंस, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट नहीं खेल पाए।

विश्व कप 2027 के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंतित हूं : अश्विन

चेन्नई, एजेंसी

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2027 विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर संशय जताते हुए कहा कि तेजी से बढ़ती टी20 लीग और आईसीसी द्वारा हर साल किसी बडे टूर्नामेंट को बढ़ावा देने के कारण अत्यधिक क्रिकेट की वजह से यह प्रारूप अपनी जगह खो चुका है। अश्विन का मानना है कि टी20 लीग और टेस्ट क्रिकेट की अपनी प्रतिष्ठा बरकरार रखने के चलते वनडे क्रिकेट लगभग गैर जरूरी सा हो गया है।

अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' में कहा, 2027 विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट का भविष्य क्या होगा, इसको लेकर मैं निश्चित नहीं हूं। मैं इसे लेकर थोड़ा चिंतित हूं। मैं विजय हजारे ट्रॉफी देख रहा हूं, लेकिन जिस तरह मैंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी देखी, उसी तरह इसे देख पाना थोड़ा मुश्किल लग रहा है। उन्होंने कहा हमें यह भी समझना होगा कि दर्शक क्या देखना चाहते हैं। मुझे लगता है टेस्ट क्रिकेट के लिए अब भी जगह है, लेकिन वनडे क्रिकेट के लिए सच में जगह नहीं बची है।

सभी प्रारुपों में 765 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज अश्विन का कहना है कि किसी खेल को दर्शकों से जोड़ने के लिए स्टार खिलाड़ियों की जरूरत होती है और इसके लिए उन्होंने हाल में रोहित शर्मा और विराट कोहली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में खेलने से उमड़ी दर्शकों की भीड़ का उदाहरण दिया। इन दोनों खिलाड़ियों के नाम मिलाकर 86 वनडे शतक हैं।

उन्होंने कहा देखिए, रोहित और विराट जब विजय हजारे ट्रॉफी खेलने आए तो लोगों ने इसे देखना शुरू किया। हमें पता है कि खेल हमेशा खिलाड़ियों से बड़ा होता है, लेकिन कई बार खेल को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इन खिलाड़ियों (रोहित और विराट) की वापसी की जरूरत होती है। अश्विन ने कहा,

- बड़े स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा क्रिकेट को अलविदा कह देंगे
- टी-20 लीग और टेस्ट क्रिकेट की अहमियत के चलते वनडे प्रारूप के लिए जगह हो रही कम

विजय हजारे ट्रॉफी एक घरेलू वनडे टूर्नामेंट है जिसे ज्यादा लोग नहीं देखते। लेकिन विराट और रोहित के खेलने की वजह से लोग इसे देखने पहुंचे। फिर सवाल यह है कि जब वे वनडे खेलना बंद कर देंगे, तब क्या होगा?

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि एक समय 50 ओवरों का क्रिकेट एक शानदार प्रारूप हुआ करता था जिससे महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ी सामने आए जो पारी को संभालना जानते थे। उन्होंने कहा वनडे क्रिकेट कभी एक बेहतरीन प्रारूप था जिसने धोनी जैसा खिलाड़ी दिया जो 10-15 ओवर तक सिर्फ एक एक रन लेकर पारी को संभालता था और अंत में विस्फोटक बल्लेबाजी करता था। अब ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं और अब वैसी बल्लेबाजी की जरूरत भी नहीं है क्योंकि अब दो नई गेंदें होती हैं और सर्कल के अंदर पांच क्षेत्ररक्षक रहते हैं।

अश्विन ने साथ ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से व्यावसायिक हितों से प्रभावित हुए बिना अपने कैलेंडर पर पुनर्विचार करने की अपील की क्योंकि उन्हें लगता है कि काफी ज्यादा विश्व कप हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब लगभग हर साल आईसीसी टूर्नामेंट होने का मुख्य कारण राजस्व बढ़ाना है जबकि 2025 के कैलेंडर में पुरुषों की चैंपियंस ट्रॉफी और महिलाओं का वनडे विश्व कप शामिल था और 2026 में पुरुषों और महिलाओं दोनों का टी20 विश्व कप होगा। उन्होंने कहा वनडे प्रारूप अब गैरजरूरी सा हो गया है और आईसीसी जिस तरह से विश्व कप आयोजित कर रहा है, उसे इस पर भी ध्यान देने की दरकार है।

हर साल राजस्व के लिए कोई आईसीसी टूर्नामेंट कराया जाता है। फीफा को देखिए। वहां अलग लीग होती हैं और विश्व कप चार साल में एक बार होता है। इसलिए विश्व कप का अपना अलग महत्व है। अश्विन के कहा बहुत ज्यादा द्विपक्षीय श्रृंखलाएं, बहुत ज्यादा प्रारूप और बहुत ज्यादा विश्व कप, यह सब मिलकर अत्यधिक हो गया है।

ऋषभ पंत।

क्या पंत को खेलने का मौका दिए बिना बाहर करेंगे चयनकर्ता?

न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला

नयी दिल्ली, एजेंसी

ऋषभ पंत विजय हजारे ट्रॉफी के चार मैचों में भले ही एक अर्धशतक जमा सके हों, लेकिन पिछले 18 महीने में एक भी वनडे खेलने का मौका दिए बिना अगर उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज से बाहर किया गया तो अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की यह ज्यादती होगी। भारतीय चयनकर्ता न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा करेंगे और इसे लेकर काफी अटकलें हैं कि पंत टीम में रहेंगे या नहीं।

यह किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय टीम प्रबंधन में कम से कम एक सदस्य को तो पंत का 'अधिक जोखम से अधिक फायदा' वाला रवैया पसंद नहीं है और वह चाहते हैं कि बल्लेबाजी में पंत पारंपरिक रवैया अपनाए। लेकिन दूसरा मौका

2018 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 31 वनडे खेले हैं ऋषभ पंत ने

2024 में वापसी के बाद से उन्होंने कोलंबो में एकमात्र वनडे खेला

70 रन ही बना सके विजय हजारे ट्रॉफी के चार मैचों में खेलकर

अजित अगरकर।

दिए बिना पंत को बाहर करने से कई सवाल खड़े होंगे। पंत ने 2025 में एक भी वनडे नहीं खेला हालांकि वह चैम्पियंस ट्रॉफी टीम और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले महीने वनडे टीम का हिस्सा थे। सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर आजमाया गया और तीनों मैचों में पंत बाहर रहे।

पंत ने 2018 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 31 वनडे खेले हैं। उन्होंने 30 जून 2019 से 14 जनवरी 2020 के बीच में 11 वनडे खेले। फिर कोविड के बाद उन्होंने 26 मार्च 2021 से 30 नवंबर 2022 तक 15 वनडे खेले और एक शतक, दो बार 75 से अधिक रन और एक 85 रन की पारी खेली। इसके बाद वह भयावह कार दुर्घटना का शिकार हो गए। फिर 2024 में वापसी के बाद से उन्होंने कोलंबो में एकमात्र वनडे खेला। विजय हजारे ट्रॉफी के चार मैचों में वह एक ही मैच में 70 रन बना सके।

वहीं ईशान किशन ने झारखंड के लिये कर्नाटक के खिलाफ पहले ही मैच में 14 छक्के लगाए। ध्रुव जुरेल ने भी उत्तर प्रदेश के लिए शतक जमाया और वह पिछली वनडे सीरीज में भारतीय टीम में थे।

15 सदस्यीय टीम में तीन विकेटकीपर तो नहीं हो सकते और बल्लेबाज विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद केएल राहुल ही हैं। अब देखना यह होगा कि क्या पंत या जुरेल की जगह ईशान टीम में आते हैं। देवदत्त पडिक्कल के नाम पर भी विचार होगा जिन्होंने 37 मैचों में 92 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। पर कप्तान शुभमन गिल की वापसी और दूसरे छोर पर रोहित शर्मा की मौजूदगी के अलावा पिछले वनडे में शतक जमाने वाले यशस्वी जायसवाल के रहते हुए पडिक्कल को जगह मिलना मुश्किल लग रहा है। गेंदबाजी में टी20 विश्व कप को देखते हुए जसप्रीत बुमराह और हरफनमौला हार्दिक पंड्या को वनडे से आराम दिया जाना तय है। हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह पर विचार किया जा सकता है। मोहम्मद शमी की वापसी की भी अटकलें हैं।

मुझे लगा था कि मैं फिर कभी नहीं खेल पाऊंगा : चेतन

बेंगलुरु। चेतन सकारिया को तीन साल पहले तक भारत के उभरते हुए तेज गेंदबाजों में से एक गिना जाता था, लेकिन चोटिल होने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद उन्हें लगने लगा था कि वह फिर से कभी नहीं खेल पाएंगे। सकारिया ने मौजूदा घरेलू सत्र में सौराष्ट्र की तरफ से विजय हजारे ट्रॉफी में एक मैच खेला जो फरवरी 2024 के बाद उनका पहला मैच है।

सकारिया ने पीटीआई से कहा जब मुझे चोट लगी थी तो मुझे लगा था कि मैं कभी वापसी नहीं कर पाऊंगा। अब इस घरेलू सत्र में खेलकर मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। सौराष्ट्र के लिए गेंदबाजी करने के बाद बहुत अच्छा लग रहा है। इस तेज गेंदबाज के बाएं हाथ की कलाई में 2024 के शुरू में चोट लगी थी जिससे उबरने में उन्हें काफी समय लग गया। सकारिया ने कहा कि यह मानसिक रूप से थका देने वाला दौर था। उन्होंने कहा यह मेरे लिए मानसिक रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण था। मुझे विश्वास नहीं था कि मैं दोबारा क्रिकेट खेल पाऊंगा। कुछ डॉक्टरों ने मुझसे कहा कि शायद मैं दोबारा गेंद को ठीक से पकड़ भी न पाऊं।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 विश्व कप के लिए स्पिनरों पर जताया भरोसा

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए उपमहाद्वीप की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपनी टीम में स्पिन गेंदबाजों को प्राथमिकता दी है।

टी20 विश्व कप 2021 के विजेता आस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यहां 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। उसने टी20 से संन्यास ले चुके मिशेल स्टार्क की अनुपस्थिति में किसी भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को टीम में शामिल न करने का फैसला किया। कूपर कॉनोली को टीम में शामिल किया गया है जबकि

टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनोली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

वह ऑस्ट्रेलिया के पिछले 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से किसी में भी नहीं खेले हैं। स्टार्क ने पिछले छह टी20 विश्व कप में से केवल एक में भाग नहीं लिया है, लेकिन उन्होंने पिछले साल के अंत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था। ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद वह 13 फरवरी को कोलंबो में जिम्बाब्वे से भिड़ेगा और फिर 16 फरवरी को कैंडी में श्रीलंका और 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ मैच खेलेगा। इस महीने के अंत में पैट कमिंस की पीठ का स्कैन होने पर यह तय होगा कि वह टूर्नामेंट में खेलेंगे या नहीं। जोश हेजलवुड और टिम डेविड दोनों हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियमों के अनुसार कोई भी टीम 31 जनवरी तक अपनी टीम में बदलाव कर सकती है।

आईएसएल शुरू करने के लिए क्लबों ने लगाईं शर्तें

नई दिल्ली : इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 14 में से 13 क्लबों ने बृहस्पतिवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को बताया कि वे विलंबित 2025-26 सत्र में भाग लेने के लिए तैयार और इच्छुक हो सकते हैं, बशर्ते कि क्लबों से कोई भागीदारी शुल्क नहीं लिया जाए और प्रतियोगिता के आयोजन व संचालन से जुड़ी पूरी वित्तीय जिम्मेदारी एआईएफएफ उठाए।

आईएसएल में अपनी भागीदारी को लेकर शर्तें रखते हुए क्लबों ने एआईएफएफ से यह भी अनुरोध किया कि वह दीर्घकालिक योजना के क्रियान्वयन के लिए एक स्पष्ट और समयबद्ध रोडमैप प्रस्तुत करे।

हॉकी इंडिया लीग

रांची के मरंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में एसजी पाइपर्स और श्राची बंगाल टाइगर्स (ऑरेंज ड्रेस) के बीच विमेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 मैच के दौरान बॉल के लिए संघर्ष करतीं खिलाड़ी। ● एजेंसी

रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर एमबाप्पे चोटिल

पेरिस, एजेंसी

स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे के बाएं घुटने में चोट लगी है और उनका तीन सप्ताह तक खेलना संदिग्ध है। रियल मैड्रिड ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि फ्रांस के सुपरस्टार के पांव में मोच आई है, लेकिन इसमें यह नहीं बताया गया है कि वह कब तक पूरी तरह ठीक हो जाएंगे।

फ्रांस के खेल समाचार पत्र एलइक्विप ने किसी सूत्र का हवाला दिए बिना कहा कि एमबाप्पे कम से कम तीन सप्ताह तक अनुपलब्ध रहेंगे। एलइक्विप के अनुसार एमबाप्पे पिछले कुछ सप्ताह से अपने घुटने के पिछले हिस्से में लिगामेंट की समस्या से जूझ रहे थे और बुधवार सुबह किए गए एमआरआई में घाव का पता चला

- तीन सप्ताह तक फुटबॉल से रह सकते हैं दूर

जिसके लिए उपचार और आराम की आवश्यकता है। यह स्ट्राइकर शानदार फॉर्म में हैं। इस महीने की शुरुआत में एमबाप्पे ने 2025 में रियाल मैड्रिड के लिए अपना 59वां गोल किया, जिससे उन्होंने क्रिस्टियानो रोनाल्डो के क्लब की तरफ से एक साल में सर्वाधिक गोल करने की रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

अस्पताल में ठीक हो रहे हैं ब्राज़ील के लीजेंड कार्लोस

रियो डी जेनेरो। ब्राजील और रियल मैड्रिड के लीजेंड रॉबर्टो कार्लोस अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। एक मेडिकल प्रोसीजर के बाद, जिसे उन्होंने एक बचाव के लिए मेडिकल प्रोसीजर बताया। 52 साल के पूर्व लेफ्ट-बैक ने अपने इंस्टाग्राम पेज के जरिए फैंस को अपनी हालत के बारे में बताया, जिसमें अस्पताल के बिस्तर पर मुस्कुराते हुए उनकी एक तस्वीर भी थी।

उन्होंने उन अफवाहों का भी खंडन किया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। उन्होंने लिखा मैं हाल ही में चल रही जानकारी को साफ करना चाहता हूं। मैंने हाल ही में एक बचाव के लिए मेडिकल प्रोसीजर करवाया, जिसकी योजना मेरी मेडिकल टीम के साथ पहले से बनाई गई थी। प्रोसीजर सफल रहा, और मैं ठीक हूं। मुझे दिल का दौरा नहीं पड़ा। मैं अच्छी तरह से ठीक हो रहा हूं।

नए साल में टेनिस | आज से शुरू होगा यूनाइटेड कप, दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी लेंगे भाग

ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में धमाल मचाने को तैयार टेनिस

ब्रिस्बेन, एजेंसी

नया साल शुरू होते ही टेनिस हमेशा की तरह ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में धमाल मचाने के लिए तैयार है जिसका मुख्य आकर्षण 18 जनवरी से शुरू होने वाला ऑस्ट्रेलियाई ओपन होगा। एटीपी और डब्ल्यूटीए के 2025 फाइनल्स के छह सप्ताह से कुछ अधिक समय बाद पुरुष और महिला टूर के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पहुंच रहे हैं, जहां वे मेलबर्न में वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट से पहले दो सप्ताह तक विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण यूनाइटेड कप है जो मिश्रित टीम टूर्नामेंट है और शुक्रवार से शुरू होकर 11 जनवरी को समाप्त होगा। यह टूर्नामेंट पर्थ और सिडनी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 10 पुरुष और महिला खिलाड़ियों में से चार-

02 से 11 जनवरी तक चलेगा यूनाइटेड कप

18 जनवरी से मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन

चार खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें कोको गॉफ, टेलर फ्रिट्ज, एलेक्स डी मिनौर, इगा स्वियातेक, अलेक्जेंडर ज़्वेरेव, जैस्मीन पाओलिनी और फेलिक्स ऑगर एलियासिमे शामिल हैं। इसके अलावा 2026 के पहले सप्ताह के दौरान ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में मौजूदा चैंपियन एरिना सबलेंका मुख्य आकर्षण होंगी, जो दुबई में निक किर्गियोस के खिलाफ 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' प्रदर्शनी मैच खेलकर आ रही हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले होने वाले टूर्नामेंटों में पुरुष टेनिस के दो सबसे बड़े नाम विश्व रैंकिंग में पहले नंबर पर काबिज कार्लोस अल्काराज और दूसरे नंबर के यानिक सिनर नहीं खेलेंगे। अल्काराज़ और सिनर ने पिछले 10 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों में से नौ जीते हैं। उन्होंने 10 जनवरी को दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एक प्रदर्शनी मैच खेलने का फैसला किया है। इसके बाद उम्मीद है कि वे मेलबर्न पार्क में अपनी तैयारियां शुरू करने के लिए ऑस्ट्रेलिया आएंगे। अल्काराज़ सात साल बाद अपना पहला ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट लंबे समय तक अपने कोच रहे जुआन कार्लोस फेरेरो के बिना खेलेंगे।

यूनान व जापान के बीच मुकाबला आज

यूनाइटेड कप की शुरुआत शुक्रवार को पर्थ में यूनान और जापान के बीच होने वाले मैच से होगी। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में सबालेंका के अलावा अमांडा अनिसिमोवा, डब्ल्यूटीए फाइनल चैंपियन एलेना रायबाकिना, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मैडिसन कीज़, जेसिका पेगुला और मीरा एंड्रीवा भी भाग लेंगी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अभ्यास के तौर पर होने वाला एक अन्य टूर्नामेंट एटीपी-डब्ल्यूटीए एडिलेड इंटरनेशनल 12 से 17 जनवरी तक खेला जाएगा जिसका मुख्य आकर्षण 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नोवाक जोकोविच होंगे। ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट में भी एक डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा।